@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 4 अगस्त 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 265 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पाकिस्तान के हीरो बन रहे हैं कांग्रेस के नेता : प्रह्लाद जोशी

एजेंसी

हुबली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर पाकिस्तान में हीरो बनने का आरोप लगाते हुए रविवार को आलोचना की है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर देशहित को भूलकर पाकिस्तान के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। हुबली में मीडिया से बातचीत के दौरान आज केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को आतंकवाद के आरोपों से मुक्त करने की कोशिश कर रही है। हम जानते हैं कि मालेगांव की घटना के बाद क्या हुआ। उन्होंने जांच रोक दी और शरद पवार की पार्टी ने हिंदू आतंकवाद बताने की कोशिश की और समझौता एक्सप्रेस और मालेगांव की घटनाओं की तुलना करने की कोशिश की। जोशी ने कांग्रेस नेताओं पर पाकिस्तान को बचाने के लिए काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन कांग्रेस ने मालेगांव मामले में शुरुआती आरोपियों को बरी करने का काम किया।

चुनाव आयोग ने दो वोटर आईडी रखने के मामले में तेजस्वी यादव को जारी किया नोटिस

तेजस्वी यादव के नाम पर दो एपिक नंबर RAB2916120 और RAB0456228 दर्ज हैं।

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को दो अलग-अलग मतदाता पहचान पत्र रखने के मामले में चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। आयोग का दावा है कि दो में से एक एपिक नंबर अस्तित्वहीन है।आयोग ने तेजस्वी से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है। तेजस्वी यादव ने दावा किया था है कि बिहार की मतदाता सूची के प्रारूप में उनका नाम नहीं है। तेजस्वी के अनुसार उन्होंने जो एपिक नंबर (RAB2916120) शेयर किया, वो रिकॉर्डस में नहीं है। चुनाव आयोग ने इस पर संज्ञान लेते हुए तेजस्वी यादव को नोटिस जारी किया और एपिक नंबर RAB2916120 का विवरण मांगा है, ताकि इसकी जांच की जा सके। आयोग ने इस पर

स्पष्टीकरण मांगते हुए उनसे तय समयसीमा के भीतर तथ्यात्मक जवाब देने को कहा है। चुनाव आयोग ने नोटिस में कहा है कि आपकी ओर आपका नाम प्रारूप मतदाता सूची में नहीं होने की बात बताई गई। लेकिन जांच में पाया गया कि आपका नाम मतदान केन्द्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन) के क्रम संख्या 416 पर अंकित है, जिसका एपिक नंबर RAB0456228 है।

दरअसल, तेजस्वी यादव के नाम पर दो एपिक नंबर RAB2916120 और RAB0456228 दर्ज हैं। इनमें से पहला एपिक नंबर वर्ष 2015 की मतदाता सूची और 2020 के नामांकन पत्र में मौजूद था, जबकि दूसरा एपिक नंबर अस्तित्वहीन पाया गया है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह मामला मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टि या फर्जी दस्तावेज से जुड़ा हो सकता है, जिसकी गंभीरता से जांच की जा रही है। आयोग यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि दूसरा एपिक नंबर कभी आधिकारिक रूप से जारी किया गया था या नहीं।

एपिक नंबर मामले में बीजेपी हमलावार

'तेजस्वी के पास दो एपिक नंबर, दर्ज हो मुकदमा', भाजपा ने चुनाव आयोग से की मांग

पटना। बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने 'ईपीआईसी' विवाद पर राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। एनडीए नेताओं ने कहा कि तेजस्वी यादव के पास दो एपिक (ईपीआईसी) नंबर हैं, जो एक गंभीर अपराध है। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग को तेजस्वी यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना चाहिए। भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा कि कोई एक व्यक्ति दो वोटर आईडी कार्ड नहीं रख सकता है। अगर कोई दो वोटर आईडी कार्ड रखता है तो ऐसे मामलों में जेल जाने का प्रावधान है।चुनाव आयोग ने अपना एपिक नंबर जारी किया, लेकिन तेजस्वी यादव के पास एक अलग एपिक नंबर है, जो एक गंभीर मामला है।' भाजपा नेता ने चुनाव आयोग से मांग करते हुए कहा कि दो एपिक नंबर रखने पर तेजस्वी यादव के खिलाफ तुरंत एक्शन होना चाहिए।

तेजस्वी यादव दो एपिक नंबर का रहस्य बताएं: संबित पात्रा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष, खासकर कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर जुबानी हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल लगातार झूठे और भ्रामक तरीके से देश की संवैधानिक संस्थाओं की साख पर हमला कर रहे हैं, जो सीधे-सीधे भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश है। पात्रा ने आगे कहा कि जब विपक्ष लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर ही सवाल उठाता है, तो यह सिर्फ सरकार पर हमला नहीं होता, बल्कि ये भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली को कमजोर करने का प्रयास होता है। कांग्रेस और राजद पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा, इसलिए वे झूठे आरोपों और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संविधान और लोकतंत्र के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। विपक्ष की इस तरह की साजिशें कभी सफल नहीं होंगी और जनता 2024 की ही तरह 2025 में भी सच और विकास का साथ देगी।

2017 से पहले पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद का सीधा असर कानून व्यवस्था पर पड़ाः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने आयोजित यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में होने वाली भर्तियों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। उस दौरान पैसों का लेन-देन, बोली और भेदभाव ने नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सीएम ने चयनित कई अभ्यर्थियों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी और आतंकी घटनाएं बढ़ गयीं और जनता में असुरक्षा का माहौल बन गया।

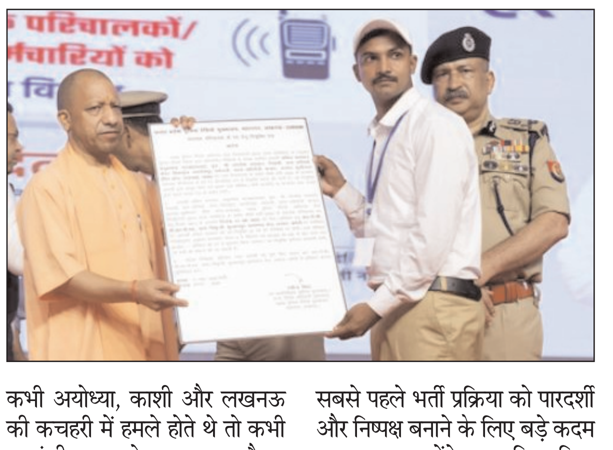

कभी अयोध्या, काशी और लखनऊ की कचहरी में हमले होते थे तो कभी आतंकी हमले। इस दौरान सीआरपीएफ कैंप रामपुर को भी निशाना बनाया गया। वहीं वर्ष 2017 में डबल इंजन की सरकार बनने पर सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़े कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती बोर्ड का सुदृढ़ीकरण किया गया। इसी का परिणाम है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक पुलिस की भर्ती और सरकारी नौकरी देने वाले राज्यों में पहले स्थान पर है। अब तक हमारी सरकार साढ़े आठ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान कर चुकी है, जो पूरे देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में पुलिस भर्ती प्रक्रिया में जो ऐतिहासिक बदलाव आए हैं, वे सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं हैं, बल्कि एक नई पहचान, सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 2017 से अब तक उत्तर प्रदेश पुलिस में 2 लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती की जा चुकी है, जो देश में सबसे बड़ा आंकड़ा है।

नहर में कार गिरने से 11 की मौत व चार घायल, एक बच्ची लापता

एजेंसी

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में रविवार को बेकाबू कार नहर में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में अधिकांश लोग एक ही परिवार के हैं। हादसे में तीन बच्चे और चालक बच गया हैं। इसके अलावा एक बच्ची लापता है, जिसकी तलाश जारी है। घटना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मृतकों के परिवार को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये देने का ऐलान किया है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मृतकों के परिवार को पांच-पांच लाख रुपये देने का घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव निवासी यह लोग जल चढ़ाने के लिए बोलेरा कार से पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। कार में 16 लोग सवार थे। घटना के वक्त बारिश हो रही थी। जिले के थाना इटियाथोक के अंतर्गत गांव रेहरा में नहर के किनारे की सड़क फिसलनभरी और संकरी होने से चालक के ब्रेक लगाया तभी कार फिसलते हुए नहर में जा गिरी। नहर पानी से लबालब भरा हुआ था, जिसमे कार डूब गयी। कार का गेट न खुलने से 11 लोगों की डूब कर मौत हो गई है। हादसे में तीन बच्चों सहित चार लोग किसी तरह बच गए। एक बच्ची अभी लापता बताई जा रही है।

● उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की।

● सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ' जनपद गोंडा में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।'

ग्रेनाइट खदान में चट्टानों के गिरने से छह की मौत व दस घायल

एजेंसी

बापटला। जिले की एक ग्रेनाइट खदान में रविवार सुबह अचानक चट्टानों के गिरने से छह मजदूरों की दबकर मौत हो गई। इस हादसे में दस मजदूर घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना के बाद चार शव बरामद किए जा चुके हैं लेकिन दो शव पत्थरों के नीचे फंसे हैं।जिन्हें निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक जताते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने घायलों को समुचित इलाज उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं। बताया गया कि बल्लीकुरवा गांव के निकट सत्यकृष्ण ग्रेनाइट खदान में 16 मज़दूर काम कर रहे थे। तभी अचानक एक खदान ढहने से वहां काम कर रहे कई मजदूर पत्थरों के नीचे दब गए। घटना की खबर मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। चट्टानों के नीचे दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। इनमें से चार शव बरामद हो गए हैं शेष दो लोग पत्थरों के नीचे दबे होने की जानकारी मिली है।

पिछली सरकारों ने दिल्ली के स्वास्थ्य व्यवस्था से किया खिलवाड़ः सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल कैलाश कॉलोनी मेट्रो स्टेशन स्थित अत्याधुनिक एसएसबी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण वर्षों से लचर पड़ी दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए उनकी सरकार कटिबद्ध है और इसी दिशा में दिल्ली के 24 निर्माणाधीन अस्पतालों के निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर शुरू करा दिया गया है। जल्द ही ये अस्पताल न सिर्फ दिल्ली की जनता को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे बल्कि राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर भी अपनी सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि यह अस्पताल न केवल दिल्लीवासियों के लिए वरदान साबित होगा, बल्कि राजधानी को हेल्थ हब बनाने के संकल्प की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह स्वागत-योग्य है कि एसएसबी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना से जुड़ रहा है, जिससे हर नागरिक को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछली सरकारों की लापरवाही के कारण दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल रही। आज भी दिल्ली में प्रति 1000 लोगों पर 2 बेड भी उपलब्ध नहीं हैं, जबकि डब्ल्यूएचओ का न्यूनतम मानक 2 और विकसित देशों में यह संख्या 5 है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि इस शर्मनाक स्थिति को बदलकर दिल्ली के स्वास्थ्य ढांचे को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक ले जाया जाए। हम नहीं चाहते कि किसी भी मरीज की मौत इलाज की कमी से हो।

उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार ने 24 अधूरे पड़े अस्पतालों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है, जिन्हें वर्षों तक पिछली सरकारों ने नजरअंदाज कर रखा था। हमारी सरकार का संकल्प है कि दिल्ली मेडिकल हब बने, जहां बेहतरीन डॉक्टर, अत्याधुनिक तकनीक, किफायती इलाज और विश्वस्तरीय ट्रॉमा केयर की सुविधा हर नागरिक को मिले। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली की स्वास्थ्य प्रणाली को दुरुस्त करने की दिशा में दिल्ली सरकार नई तकनीक और अत्याधुनिक उपकरणों से अस्पतालों का आधुनिकीकरण कर रही है। हाल ही में दिल्ली सरकार ने अपने अस्पतालों में ऐसे अत्याधुनिक उपकरण स्थापित किए हैं, जो रक्त की एक बूंद से डीएनए तक की जांच कर सकते हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

गोंडा में दर्दनाक सड़क हादसाः

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने जताया दुख, आर्थिक मदद का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के गोंडा में हुए सड़क हादसे पर रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया। पीएम मोदी ने हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस दुखद हादसे पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'उत्तर प्रदेश के गोंडा में हुई वाहन दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, 'उत्तर प्रदेश के गोंडा में हुए एक हादसे में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।'

बाढ़ पीड़ितों की मसीहा बनी योगी सरकार, अब तक 47 हजार से अधिक लोगों को दी राहत

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। इस दौरान वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों और राहत विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं, जिससे राहत कार्यों में कोई कमी न रहे। इसके अलावा सीएम योगी के निर्देश पर मंत्री बाढ़ प्रभावित जिलों का ग्राउंड जीरो पर निरीक्षण कर रहे हैं।

वर्तमान में प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाज़ीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं। इन सभी जिलों में राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। वहीं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी के जवानों द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही है। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि

वर्तमान में प्रदेश के 17 जिलों की 37 तहसीलें और 402 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन इलाकों में बाढ़ से 84,392 लोग प्रभावित हैं, जिनमें से 47,906 लोग ऐसे हैं जिन्हें राहत सहायता प्रदान की गयी है। वहीं बाढ़ की वजह से 2,759 मवेशियों को सुरक्षा स्थान पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 343 लोगों के मकानों को क्षति पहुंची है, जिनमें से 327 लोगों को सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। वहीं प्रदेश में 4,015 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल बाढ़ की

● 402 गांव बाढ़ से प्रभावित, 47 हजार पीड़ितों को पहुंचायी गयी राहत

चपेट में आया है। इन प्रभावित क्षेत्रों में 493 नावों और मोटरबोट्स की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इन इलाकों में अब तक 6,536 खाद्यान्न पैकेट और 76,632 लंच पैकेट वितरित किये जा चुके हैं। वर्तमान में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 29 लंगर के जरिये पीड़ितों को भोजन की सुविधा दी जा रही है।

स्वच्छता और हरियाली केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं: डॉ. पंकज कुमार सिंह

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छ भारत मिशन से प्रेरित होकर और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में चल रहे 'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' अभियान के तहत दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य, परिवहन एवं आईटी मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कल अपने विधानसभा क्षेत्र विकासपुरी के रनहौला गांव में स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। 1 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक चलने वाले इस विशेष अभियान का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली को स्वच्छ, सुन्दर और हरा-भरा बनाना है। रनहौला गांव में स्वच्छता अभियान के पश्चात डॉक्टर सिंह ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया और नागरिकों से वृक्षारोपण को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की अपील की। इसके बाद उन्होंने विकासपुरी कैंप कार्यालय में भी स्वच्छता अभियान चलाया, जिसमें कार्यालय के सभी कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. सिंह ने अपने टीम के सदस्यों को रोजमर्रा के कार्य में स्वच्छता को शामिल करने के लिए प्रेरित किया और उनसे आग्रह किया कि वे अपने कार्यस्थलों एवं समुदायों में स्वच्छ दिल्ली के संदेश देकर एक सशक्त प्रतिनिधि बनें।

शेष पृष्ठ 3 पर

नीतीश ने आपदा प्रबंधन विभाग का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज गृह विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। श्री कुमार ने आपदा प्रबंधन विभाग तथा राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं तथा कार्य पद्धतियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में वर्षापात की स्थिति, नदियों के जलस्तर तथा फसल आच्छादन की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान विकास आयुक्त और आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने राज्य में वर्षापात की स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 24 घंटों मे राज्य में अच्छी बारिश हुई है। राज्य के 222 प्रखंडों में 25 मि.मी. अथवा इससे अधिक बारिश दर्ज की गई है। गंगा, कोशी तथा बूढ़ी गंडक नदियों का जलस्तर बढ़ा है, पानी का स्तर खतरे के निशान के आसपास है लेकिन स्थिति अभी नियंत्रण में है।

ऑपरेशन सिंदूर में सैन्य के साथ-साथ नागरिक विभागों की भूमिका महत्वपूर्णः रक्षा मंत्री

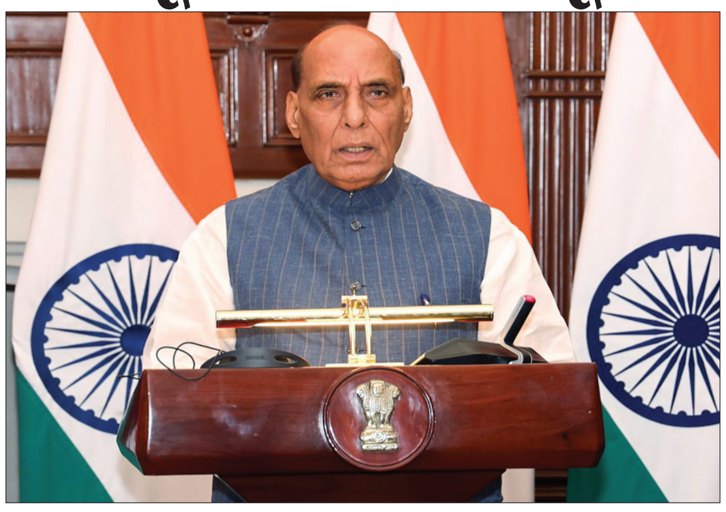

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा 7 मई 2025 को पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सैन्य कार्रवाई को कुछ दिन बाद तीन महीने पूरे हो जाएंगे। इसके बीच सरकार ने कई मौकों पर देश की सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम को सराहा है। लेकिन शुक्रवार को इससे इतर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के इस सैन्य अभियान में सैन्य के अलावा पर्दे के पीछे से (बैक-एंड सपोर्ट) नागरिक विभागों (सिविल) द्वारा निभाई गई भूमिका को भी प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में सैन्य के साथ ही देश के नागरिक विभागों का भी पूरा सहयोग रहा है। यह एक प्रकार से इस सैन्य अभियान की सफलता की कुंजी था। वर्तमान की सुरक्षा चुनौतियों के बीच असली ताकत नागरिक और सैन्य तालमेल ही है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 1 अगस्त को राजधानी स्थित डीआरडीओ भवन में आयोजित किए गए 84वें सशस्त्र सेना मुख्यालय नागरिक सेवा (एएफएचक्यू) दिवस-2025 समारोह को संबोधित करते हुए दी। बताते चलें कि पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की शह पर भारत के खिलाफआतंकी हमले करने वाले लश्कर के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफके आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। जिसमें भारत के 25 और एक नेपाल का नागरिक शामिल था। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई से पाकिस्तान को इस हमले को लेकर करारा जवाब दे दिया है। साथ ही ये उसे ये भी बता दिया है कि देश का यह अभियान अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। इस पर फिलहाल अस्थायी विराम लगाया गया है। नई सोच के साथ आतंकवाद के विरूद्ध भारत की शून्य सहिष्णुता की नीति जस की तस बरकरार है।

राजनाथ ने कहा कि आज के दौर में बदलती हुई सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से मजबूती और नवीनता की भावना के साथ हमें नवाचारों को बढ़ाने पर जोर देते हुए आगे बढ़ना चाहिए। जटिल सुरक्षा परिदृश्य के बीच पूरा देश युद्ध लड़ता है। लेकिन इसमें केवल सैन्य बल ही शामिल नहीं होते हैं। ऐसे में हमें किसी भी तरह की लापरवाही या गलती की कोई गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए। उन्होंने नागरिक सेवाओं को मजबूत सैन्य तंत्र की आधारशिला बताते हुए कहा, रक्षा मंत्रालय के लिए वायुसेना मुख्यालय सेवाएं एक संस्थागत स्मृति के रूप में कार्य करती हैं। यह प्रशासन में स्थिरता, क्षेत्र विशेषज्ञता और एकरूपता प्रदान करती है। साथ ही नीतिगत निरंतरता और नागरिक-सैन्य तालमेल स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जो एक आधुनिक और एकीकृत राष्ट्रीय रक्षा प्रणाली का एक मजबूत स्तंभ है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास पर बम लगाने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास पर बम रखे होने की धमकी भरा कॉल रविवार को नागपुर पुलिस को मिलने के बाद पूरा नागपुर पुलिस तंत्र अलर्ट पर है। यह धमकी भरा कॉल नागपुर शहर से ही पुलिस कंट्रोल रूम में आया था। पुलिस ने तुरंत जाँच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। नितिन गडकरी के घर पर बम रखने की धमकी देने वाले आरोपी का नाम उमेश राउत है और वह मेडिकल इलाके में एक देशी शराब की दुकान पर काम करता है। उमेश नागपुर के कोतवाली थाने की सीमा में एक किराए के मकान में अपने एक दोस्त के साथ रहता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास पर बम रखे जाने की धमकी भरा कॉल आने के बाद, पूरे इलाके और आवास की सुरक्षा तुरंत बढ़ा दी गई। बम निरोधक टीमें उनके आवास पर पहुँच गईं। लेकिन तलाशी के बाद कुछ नहीं मिला। पुलिस ने अब धमकी भरा कॉल करने वाले उमेश राउत से पूछताछ शुरू कर दी है और यह पता लगा रही है कि उसने ऐसा धमकी भरा कॉल क्यों किया। पुलिस जाँच में यह भी पता चला है कि आरोपी उमेश राउत का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस अब उसके साथ रहने वाले उसके दोस्त से भी पूछताछ कर रही है। परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त सिंघा कृषिकेश रेड्डी ने पत्रकारों को बताया कि सुबह 9 बजे के करीब हमारे 112 नंबर पर एक कॉल आई थी। उस कॉल में कहा गया था कि नितिन गडकरी के घर में बम लगा दिया गया है, वो बम फटने वाला है। उसके बाद हमने तुरंत बम डिटेक्शन और बम डिस्पोज़ल स्क्वॉड को एक्टिवेट किया। हमने नितिन गडकरी के सुरक्षा गार्ड्स को भी इसकी जानकारी दे दी है। हमने बम डिटेक्शन और डिस्पोज़ल स्क्वॉड की मदद से गडकरी के पूरे घर की जाँच की। हमें उसमें कुछ नहीं मिला। उसके बाद हमें पता चला कि वो एक फर्जी कॉल थी और हमने कॉल को ट्रेस किया। उसके बाद हमने आरोपी को लोकेशन से ढूंढ निकाला, उसके खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

देवरिया में तंत्र-मंत्र के चक्कर में बच्चे की बलि...पांच माह बाद आरोपी आए पकड़ में

देवरिया (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के देवरिया जिले में तंत्र-मंत्र के चक्कर में नौ वर्षीय एक बालक आरुष की बलि देने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 16 अप्रैल, 2025 को हुई थी जब बच्चा लापता हो गया था। पुलिस ने मामले में जय प्रकाश गौड़, इन्द्रजीत गौड़ उर्फ अतुल, भीम गौड़ और रमा शंकर उर्फ शंकर गौड़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान जय प्रकाश गौड़ को गिरफ्तार किया गया, जिसने बच्चे की बलि देने की बात कबूली। पूछताछ में सामने आया कि इन्द्रजीत गौड़ की शादी दिसंबर 2024 में हुई थी और शादी के बाद वहां कथित तौर पर बीमार हो गया। उसके ससुराल वालों ने उसे झाड़-फूंक के लिए अपने मामा जय प्रकाश के पास ले गए, जिसने नरबलि देने की बात कही। इसके बाद इन्द्रजीत ने अपने रिश्तेदार रमा शंकर उर्फ शंकर गौड़ से 50 हजार रुपये में एक छोटे बच्चे की व्यवस्था करने के लिए कहा। रमा शंकर 16 अप्रैल को आरुष को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया और बाद में इन्द्रजीत के मौसेरे भाई भीम को सौंप दिया। इसके बाद इन्द्रजीत, अपने मामा जयप्रकाश और मौसी के लड़के भीम के साथ मिलकर एक बगीचे में आरुष की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और शव को वहीं गाड़ दिया। बाद में बच्चे शव को निकालकर एक बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया। पुलिस ने लगभग पांच महीने बाद इस मामले का पर्दाफाश किया है।

कुलगाम के जंगलों में 3 दिन से जारी भीषण मुठभेड़ में 3 आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल जंगल क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ जारी है। अब तक इस ऑपरेशन में 03 आतंकियों को मार गिराया गया है, जबकि एक जवान के घायल होने की खबर है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि यह इस वर्ष का सबसे बड़ा आतंक रोधी अभियान हो सकता है। कुलगाम ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने जंगल को पूरी तरह घेर रखा है और आतंकियों के खिलाफ अंतिम चरण की कार्रवाई जारी है। इस एंटी-टेरर ऑपरेशन पर जम्मू-कश्मीर के डीजीपी और सेना की 15वीं कोर के कमांडर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। इस संबंध में क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों का कहना है, कि 1 अगस्त को आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर यह अभियान शुरू किया गया था। तलाशी के दौरान आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद यह मुठभेड़ में बदल गया। इन तीन दिनों में तीन आतंकियों को मारने में सफलता हासिल हुई है। अखल के घने जंगलों में बीती रात विस्फोटों और गोलीबारी की आवाजें गूंजती रहीं। इस एंटी-टेरर ऑपरेशन में सेना की स्पेशल पैरा फोर्स, हाईटेक सर्विलांस सिस्टम और ड्रोन की मदद ली जा रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम इस ऑपरेशन को अंजाम दे रही है। राज्य के डीजीपी और सेना की 15वीं कोर के कमांडर खुद हालात पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

फिर शुरू हुई केदारनाथ यात्रा, श्रद्धालुओं को अब 22 किमी ज्यादा पैदल चलना होगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित बाबा केदारनाथ धाम की यात्रा एक बार फिर से शुरू कर दी गई है। पिछले दिनों पैदल मार्ग पर भूस्खलन के कारण यात्रा बाधित थी। शनिवार को मार्ग आंशिक रूप से बहाल होने के बाद श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को सोनप्रयाग से गौरीकुंड होते हुए बाबा केदारनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। पुलिस अधीक्षक सर्वेश सिंह पंवार ने मीडिया को जानकारी दी कि अब श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने के लिए लगभग 22 किलोमीटर अतिरिक्त पैदल यात्रा करनी होगी। जब तक वाहनों की आवाजाही फिर से सामान्य नहीं हो जाती, तब तक यह वैकल्पिक पैदल मार्ग ही यात्रियों के लिए एकमात्र रास्ता रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बारिश की स्थिति में आवाजाही को अस्थायी तौर पर रोका जा सकता है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को कोई खतरा न हो। क्षतिग्रस्त रास्तों की मरम्मत का कार्य तेजी से जारी है, लेकिन पहाड़ी परिस्थितियों और मौसम की अनिश्चितता के चलते काम में बाधा आ रही है। बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु देशभर से उत्तराखंड पहुंचते हैं। इस साल भी यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण कराया है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच पक रही खिचड़ी... भारत के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खुफिया एजेंसियों के खुलासे के अनुसार, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एक संभावित वायुसेना डील भारत के लिए चिंता का कारण बनी है। इस खुफिया लीक से दोनों देशों के बीच बढ़ती सैन्य साझेदारी का पता चलता है, जिसमें कई पहलू हैं जो भारत की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। लीक से पता चला है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश एमयूएमटी-यूएमटी के संयुक्त विकास पर चर्चा कर रहे हैं। पाकिस्तान ने चीन की मदद से अपनी ड्रोन क्षमताओं को बढ़ाया है और अब वह अपनी ऑपरेशनल जानकारी बांग्लादेश को दे रहा है। दोनों देशों के बीच एक सामरिक एयर डेटा लिंक सिस्टम को एकीकृत करने के सहयोगात्मक प्रयास हो रहे हैं। यह बांग्लादेश वायुसेना की दूसरे देशों की सेनाओं के साथ मिलकर काम करने की क्षमता को बढ़ाएगा और उसकी स्ट्राइक कोऑर्डिनेशन क्षमता में वृद्धि करेगा, जो भारत की पूर्वी वायु कमान के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। भारत के दोनों छोर पर स्थित पड़ोसियों के बीच अंतरिक्ष सहयोग भी सामने आया है, जो शुरुआती चरण की टोही और उपग्रह-आधारित आईएसआर क्षमताओं की ओर इशारा करता है। इसमें चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) जैसी तीसरी पार्टी की भागीदारी से इनकार नहीं किया जा सकता है। दोनों वायु सेनाएं फ्लाइट एसआरएनएल आधारित एआर और बीआर सिस्टम की तलाश कर रही हैं, जिनका उद्देश्य रियल टाइम युद्ध वातावरण का अनुकरण करना है। ढाका और इस्लामाबाद के बीच संयुक्त ड्रोन-रोधी तकनीकों और साइबर सिक्योरिटी सिस्टम पर बातचीत की पुष्टि हुई है। माना जाता है कि पाकिस्तान ने ढाका को मैलवेयर-रोधी प्रोटोकॉल और आक्रामक साइबर ट्रेनिंग मॉड्यूल की पेशकश की है।

खेल ही भारत-पाक के बीच तनाव कम करने का सबसे आसान तरीका

-महबूबा मुफ्ती के बयान ने राजनीतिक गलियारों में मचाई हलचल

जम्मू (एजेंसी)। पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े तनाव के बीच उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को बहाल करने की वकालत की है। महबूबा के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महबूबा ने कहा कि युद्ध जैसे हालात देश के लिए नुकसानदेह हैं और ऐसे समय में खेल ही दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का सबसे आसान तरीका है। उन्होंने बेरोजगारी और गरीबी का हवाला देते हुए खेल आयोजनों को शांति कायम करने का जरिया बताया। बता दें पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार आतंकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन के बाद चार दिनों तक भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव जारी रहा।

महबूबा ने कहा कि अगर आप शांति चाहते हैं और युद्ध पर पैसा खर्च नहीं करना चाहते, तो खेल आयोजनों के जरिए माहौल सामान्य करना चाहिए। बेरोज़गारी और गरीबी दूर करनी है तो सबसे पहले शांति बहाल करनी होगी। महबूबा ने इस दौरान बीजेपी पर भी हमला बोला उन्होंने कहा कि बीजेपी ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि लोग युद्धविराम पर सवाल उठा रहे हैं। मानो सब चाहते थे कि युद्ध चलता रहे। यह मानसिकता खतरनाक है और देश को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बार-बार परमाणु युद्ध टलने का श्रेय ले रहे हैं, जबकि भारत के अंदरर युद्ध को लेकर राजनीतिक बयानबाजी रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं।

महबूबा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को फिर से बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल एक ऐसा जरिया है जो लोगों के बीच संवाद बढ़ा सकता है और तनाव कम कर सकता है। अगर दोनों देश खेलों के जरिए आमने-सामने आएंगे तो बातचीत के रास्ते खुलेंगे और माहौल भी सामान्य होगा। महबूबा मुफ्ती के इस बयान ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि जब देश में पाकिस्तान पर सख्त रुख अपनाने की मांग हो रही है, तब वह खेल संबंधों को बहाल करने की बात क्यों कर रही हैं?

ममता बनर्जी का चुनावी 'खेला': हर बूथ को 10 लाख, दुर्गा पूजा पंडाल को 1.1 लाख रुपये

-बीजेपी ने लगाया धर्म की राजनीति का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने राजनीतिक चतुराई और जमीनी पकड़ का परिचय देते हुए दो बड़ी योजनाओं की घोषणा की है, जिनसे राज्य की सियासत में जबरदस्त हलचल मच गई है। एक ओर सामुदायिक दुर्गा पूजा आयोजकों को 1.1 लाख रुपये का सरकारी अनुदान, तो दूसरी ओर 'आमादेर पारा, आमादेर समाधान' योजना के तहत हर बूथ को 10 लाख रुपये का फंड-इन दोनों घोषणाओं को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

ममता सरकार की नई 'आमादेर पारा, आमादेर समाधान' योजना जनता की स्थानीय और छोटी-छोटी समस्याओं को सीधे बूथ स्तर पर हल करने के लिए शुरू की गई है। इसके तहत- हर बूथ को 10 लाख रुपये का आवंटन किया गया है। 2 अगस्त से शुरू हुआ यह कार्यक्रम पूरे राज्य में तीन बूथों पर एक कैंप के हिसाब से चलाया जा रहा है। कुल योजना की लागत लगभग 8000 करोड़ रुपये है। निगरानी के लिए मुख्य सचिव मनोज पंत की अगुवाई में एक टास्क फोर्स गठित की गई है।

ममता बनर्जी ने इसे देश की पहली ऐसी पहल बताया है जो जनता को सीधे अपने क्षेत्र की समस्याएं तय करने और समाधान का हक देती है। इसमें राज्य सरकार केवल 'सुविधा प्रदाता' की भूमिका निभाएगी।

पूजा पंडालों को 1.1 लाख रुपये का अनुदान

ममता सरकार ने सामुदायिक दुर्गा पूजा आयोजकों के लिए दिए जाने वाले अनुदान को पिछले साल के 70,000 से बढ़ाकर 1.1 लाख रुपये कर दिया है। यह फैसला दुर्गा पूजा को राज्य की सांस्कृतिक विरासत मानते हुए किया गया है, लेकिन बीजेपी ने इसे धर्म आधारित वोट बैंक राजनीति करार दिया है।

फिर गरमाया मराठी बनाम बाहरी मुद्दाः राज ठाकरे का बड़ा बयान... कोई जमीन खरीदने आए तो बोलो हमें हिस्सेदारी दो

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने एक बार फिर मराठी बनाम बाहरी का मुद्दा जोरशोर से उठाया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में बाहर से आने वाले लोग धड़ल्ले से जमीनें खरीदते हैं और उद्योग-धंधे खड़े कर लेते हैं, जबकि स्थानीय मराठी युवाओं को उसका लाभ नहीं मिलता। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा, कि अब अगर कोई आपकी जमीन खरीदने आए, तो उसे जमीन न बेचें, बल्कि कहें कि हमें कंपनी में हिस्सेदारी चाहिए और मराठी लोगों को रोजगार देना होगा। राज ठाकरे ने यह बयान नवी मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान दिया, जहां उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा, गुजरात में कोई बाहरी व्यक्ति जमीन नहीं खरीद सकता, लेकिन महाराष्ट्र में कोई भी आकर जमीन खरीद लेता है। ये स्थिति बदलनी चाहिए। इसके साथ ही मनसे प्रमुख ने राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र सरकार सरकारी खर्च पर गुजराती साहित्य सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सब जानबूझकर किया जा रहा है ताकि हम प्रतिक्रिया दें और फिर सरकार को राजनीति करने का मौका मिल जाए। उन्होंने कहा, हम अब सरकार के जाल में नहीं फंसेंगे, लेकिन अगर सरकार महाराष्ट्र की संस्कृति और अस्मिता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी, तो हम चुप भी नहीं बैठेंगे। राज ठाकरे ने कहा कि हमारे ऊपर हमेशा आरोप लगता है कि हम बाहरी लोगों को निशाना बनाते हैं, लेकिन गुजरात में दो बार बिहारियों को भगाया गया और जिन लोगों ने उन्हें मारा, उन्हें भाजपा ने टिकट देकर विधायक बना दिया। उन्होंने कहा, अगर हम अपने राज्य, भाषा और संस्कृति की रक्षा करें, तो हमें बदनाम किया जाता है, लेकिन जब अन्य राज्य ऐसा करें, तो उसे प्रशासनिक निर्णय मान लिया जाता है।

आग के हवाले की गई नाबालिग लड़की की मौत, सीएम, डिप्टी सीएम ने जताया शोक

पुलिस ने कहा जांच ईमानदारी से जांच की, घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले में एक नाबालिग लड़की, जिसे तीन अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। लड़की ने एम्स दिल्ली में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रदेश के सीएम मोहन चरण माझी ने इसकी पुष्टि की। सीएम माझी ने लड़की की मौत पर गहरा दुख जताया है। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा- बलंगा इलाके की नाबालिक लड़की की मौत की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा। सरकार के तमाम प्रयासों और विशेषज्ञ चिकित्सा टीम के चौबीसों घंटे प्रयासों के बावजूद, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मैं उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और ईश्वर से उसके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने भी नाबालिग लड़की के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा- एक अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद दिल्ली एम्स में इलाज करा रही बलांगीर की पीड़िता का निधन हो गया है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए मैं इस दुखद स्थिति में उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। चिकित्सा दल और सरकार के सभी प्रयासों के बावजूद हमें गहरा दुख है कि उसे बचाया नहीं जा सका। ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा- यह जानकर अत्यंत दुःख और पीड़ा हुई की पुरी ज़िले के बलंगा क्षेत्र में आग में जलाई गई युवती की एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। मेरी संवेदनाएं युवती के साथ हैं और इस दुःख की घड़ी में उसके परिवार के साथ प्रार्थनाएं हैं। ईश्वर परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बता दें यह घटना 19 जुलाई को हुई थी, जब 15 साल की लड़की एक दोस्त से मिलने के बाद घर लौट रही थी। पुरी में भार्गवी नदी के किनारे तीन बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया। बदमाश उसे एक सुनसान जगह पर ले गए, उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर और आग लगा दी। गंभीर रूप से जली लड़की किसी तरह पास के एक घर में भाग गई। स्थानीय लोग उसकी मदद के लिए आए, उसके परिवार को सूचित किया और उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद अगले दिन उसे एयरलिफ्ट करके नई दिल्ली एम्स लाया गया और 20 जुलाई को एम्स के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के बर्न आईसीयू में भर्ती कराया था। ओडिशा पुलिस ने शनिवार को दावा किया था कि घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं था। हालांकि, पीड़िता की मां ने अपनी एफआईआर में आरोप लगाया था कि तीन अज्ञात बदमाशों ने उनकी बेटी को आग के हवाले कर दिया था। पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया कि लड़की को आग कैसे लगी।

थरूर ने कहा- उपराष्ट्रपति वही होगा जिसे 'वो' चाहेंगे, पर ये तय है कि विपक्ष का नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम से लेकर खास तक सभी की नजरें नए उपराष्ट्रपति पर लगीं हैं। ये पद किसको मिलेगा इसको लेकर उत्सुकता है। इसी के चलते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर से पूछा गया कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा, इस पर उन्होंन हल्की सी मुस्कुराहट के साथ कह दिया कि वहीं होगा जिसे वो चाहेंगे, पर इतना जरुर है कि विपक्ष के उम्मीदवार की हार निश्चित है।

पत्रकारों से बातचीत में शनिवार को थरूर ने कहा, कोई अंदाजा नहीं है कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा। लेकिन ये तय है कि जो भी होगा वो सत्तारूढ़ पार्टी का नामित व्यक्ति होगा। चूंकि यह चुनाव केवल लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मिलकर करते हैं, इसलिए हम पहले से ही जानते हैं कि बहुमत किसके पास है। थरूर ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्य विधानसभाएं हिस्सा नहीं लेतीं, इसलिए परिणाम लगभग तय है। भारत के अगले उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर 2025 को होगा। यह घोषणा निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को की गई। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि निर्वाचन मंडल का गठन पूरा हो चुका है। इस बीच कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की हार को पहले ही तय मानते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल के द्वारा जिसे उम्मीदवार बनाया जाएगा वही उपराष्ट्रपति बनेगा।

उपराष्ट्रपति का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 66 के तहत होता है। लोकसभा और राज्यसभा के सांसद इस चुनाव में वोट करते हैं। मतदान गुप्त बैलेट प्रणाली के जरिए होता है। इसका संचालन निर्वाचन आयोग करता है। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही मतदाता सूची की अंतिम प्रति सार्वजनिक की जाएगी, जिसे आयोग के कार्यालय से खरीदा जा सकेगा। 2024 के लोकसभा चुनावों में एनडीए को बहुमत मिला था और राज्यसभा में भी उसका वर्चस्व है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि एनडीए का उम्मीदवार आसानी से उपराष्ट्रपति चुना जाएगा। हालांकि अभी तक किसी भी दल ने आधिकारिक रूप से अपने उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया है, लेकिन भाजपा सूत्रों के अनुसार नामों पर मंथन जारी है और अगस्त के मध्य तक उम्मीदवार की घोषणा की जा सकती है। बता दें कि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अगस्त 2022 में पदभार संभाला था। उन्होंने 21 जुलाई 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बताया गया है। उनका कार्यकाल आधिकारिक रूप से अगस्त 2027 तक होना था, लेकिन उन्होंने करीब दो साल पहले ही पद छोड़ दिया।

ट्रंप के आगे फीके पड़ गए 'पलटूराम' नीतीश, 194 दिन में 178 यू-टर्न से मचाई हलचल

-अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बनाए अस्थिरता और अविश्वास के नए रिकॉर्ड

नई दिल्ली(एजेंसी)। बयानों और राजनीतिक फैसलों में बार-बार बदलाव के चलते वर्षों से 'पलटूराम' की पहचान बना चुके बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब इस मामले में पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। कारण हैं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने महज 194 दिनों में अपनी कार्यशैली से अस्थिरता और यू-टर्न की नई परिभाषा गढ़ दी है।

ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से अब तक 178 कार्यकारी आदेश पर दस्तखत किए जा चुके हैं। इनमें से कई पर कोर्ट ने रोक लगाई है या वे विवादों में घिर चुके हैं। ट्रंप न केवल अपने बयानों से पलट रहे हैं, बल्कि उनके नीतिगत फैसले भी अक्सर बदले जा रहे हैं, जिससे अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में उन्हें यू-टर्न किंग यानी पलटूराम कहा जाने लगा है।

यहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिनका राजनीतिक जीवन महागठबंधन से लेकर एनडीए तक कई बार पाला बदलने और विचारधाराओं से समझौते का गवाह रहा है, अब इस अंतरराष्ट्रीय पलटूराम की चमक के सामने फीके नजर आने लगे हैं। हालांकि नीतीश को लेकर यह उपमा लंबे समय से भारतीय राजनीति में व्यंग्यात्मक रूप से इस्तेमाल होती रही है, लेकिन ट्रंप ने इस शैली को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई दे दी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार नीति और दिशा बदलना शासन के प्रति अविश्वास पैदा करता है और प्रशासनिक स्थिरता पर सवाल खड़े करता है। ट्रंप के हालिया फैसलों को लेकर अमेरिका में न्यायपालिका और नागरिक समाज दोनों में असंतोष गहराता जा रहा है। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या 'पलटूराम' की यह वैश्विक राजनीति में नई किस्मत सिर्फ ट्रंप तक ही सीमित रहेगी, या दुनिया के अन्य नेताओं में भी यह प्रवृत्ति पनपेगी? फिलहाल तो इतना तय है कि नीतीश कुमार महज देश में पलटूराम की पदवी पा सके, जबकि ट्रंप ने सीधे वैश्विक स्तर पर पलटूराम की पदवी पा ली है। इस कारण नीतीश इस मामले में ट्रंप के आस-पास भी नजर नहीं आ रहे हैं।

दोपहिया वाहनों के नकली पार्ट्स बरामद, 5 गिरफ्तार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने करोल बाग और मदनपुर डबास में छापे मारकर दोपहिया वाहनों के नकली पार्ट्स बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। छानबीन के बाद पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान शुभम पंजियार, हिमांशु कवात्रा, नवीन उर्फ दीपक तनेजा, रमाकांत चौरसिया और श्याम नारायण के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकली स्पेयर पार्ट्स, इंजन ऑयल, पैकिंग का सामान और ब्रांडिंग उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस अधि ारियों की मानें तो बरामद सामान की कीमत 10 लाख रुपये से ज्यादा है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि कई कंपनियों के कानूनी प्रतिनिधियों से उनकी टीम को सूचना मिली थी कि उनकी कंपनियों के नकली स्पेयर पार्ट्स बनाकर मार्केट में बेचे जा रहे हैं। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने पहली कार्रवाई 15 जुलाई को गांव मदनपुर डबास स्थित गोदाम पर की। यहां से भारी मात्रा में नकली इंजन ऑयल और पैकिंग का सामान बरामद हुआ। इसके बाद 25 जुलाई को करोल बाग की एक दुकान और मदनपुर डबास में दोबारा छापे मारकर नकली स्पेयर पार्ट्स और अन्य सामान जब्त किया गया। छानबीन के बाद पुलिस ने शुभम पंजियार को पकड़ा जो इस पूरे गोरखधंधे का मास्टरमाइंड है। शुभम ने पूछताछ के बाद अपने साथियों के नाम का खुलासा किया। बाद में हिमांशु कवात्रा, नवीन उर्फ दीपक तनेजा (शुभम का साला), नकली इंजन की बोतलें सप्लाई करने वाले रमाकांत चौरसिया और श्याम नारायण को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सभी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट की धारा 63 के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

सुपारी देकर करवाई पति की हत्या, प्रेमी संग गिरफ्तार

नई दिल्ली। हरियाणा के सोनीपत के गन्नौर में एक महिला सोनिया (34) ने बहन के देवर को सुपारी देकर अपने पति की हत्या करवा दी। महिला के प्रेमी सोनीपत के गांव जाजी निवासी रोहित ने उसके मोबाइल को चला दिया तो पुलिस दोनों तक पहुंच गई। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पति की गन्नौर में हत्या करवाकर महिला ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिल्ली के अलीपुर थाने में दर्ज करा दी थी। महिला का पति प्रीतम प्रकाश अलीपुर थाने (दिल्ली) का हिस्ट्रीशीटर था और उसे भगोड़ा घोषित किया हुआ था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि साजिश के तहत पति प्रीतम की हत्या कर जुलाई 2024 में सोनीपत के गन्नौर थानाक्षेत्र में फेंक दिया था। हत्या के कुछ दिनों बाद शव गन्नौर थानाक्षेत्र के गांव अगवानपुर के पास नाले में मिला। मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी और अभी तक जांच चल रही है। आरोपी महिला ने मृतक पति का मोबाइल फोन अपने प्रेमी रोहित को दे दिया था। रोहित ने उसे नष्ट करने की बजाय उसका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। आरोपी रोहित पहले भी हरियाणा में हत्या और आर्म्स एक्ट सहित 4 जघन्य मामलों में शामिल रहा है। शाखा में तैनात इंस्पेक्टर संदीप तुषीर की टीम मामले में जांच कर रही थी। टीम ने पाया कि अलीपुर की दयाल मार्केट निवासी प्रीतम प्रकाश (42) का लंबे समय से कोई पता नहीं चल रहा था। टीम को ये भी पता चला कि प्रीतम की गुमशुदगी की रिपोर्ट उसकी पत्नी सोनिया ने 20 जुलाई 2024 को दर्ज कराई थी कि उसका पति 5/6 जुलाई 2024 की रात से लापता है। जांच में पता लगा कि प्रीतम के मोबाइल की आखिरी लोकेशन सोनीपत के गांव जाजी में थी। इस पर टीम ने वहां छापा मारकर रोहित को गिरफ्तार कर लिया। कड़ी पूछताछ में रोहित ने बताया कि उसके सोनिया यानी लापता प्रीतम प्रकाश की पत्नी के साथ अवैध संबंध थे। फोन उसे सोनिया ने दिया था। उसने बताया कि सोनिया ने उसे बताया था कि उसने उसके पति की सुपारी देकर पिछले साल जुलाई 2024 में गन्नौर में उसकी हत्या करवा दी थी और शव भी ठिकाने लगा दिया था। पुलिस ने मृतक की पत्नी सोनिया को पकड़ लिया गया। आरोपी सोनिया ने बताया कि जुलाई 2024 में उसने अपने पति की हत्या की सुपारी गन्नौर के गांव गुमड़ निवासी विजय (उसकी बहन के देवर) को दी थी। आरोपी सोनिया ने बताया कि उसके माता-पिता अलीपुर की जिंदपुर कॉलोनी में रहते हैं। जब वह 16 साल की थी, तब उसने प्रीतम प्रकाश से प्रेम विवाह किया था। प्रीतम नशे का आदी था और मारपीट करता था। शादी के बाद से ही वह अक्सर प्रीतम से उसकी नशे की लत को लेकर झगड़ा करती थी। प्रीतम अवैध हथियार रखने, डकैती, चोरी, अपहरण और अन्य मामलों में कई बार जेल जा चुका था। समझाने की काफी कोशिशों के बावजूद प्रीतम नशा और अपराध नहीं छोड़ रहा था। सोनिया ने बताया कि सोशल मीडिया के ज़रिये रोहित से उसकी दोस्ती हुई थी। रोहित कई बार जेल जा चुका है। रोहित दिल्ली में टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करता था। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन पति इसमें रोड़ा बन रहा था। वह अक्सर पति प्रीतम से लड़ती और अपनी बहन दीपा के घर गन्नौर चली जाती। 2 जुलाई 2024 को उसका प्रीतम से झगड़ा हुआ और इसी वजह से वह रोहित की टैक्सी लेकर गन्नौर में बहन दीपा के घर गई और रोहित उसे वहीं छोड़कर चला गया। उसने रोहित से भी पति की हत्या करने के लिए कहा मगर रोहित ने छह लाख रुपये मांगे जिसके लिए सोनिया तैयार नहीं हुई। प्रीतम 5 जुलाई 2024 को सोनिया को लेने गन्नौर आया। यहां दोनों का झगड़ा हो गया। यहां उसने बहन दीपा के देवर विजय से प्रीतम को मारने के लिए कहा। विजय ने एक लाख रुपये मांगे। प्रीतम और विजय घर में नीचे वाले कमरे में सो रहे थे। कुछ देर बाद उसे रात में प्रीतम के चीखने की आवाज सुनाई दी। उसने प्रीतम की हत्या रात में ही कर दी थी और शव कपड़े में लपेटकर अगवानपुर गांव के पास नाले में फेंक दिया था। सोनिया ने अपने आस-पड़ोस के लोगों से कुछ पैसे उधार लेकर विजय को कुल 50,000 रुपये दिए थे और प्रीतम का ऑटो 4.50 लाख रुपये में बेचा था, जिसमें से उधार की रकम काटने के बाद उसे कुल 2,80,000 रुपये मिले थे जिनमें से कुछ रुपये उसने रोहित को दिए और कुछ खुद खर्च कर दिए।

गोविंदपुरी में ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 10 लाख की स्क्रूऔर कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड ने गोविंदपुरी में ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए दो विदेशी नागरिकों बर्नाडिन और एजेकिले को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एमडीएमए 61.16 ग्राम और कोकीन 36.64 ग्राम बरामद की गई है। अतंर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 10 लाख रुपये आंकी जा रही है। साथ ही 8 मोबाइल फोन जब्त और10,600 रुपये नकद बरामद बरामद किए गए हैं। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि जिले की एएनएस के प्रभारी इंस्पेक्टर विष्णु दत्त की टीम में तैनात एसआई अजीत व एसआई यशपाल की टीम ने 31 जुलाई को मिली गोपनीय सूचना और तकनीकी निगरानी के माध्यम से एकत्रित जानकारी के आधार पर कार्रवाई की। गोविंदपुरी की गली नंबर 13 में एक ड्रग ऑपरेशन को निशाना बनाकर की गई छापेमारी में दो विदेशी ड्रग तस्करों बर्नाडिन (39) और एजेकिले (33) को गिरफ्तार किया है। लगातार पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने बताया कि ये भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। अपनी ज़रूरतों के लिए पैसे कमाने के लिए, उन्होंने ड्रग्स की आपूर्ति शुरू कर दी।

अवैध हथियारों की फैक्टरी का भंडाफोड़: भरतपुर के डीग में बन रहे थे हथियार, पांच रिसीवर समेत छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हथियारों की एक फैक्टरी का खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में हथियारों पांच रिसीवर व फैक्टरी में हथियार बनाने वाले आरोपी समेत कुल छह आरोपियों को दबोचा है। आरोपियों के पास से 18 तमंचे, हथियार बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनें और औजार बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी बिलाल उर्फ बिल्ला से हथियार लेकर दिल्ली-एनसीआर समेत दूसरे इलाकों में हथियार सप्लाई करने वाले चार आरोपी रविंदर, मुश्ताक, पवन और रहीश को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। इनसे पूछताछ के बाद अब मामले में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस दोनों से पूछताछ मामले की कर रही है। सभी पकड़े गए आरोपियों में मुख्य आरोपी डीग, भरतपुर राजस्थान निवासी बिलाल खान उर्फ बिल्ला (22) और इसके साथी साहिल (25) के रूप में हुई है। आरोपी बिलाल पिछले करीब दो वर्षों से हथियार बनाकर सप्लाई कर रहा था। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर इस बात का पता लगा रही है कि इन लोगों ने अब तक कितने हथियार सप्लाई किए। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि उनकी टीम लगातार हथियार बनाकर सप्लाई करने वाले गिरोह की तलाश में जुटी थी। इसी कड़ी में टीम ने रविंदर, मुश्ताक, पवन और रहीश को गिरफ्तार किया। इनके पास से एक-एक तमंचा बरामद किया गया। छानबीन हुई तो पता चला कि इनको हथियार भरतपुर, डीग के बिलाल ने सप्लाई किए थे। पुलिस की छापेमारी से पहले बिलाल फरार हो गया। टीम ने उसकी तलाश शुरू की। इस बीच 27 जुलाई को टीम को खबर मिली कि आरोपी बिलाल द्वारका के बामलौनी एरिया में आने वाला है। बिजवास-बामनौली रोड से आरोपी को दबोच लिया गया। उसके पास से कुल आठ तमंचे और चोरी की एक स्कूटी बरामद हुई। पुलिस ने उसे रिमांड पर लिया। करीब चार दिनों की पूछताछ के बाद टीम ने बिलाल की निशानदेही पर बीमा-पहाड़, डीग, भरतपुर में छापेमारी की। वहां से इसकी फैक्टरी से कई पिस्टल, उनके पार्ट्स और मशीनें व औजार बरामद हुए। बिलाल ने अपने एक सप्लायर के नाम का खुलासा किया। बाद में आरोपी साहिल को भी दबोच लिया गया। उसके पास से दो तमंचे बरामद हुए। बिलाल ने बताया कि उसने हथियार बनाना अपने अंकल से सीखा। बाद में वह उनके साथ ही काम करने लगा। अंकल की मौत के बाद 2018 से वह खुद ही पिस्टल बनाकर बेचने लगा। साहिल ग्राहकों को ढूढकर पिस्टल उनको बेचता था, बिलाल हथियार बनाता था। पुलिस दोनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

श्मशान घाट में चिता की राख पर दिखे कुत्ते, वायरल वीडियो देख अधिकारी

ललितपुर। एक श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के बाद चिता की राख पर एक साथ चार-पांच कुत्ते संदिग्ध वस्तु खाने का वीडियो सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद श्मशान को लेकर लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। वीडियो यूपी के ललितपुर शहर के मोहल्ला गांधीनगर के पास निर्मित श्मशान घाट का बताया जा रहा है। हालांकि नगर पालिका प्रशासन ने इस वीडियो को सात-आठ साल पुराना बताया है। ललितपुर में नगर पालिका के विभिन्न मोहल्लों में श्मशान घाट हैं, यहां लोग अपने प्रियजनों को अंतिम विदाई देते हैं। नगर पालिका ने इन श्मशान घाट पर सुरक्षा के लिए चौकीदार नियुक्त कर रखे हैं। लेकिन इन दिनों गांधीनगर में स्थित श्मशान घाट का ऐसा वीडियो सुर्खियों में है, जोकि मानवता को शर्मसार कर रहा है। इस वीडियो में एक चिता की राख पर एक साथ चार से पांच कुत्तों का झुंड कुछ संदिग्ध वस्तु को खा रहे हैं और यहां अंतिम संस्कार के दौरान शव व अस्थियों की सुरक्षा की पोल खोल रहे हैं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। कुछ लोगों का तो यहां तक कहना है कि कुत्ते शव के अवशेष या आग से जलकर राख होने से बची हुई हड्डी को खा रहे हैं। वहीं विभागीय अधिकारियों का कहना है कि स्थानीय सभासद व अन्य लोगों से जानकारी की गई। जिसमें बताया कि इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है। लेकिन, श्मशान घाट में तैनात चौकीदार हटाने की हुई कार्रवाई को लेकर नगर पालिका सवालों के घेरे में आ गई है। अधिकारियों का कहना है कि यह वीडियो काफी वीडियो पुराना है। जबकि सभासद द्वारा दिए गए पत्र में 30 से 31 जुलाई की बात होने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा श्मशान घाट का वीडियो पुराना है। कुछ लोग पुराना वीडियो वायरल कर रहे हैं। सभासद व अन्य लोगों ने इस तरह की घटना होने से इंकार किया है।

पिता से बहस होने पर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

नई दिल्ली। बिंदापुर में किसी बात को लेकर पिता से बहस होने के बाद एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद युवक को करीब एक घंटे के बाद नीचे उतार लिया। इस दौरान मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई जिसकी वजह से यातायात जाम हो गया। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि युवक मानसिक रूप से बीमार है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि शनिवार शाम करीब छह बजे पुलिस और दमकल विभाग को उत्तर नगर वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास एक युवक के मोबाइल टावर पर चढ़ने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने देखा कि एक इमारत पर लगे मोबाइल टावर पर युवक चढ़ा हुआ है। निरंतर प्रयासों के बाद युवक को पुलिस ने नीचे उतारा। पूछताछ में उसकी पहचान उत्तम नगर निवासी मुकुल (27) के रूप में हुई। उसके पिता राकेश भी वहां पहुंच गए। जांच में पता चला कि मुकुल मानसिक रूप से बीमार है। अपने पिता से किसी बात पर बहस होने के बाद वह गुस्से में आकर टावर पर चढ़ गया था।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। लोन दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक आरोपी को मध्य जिले की साइबर थाना पुलिस ने दबोचा है। आरोपी की पहचान प्रवीन कुमार उर्फ रमेश अग्रवाल के रूप में हुई है। आरोपी ने लोन दिलवाने के पंफ्लेट छपवाकर दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर लगवा दिए थे। उसके आधार पर जब पीड़ित ने इससे संपर्क किया तो आरोपी ने अलग-अलग मदों में साढ़े 10 हजार रुपये ऐंठ लिए। फर्जी कागजात के आधार पर खोले गए बैंक खाते में रकम को ट्रांसफर करने के बाद उसे एटीएम के जरिये निकाल लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से ठगी में इस्तेमाल मोबाइल, एक आधार, पंफ्लेट और ठगी के समय पहने कपड़े बरामद किए हैं। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि पिछले दिनों साइबर थाने में ठगी की एक शिकायत आई थी। पीड़ित ने बताया कि उससे लोन के नाम पर साढ़े 10 हजार रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने छानबीन के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने उस खाते की पड़ताल की जिसमें रकम ट्रांसफर हुई थी। जांच में पता चला कि रकम तमिलनाडु के एक बैंक में ट्रांसफर हुई थी। पुलिस ने उसकी पड़ताल की तो पता चला कि खाता किसी रमेश अग्रवाल के नाम पर खुला हुआ है। उसके अटैच मोबाइल नंबर की पड़ताल की गई। इसके बाद आरोपी को सराय रोहल्ला के शास्त्री पार्क से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने ठगी की बात स्वीकार कर ली। जांच में पता चला कि आरोपी ने आधार कार्ड भी फर्जी तरीके से बनवाया हुआ था।

पांचवीं कक्षा के छात्र ने मोबाइल फोन पर 11 घंटे खेला गेम, इसके बाद फंदा लगाकर कर ली आत्महत्या

नई दिल्ली। पांचवीं कक्षा के छात्र ने निहाल विहार क्षेत्र में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि छात्र करीब 11 घंटे तक मोबाइल फोन में गेम खेल रहा था। उसके मोबाइल फोन में पबजी जैसा गेम मिला है। बच्चे की खुदकुशी से परिजन सकते में है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि घटना अंबिका विहार, निहाल विहार की है। यहां पर लक्ष्मण खींची छोटे बेटे सोनू (8) के साथ रहते थे। बड़ा बेटा आगरा में पढ़ता है। लक्ष्मण बृहस्पतिवार को पत्नी के साथ काम पर गए थे, जबकि सोनू घर पर ही था। लक्ष्मण शाम को काम से लौटे, तो घर के सामने भीड़ जुटी थी। उनको पड़ोसियों ने बताया कि उनके बेटे ने चुन्नी से फंदा लगा लिया है। पड़ोस में रहने वाली महिला ने बच्चे को सबसे पहले फंदे पर लटके देखा। लक्ष्मण ने संदेह जाहिर किया कि उनके बेटे की हत्या कर उसे लटकाया गया है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम के दौरान बच्चे के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बच्चे ने खुदकुशी की है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि माता-पिता ने बच्चे को अलग से मोबाइल फोन दिलवा रखा था। मोबाइल में पबजी जैसा फ्री फायर मेक्स गेम व यू-ट्यूब मिला है। बताया जा रहा है कि बच्चे ने मोबाइल पर 8 से 11 घंटे तक गेम खेला। इस गेम में हथियार खरीदने के लिए पैसे लगाए जाते हैं। ऐसे में हो सकता है कि बच्चे ने ज्यादा पैसे लगा दिए हों। हालांकि पिता का कहना है कि मोबाइल में रिचार्ज नहीं था। पुलिस उपायुक्त का कहना है, बच्चे के फोन की जांच करवाई जा रही है।

पिछली सरकारों ने दिल्ली के स्वास्थ्य व्यवस्था से किया खिलवाड़: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

इससे ब्लड डोनेशन की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी और गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान संभव होगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद अस्पताल के चेयरमैन डॉ. एस.एस. बंसल और पूरी मेडिकल टीम को बधाई देते हुए कहा कि सरकार और अस्पतालों के बीच मजबूत साझेदारी ही दिल्ली को हेल्थकेयर सेक्टर में अग्रणी बनाएगी। पिछली सरकारों की उपेक्षा के बाद अब हमारी सरकार दिल्ली को एक सशक्त हेल्थ हब बनाने के मिशन पर काम कर रही है। हम सब मिलकर इस संकल्प को पूरा करेंगे। कार्यक्रम में सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज व विधायक भी मौजूद थे।

समाज कल्याण मंत्री का निजी सचिव निलंबित

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सचिवालय प्रशासन ने समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण के निजी सचिव जयकिशन सिंह को निलंबित कर दिया है। उनको सचिवालय प्रशासन के केंद्रीय अनुभाग से संबद्ध किया गया है। भागीदारी भवन में तैनात आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारी की ओर से लगाए गए उत्पीड़न के गंभीर आरोपों के बाद यह कार्रवाई की गई। सचिवालय प्रशासन के संयुक्त सचिव अशोक कुमार मिश्र की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि महिला उत्पीड़न और सरकारी सेवक नियमावली के तहत जयकिशन सिंह को निलंबित किया गया है। बता दें, मंत्री असीम अरुण से बृहस्पतिवार को आउटसोर्स महिला कर्मचारी ने उनके निजी सचिव जयकिशन सिंह पर छेड़छाड़ व अभद्रता की शिकायत की थी। इस पर मंत्री ने खुद पुलिस बुलाकर आरोपी जयकिशन को पुलिस हिरासत में दिया था। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

जिम से आकर लेते हैं सप्लीमेंट्स तो सावधान, एम्स के डॉक्टर बोले- ये हड्डियां गला रहा

नई दिल्ली। सुडौल शरीर की चाहत में स्टेरॉयड सप्लीमेंट्स किशोरों की हड्डियां गला रहा है। इन किशोरों में मल्टी डिस्क फेलियर (रीढ़ की 33 हड्डियों में अलग-अलग कई जगहों पर दिक्कत) की समस्याएं मिल रही हैं। यह खुलासा एम्स के आर्थोपेडिक्स विभाग में आ रहे मरीजों के विश्लेषण में हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों से रीढ़ की हड्डी में परेशानी की शिकायत लेकर विभाग की ओपीडी में आ रहे मरीजों की उम्र घटकर 15 साल तक पहुंच गई है। इनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर या दूसरी समस्याओं के साथ मल्टी डिस्क फेलियर डॉक्टरों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। अधिकतर मामलों में जटिल सर्जरी करनी पड़ती है जबकि पहले ऐसे मामलों में आने वाले मरीजों की उम्र 20 से 25 साल की रहती थी। एम्स के आर्थोपेडिक्स विभाग के प्रोफेसर व स्पाइन सर्जन डॉ. भावुक गर्ग ने बताया कि एक साल में 50 के करीब 15 से 25 साल के किशोर-युवक रीढ़ की हड्डी में समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। इसमें सबसे बड़ी समस्या मल्टी डिस्क फेलियर है जो इनके इलाज को जटिल बना देता है। मरीजों से बातचीत के दौरान पता चलता है कि किशोर जल्द मसल्स बनाने के लिए स्टेरॉयड सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल करते हैं जो उनमें कई तरह की समस्याएं बढ़ा देता है। स्टेरॉयड सप्लीमेंट्स (विशेष रूप से एनाबोलिक स्टेरॉयड्स और कॉर्टिकोस्टेरॉयड्स) रीढ़ की हड्डी और हड्डियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है। इनके कारण हड्डियों की मजबूती में कमी आती है। इससे रीढ़ की हड्डी में संकुचनात्मक फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। स्टेरॉयड्स कैल्शियम के अवशोषण को घटाते हैं और हड्डी के निर्माण को धीमा करते हैं। रीढ़ की हड्डी में डिस्क डिग्रेडेशन होने की आशंका को बढ़ा देता है। इससे डिस्क स्लिप होने की आंशका रहती है। साथ ही मांसपेशियों में असंतुलन और रीढ़ पर दबाव बढ़ सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि एक समय पहले तक रीढ़ की हड्डी में शिकायत के साथ पहुंचने वाले मरीजों की उम्र 50 से 60 साल रहती थी। इनमें उम्र बढ़ने के साथ होने वाली परेशानी के कारण दिक्कत होती थी। वहीं समय बदलने के साथ मरीजों की उम्र घटकर 20 से 25 साल पहुंची। खानपान में बदलाव, जिम को लेकर बढ़े आकर्षण व दूसरे कारणों से अब 15 से 25 साल के मरीज भी इससे पीड़ित होकर एम्स पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बिना सलाह के स्टेरॉयड सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल नुकसानदायक होता है। यह हड्डियों और रीढ़ को नुकसान पहुंचा सकता है। पिछले कुछ साल में इसका चलन बढ़ा है, लेकिन इस्तेमाल को लेकर जागरूकता की कमी है। लोग बिना सलाह के ही इनका इस्तेमाल करते हैं जबकि व्यक्ति के शरीर और उसकी आवश्यकता के आधार पर इसका इस्तेमाल निर्भर करता है।

स्वच्छता और हरियाली केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं: डॉ. पंकज कुमार सिंह

प्रथम पृष्ठ का शेष

इस अवसर पर डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि %दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' अभियान दिल्ली को स्वच्छ बनाने का एक जनसंकल्प है, वहीं 'एक पेड़ मां के नाम' हर नागरिक को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करता है। स्वच्छता और हरियाली केवल प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि जनता का निरंतर चलने वाला आंदोलन बनना चाहिए। इस स्वतंत्रता दिवस पर आइए, हम सब मिलकर दिल्ली को कूड़े से मुक्त और हरी-भरी राजधानी बनाने का संकल्प लें। इससे पूर्व डॉ. सिंह ने विकासपुरी कैंप कार्यालय में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने नागरिकों को शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए। डॉक्टर सिंह ने कहा कि जनता से जुड़े हर मुद्दे का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा ताकि जमीनी स्तर पर प्रभावी और उत्तरदायी प्रशासन को साकार किया जा सके।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, VINOD KUMAR S/o SHRI BABU SINGH R/o House No-755, Village Tahir Pur, Shahdara, North East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine and my father have been wrongly written as VINOD and BABU in my service record. The actual name of mine and my father are VINOD KUMAR and SHRI BABU SINGH respectively, which may be amended accordingly.`

NAME CHANGE
I, Surati Jagdish Jindal / Jindal Surati J D/O Jagdish Rai Jindal R/O 10/33, Chirajiv Vihar, Ghaziabad-201002, Uttar Pradesh, have changed my name to Surati Jindal Permanently

NAME CHANGE
I, Nayana Shri Yadav w/o Ram Pratap Yadav R/O 155, Barra Gram, Thana Barra,Kanpur Nagar, Uttar Pradesh - 208027, have changed my name to Nain Shri for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MUTHU LAKSHMI wife of JC-441980P Rank-SUB Name- GANESAVEL PG R/O 288B/12, VILL-MELAKUNNAKUDI, CHOLAPURAM SOUTH, PO-CHOLAPURAM SOUTH, TEHSIL-RAJAPALAYAM, DIST-VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU-626139 have changed my name from MUTHU LAKSHMI to MUTHU LAKSHMI G for all future purposes vide Affidavit Dated 02/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUFIYA W/O MOHD SADRE ALAM residing at 6151-52 THIRD FLOOR, NAWAB ROAD, BASTI HARPHOOL SINGH, DELHI -110092 have changed my name to SOFIYA TARANNUM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHD MUSTAFA S/O MOHAMMAD ISLAM residing at JAGAULIA, BHALURA, MUZAFFARPUR, BIHAR -843312 have changed my name to MOHAMMAD MUSTAFA for all future purpose.

NAME CHANGE
I ,hitherto known Kamal Garg alias Kamala D/O Raghuvar Dayal W/O Surendra Kumar R/O 17/1220, E-233 GALI NO -7 EAST VINOD NAGAR Chilla Saroda Khadar Patparganj East Delhi, Delhi -110001, have changed my name and shall hereafter be known as Kamala.

NAME CHANGE
It is for general information that I JYOTI PUSHPAM W/O INDRAJEET SINGH R/O T-6-502, Metro Niketan, DMRC Staff Quarter, F21B, Sector-50 Noida, PO: Noida, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of my mother has been wrongly written as SANJU DEVI in my 10th class educational documents. The actual name of my mother is SANJU KUMARI which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Birbal Singh Thakur father of No. 4575393K, Rank - HAV Name – Anil Kumar Thakur residing at Village – Sariana, PO - Dandwin, Tehsil - Dhatwal, Dist - Hamirpur, Himachal Pradesh-176040 have changed my name from Birbal Singh Thakur to Birbal Singh. My date of birth 01-Sep-1956 is wrongly mentioned in my son's service record but my correct date of birth is 01-May-1956. vide affidavit dated 29-07-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Leela Devi mother of No. 4575393K, Rank - HAV Name – Anil Kumar Thakur residing at Village – Sariana, PO - Dandwin, Tehsil - Dhatwal, Dist - Hamirpur, Himachal Pradesh-176040 that my date of birth 06-feb-1963 is wrongly mentioned in my son's service record but my correct date of birth is 01-Jan 1963 vide affidavit dated 29-07-2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
My client, Saleem Ahmed, S/o Abdul Kareem R/O 15, 4th Floor, Gali No.43, Behind Madina Masjid, Zakir Nagar, New Friends Colony, New Delhi-110025, has severed all relations with and disowned his son, Mohd. Shad and his wife from all his movable and immovable properties due to their misconduct. They are no longer under his control. My client shall not be responsible for their acts or deeds in the future.
SUJIT KUMAR ADVOCATE
CH.NO.632 LAWYERS BLOCK
SAKET COURT, COMPLEX
NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I PURAN SINGH BANGARI S/O MAHENDRA SINGH BANGARI Permanent Address 2, BARKINDA, P.O. KUNHIL, TEHSIL - BHIKIYASAIN, DIST- ALMORA- 263667, Present adress Chhalera, Gali no 1,Sector 44 Noida Gautam Budh Nagar U.P 201301, declare that name of mine and my father has been wrongly written as SANJAY SINGH RAWAT and Mohan SINGH RAWAT in my Aadhar card No.3962 6959 6474 and Pan card No. EINPR9075P. The actual name of mine and my father are PURAN SINGH BANGARI and MAHENDRA SINGH BANGARI, Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Chander Shekhar Sati S/O: Tula Ram, R/O 6/674, Lodhi Colony, Lodhi Road, PO: Lodhi Road, DIST: Central Delhi, Delhi-110003, have changed my name and shall hereafter be known as CHANDER SEKHAR SATI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SYED UBAID ANWAR JILANI S/O SYED ALI R/O 1879-80 GALI WAZIR BEG, TURKMAN GATE, DELHI-110006 have changed my name and shall hereafter be known as UBAID ANWAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, VINOD KUMAR S/o SHRI BABU SINGH R/o House No-755, Village Tahir Pur, Shahdara, North East Delhi, Delhi-110032, declare that name of mine and my father have been wrongly written as VINOD and BABU in my service record. The actual name of mine and my father are VINOD KUMAR and SHRI BABU SINGH respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Divyanshi Garg D/o Govind Garg R/o 47-A, UNA Enclave, Plot No-11, Mayur Vihar Phase-1, East Delhi, Delhi-110091 declare that name of my father has been wrongly written as Gopal Garg in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father Govind Garg.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Harshit Garg S/o Govind Garg R/o 47-A, UNA Enclave, Plot No-11, Mayur Vihar Phase-1, delhi, East Delhi, Delhi-110091 declare that name of my father has been wrongly written as Gopal Garg in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Govind Garg.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Umed Singh alias Umesh S/O CHARAN SINGH, R/O-A 676-677, JJ COLONY, KHYALA, Tilak Nagar, PO: Tilak Nagar, DIST: West Delhi, Delhi - 110018, have change my name and shall hereafter be known as Umed Singh.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Tabssum Khan aliias Tabassum W/O: Salik Khan, R/O T-389 Second Floor, Gali No-13, Gautam Puri, Seelampur, Seelampur, North East Delhi, Delhi-110053, have changed my name and shall hereafter be known as TABASSUM KHAN

NAME CHANGE
I, Hemant S/O Rambir Sharma R/O Gali no-15, shanti nagar, Bhiwani Haryana 127021 Have changed my name to Hemant Kaushik for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, Rambeer S/O Bihari Lal R/O Gali no-15, shanti nagar, Bhiwani Haryana 127021 Have changed my name to Rambir Sharma for all the future purposes.

NAME CHANGE
I KM PUSHPANJALI RAGHAV W/O SAGAR THAKUR R/O H.N0-172/4 KHATRI WARA, KHERI KALAN FARIDABAD-121002 HAVE CHANGE MY NAME TO PUSHPANJALI FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I MOHD FAIJAN S/O DILSHAD R/O B-145 GALI NO-3 RAJIV GANDHI NAGAR NEW MUSTAFABAD NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD FAIZAN

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MANISH KUMAR BHATIA S/O SWAROOP LAL BHATIA Permanent Resident of FLAT NO-404, SR NO-18/4B,19/2,19/3/1, B R C H , DHANORI, PUNE CITY, PO-DHANORI, DIST- PUNE,MAHARASHTRA-411015, and Presently Residing at PLOT NO 223, 3rd FLOOR, KH NO. 13/14 RIGHT SIDE, PATEL GARDEN EXTENSION, NAJAFGARH ROAD KAKROLA MORE MARKET, NEW DELHI-110059, declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as M.K. BHATIA, SWETA BHATIA and AADIYA in my minor daughter AADIYA BHATIA aged 14 years in her school record. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are MANISH KUMAR BHATIA, SHWETA BHATIA and AADIYA BHATIA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHITA KHANNA alias MOHITA GATTANI D/o K K Khanna W/o Lalit Gattani R/o C-110, Sector-23 Noida Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh-201301 have changed my name to MOHITA GATTANI

NAME CHANGE
I,JAYAPRAKASH VIJAYAN S/O VIJAYAN GOPI R/O WARD NO.11 NEAR CHURCH KHARKHODA SONIPAT HARYANA-131402.HAVE CHANGED MY NAME TO JAYAPRAKASH.

PUBLIC NOTICE
My client, Sh. Rajbir, S/o Late Savanta, aged 64 years, R/o H.No. 40, Gadaipur, VTC Gadaipur, New Delhi-110030, has severed all relations with and disowned his son, Anil, and Anil's wife, Smt. Babita, from all his movable and immovable properties due to their misconduct. They are no longer under his control. My client shall not be responsible for their acts or deeds in the future.
Vinay Bhushan Advocate
CH.NO.606 LAWYERS BLOCK
SAKET COURT, COMPLEX
NEW DELHI-110017
M: .876126312

NAME CHANGE
I, JAYDEV SINGH S/o UJJWAL SINGH R/o CB-61, NARAINA VILLAGE RING ROAD, NEW DELHI-110028, have changed my minor daughter's name from AYUSHI BHANDARI to AYUSHI for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Pradeep Kumar alias Pradyumna Kumar Swain S/O: Prabhakar , R/O Hno-195/3 Daulatpur Bhatiya Mod Jay Prakash Nagar , Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, Have changed my name and shall hereafter be known as PRADYUMNA KUMAR SWAIN .

NAME CHANGE
I hitherto known as LAVANYA B S alias LAVANYA NANDAN D/O SUBBARAO B S W/O RAGHUNANDAN B A Permanent Residence of H1203 Mantri Lithos, Manyata Tech Park Nagavara, Bangalore, North Bengaluru Karnataka-560045, Present Resident of Principal Guest House, Nightingale Institute of Nursing C-23, Institutional Area Sector-62, Noida-201307, have changed my name and shall hereafter be known as LAVANYA NANDAN.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणवी संस्कृति में सावन महीने का विशेष महत्व : सुदेश हिसार

एजेंसी

हिसार। म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के बैनर तले संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक के निर्देशानुसार संगठन महासचिव सिंगर सुदेश हिसार के नेतृत्व में सावन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनेक गांवों के सरपंचों, गणमान्य व्यक्तियों व महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणवी संस्कृति से ओत प्रोत नृत्य व गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन महासचिव सिंगर सुदेश हिसार ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति में सावन महीने का विशेष महत्व होता है। महिलाएं घरों में देशी घी के पकवान बनाती हैं तथा टोलियों में हरियाणवी गीतों के साथ हरियाणवी वेशभूषा में झूले का आनंद उठाती हैं, जिनका अंदाज ही निराला होता है। इस अवसर पर फतेहाबाद जिला प्रमुख श्रवण पाबड़ा, हिसार जिला प्रमुख मीना शर्मा, नीलम चौधरी, अनीता चौधरी, रमेश रॉक्सी, राजेश फुलभाटी, मांगेराम, नफे रोहिल्ला, संजय गोरखपुर, मा. पालेराम, देशराज वर्मा आदि उपस्थित रहे।

ड्रेन ओवरफ्लो होने से खेतों में फैला पानी,आवासीय क्षेत्र को खतरा

हिसार। सदर क्षेत्र के गांव पातन के पास ड्रेन ओवरफ्लो होने के कारण सैंकड़ों एकड़ में पानी भर गया। ग्रामीणों में भय का माहौल है क्योंकि ड्रेन का गंदा पानी खेतों में फैलने के बाद गांवों की ओर बढ़ रहा है। ड्रेन ओवरफ्लो होने की सूचना के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किए। अधिकारियों एवं ग्रामीणों के अनुसार पिछले कई दिनों से बरसाती सीजन के चलते ड्रेन में अत्यधिक पानी भर गया है। क्षमता से ज्यादा भरने और ड्रेन के कच्चे होने के कारण पातन गांव के पास ओवरफ्लो हो गया है। इससे गांव की तरफ गंदा पानी बह रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को सूचना दी और तब तक अपने स्तर पर पानी को रोकने का प्रयास किया। पानी के तेज बहाव के कारण यह गांव की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ड्रेन के पानी ने दर्जनों एकड़ में खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया है। सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। वे ग्रामीणों के सहयोग से मनरेगा कर्मियों की मदद से बहते पानी को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। जल्द से जल्द ओवरफ्लो रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि पानी को ज्यादा फैलने से बचाया जा सके।

वसुधैव कुटुम्बकम सोच भारत को विश्वगुरु बनाती है : पवन जिंदल

गुरुग्राम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित एवं हिंदू जीवन मूल्यों को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से गठित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान (एचएसएसएफ) की प्रांतीय कार्यकर्ता वार्षिक योजना बैठक शुक्रवार की रात गुरुग्राम के सोहना चौक स्थित सिद्धेश्वर पब्लिक स्कूल के सभागार में हुई। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक पवन जिंदल, प्रांत संघचालक प्रताप सिंह की उपस्थिति और संस्थान के प्रांत अध्यक्ष विनोद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आगामी साल भर के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रचारक गुणवंत सिंह भी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित रहे। यहां एचएसएसएफ के प्रांत अध्यक्ष विनोद शर्मा, संरक्षण राकेश अग्रवाल, सचिव राजीव गुप्ता ने नव नियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई। बैठक में जहां हरियाणा प्रदेश में संगठन विस्तार पर चर्चा हुई, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद पवन जिंदल और गुणवंत सिंह ने विश्व में हिन्दू सेवा और संस्कृति के फैलाव पर बल दिया तथा सनातन संस्कृति को विश्व शांति के लिए अति महत्वपूर्ण बताया। पवन जिंदल ने कहा कि भारत देश महापुरुषों की भूमि है। इसकी संस्कृति, विचारधारा और आध्यात्मिक शक्ति को कोई भी शक्ति पराजित नहीं कर सकती। भारत की सोच 'वसुधैव कुटुम्बकम उसे विश्वगुरु बनाती है। उन्होंने संगठन के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और कार्यकर्ताओं को निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित किया।

टैब वितरण घोटाले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर की जाए कड़ी कार्रवाई: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई उस समय खुलकर सामने आ गई जब कोविड काल में 700 करोड़ रुपये के खरीदे गए 05 लाख टैबलेट आज मात्र खिलौना बनकर रह गए है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह टैब घोटाले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, जिन्होंने टैब के नाम पर देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि कोविड काल में सरकार स्कूलों के पांच लाख विद्यार्थियों को 700 करोड़ रुपये कीमत के टैब शैक्षणिक सत्र 2025-26 में बिना सिम और बिना नेट सुविधा के बंद पड़े है ये कब चालू होंगे किसी के पास कोई जवाब नहीं है फिलहाल तो ये मात्र खिलौना बने हुए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह योजना तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी पर मौजूदा सरकार ने इस योजना को ही पानी पिला दिया है। इससे विद्यार्थियों को लाभ तो क्या हुआ अब तक उन्हें नुकसान ही हो रहा है।

जनहित सर्वोपरि की भावना से कार्य करें कर्मचारी : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कर्मचारी राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ हैं और प्रदेश के विकास में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कर्मचारियों का कार्यक्षेत्र चाहे जो भी हो, भावना केवल एक होनी चाहिए जनहित सर्वोपरि। मुख्यमंत्री पंचकूला में आयोजित नवनियुक्त ग्रुप-डी कर्मचारियों के परिचयात्मक कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकारी नौकरी मात्र नौकरी नहीं होती, बल्कि यह उस मातृभूमि की सेवा का अवसर होता है, जिसने हमें सब कुछ दिया। उस समाज की सेवा जिसने हमें पहचान दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा विकास और नवाचार की धरती है। हरियाणा आज देश में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। कृषि, उद्योग, शिक्षा,

स्वास्थ्य, खेल, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल गवर्नेंस जैसे हर क्षेत्र में हम नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। यह सफलता केवल नीति-निर्माताओं की नहीं, यह सफलता मेहनती और ईमानदार अधिकारियों व कर्मचारियों की भी है, जो दिन-रात अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। नायब सिंह सैनी ने विपक्ष के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्ष के एक नेता चुनाव प्रचार के दौरान कह रहे थे कि मुझे 50 वोट दो और मैं एक नौकरी दूंगा। नौकरियों की बोलियां लग रही थी, लेकिन हमारी सरकार ने आज इस प्रकार के सिस्टम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और केवल मैरिट के आधार पर नौकरियां दी हैं। आज गरीब परिवारों के बच्चे भी सरकारी नौकरी में आ रहे हैं, उनके सपने अब पूरे हो रहे हैं। पहले की सरकार में तो बच्चों को उनकी मेहनत का फल नहीं मिलता था लेकिन आज युवाओं को उनकी मेहनत के बल पर नौकरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की 'यूनिफाइड पेंशन स्कीम' की तर्ज पर हरियाणा के कर्मचारियों को भी यू.पी.एस. का लाभ एक अगस्त, 2025 से दिया है। इसकी अधिसूचना गत 2 जुलाई को की जा चुकी है। इस स्कीम का लाभ हरियाणा सरकार के 2 लाख कर्मचारियों को मिलेगा।

मंत्री ने जन संवाद में समस्याएं सुनीं, खिलाड़ी सचिन को सम्मानित किया

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना में सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा ने जन संवाद कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके समाधान हेतु स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने शासन की पारदर्शिता और जनकल्याण को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। गोहाना के सिंचाई विश्राम गृह में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में मंत्री अरविंद शर्मा ने आमजन से बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था लागू की है, जिससे जनता को वास्तविक लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने नागरिक सुविधाओं को सरल बनाने हेतु पांच सौ से अधिक सेवाएं और योजनाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई हैं। इससे आमजन को सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच मिली है। इसके बाद मंत्री अरविंद शर्मा ने गांव कासंडा में अमेरिका में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर खेल 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी सचिन को सम्मानित किया। उन्होंने सचिन को अपने निजी कोष से एक लाख रुपए और उनके प्रशिक्षक अनिल कुमार को 11 हजार रुपए देने की घोषणा की। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री खिलाड़ियों के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। खेलों के ढांचागत विकास, अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षकों की उपलब्धता और खेल नर्सरियों की स्थापना जैसे प्रयासों से हरियाणा के खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सरकार युवाओं के लिए 3 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा भी दे रही है।

कांग्रेस का संगठन बनेगा नहीं और बना तो होगी जूतमपजार : जगमोहन आनंद

एजेंसी

झज्जर। पूर्व मुख्यमंत्री चौ.भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा हरियाणा कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की जल्द नियुक्ति किए जाने के दावे पर करनाल से भारतीय जनता पार्टी के विधायक जगमोहन आनंद ने चुटकी ली है और हुड्डा के इस बयान को हास्यास्पद बताया है।

उन्होंने कहा कि अपनी ही पार्टी में खुद हुड्डा की राजनीति हाशिए पर आ गई है। इसीलिए वह इस प्रकार के बयान दे रहे हैं। जगमोहन आनंद झज्जर भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं और विभिन्न समुदाय के लोगों से राज्य स्तरीय विभाजन विभीषी का कार्यक्रम के संबंध में मुलाकात करने आए थे। विधायक जगमोहन आनंद ने बताया कि विभाजन विभिषिका को लेकर फरीदाबाद में एक राज्य स्तरीय समारोह 14 अमगस्त को आयोजित किया जा रहा है। इसी समारोह के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया जाएगा। इस किस तरह से उनके पूर्वजों ने यातनाएं झेलकर यह आजादी का मुकाम हासिल किया है। जगमोहन ने

राज्यस्तरीय समारोह में प्रदेशभर से पंजाबी समुदाय के अलावा विभिन्न वर्गों के बहुत बड़ी संख्या में लोग पहुंचने वाले है। कारण कि प्रधानमंत्री ने विभाजन विभिषिका को एक तरह से मान्यता दी है। ऐसा होने से वह अपने युवाओं को बता सकते है कि मीडिया से रूबरू होकर उनके सवालों क जवाब भी दिए। कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बेशक कांग्रेस नेता हरियाणा में संगठन बनने की बात कह रहे हों, लेकिन यह बात वह लंबे समय से कहते आ रहे हैं।

सरकार का उद्देश्य, हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभः रेणु शर्मा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के पंचायत भवन में प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी, उत्तर प्रदेश से पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की, इसका लाइव टेलीकास्ट किया गया। भारतीय जनता पार्टी डबवाली की जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक बन चुका है। केंद्र सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि देश के हर पात्र नागरिक तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।इस दिशा में सरकार पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ निरंतर काम कर रही है। आज शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा, औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। आने वाले समय में और भी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर पात्र लाभार्थी को और सशक्त करने का कार्य जारी रहेगा। जिला परिषद के सीईओ डा. सुभाष

चंद्र ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 20वीं किस्त जारी की है। इस योजना के तहत पात्र किसान को हर चार महीने में तीन समान किस्तों में 6000 रुपये प्रतिवर्ष, सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजा जाता है। जिला सिरसा में अब तक 137425 किसान इस योजना के तहत पंजीकृत है। इस योजना के तहत जिला सिरसा में अब तक 19 किस्तों में कुल 434.07 करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है। आज 20वीं किस्त के तहत जिला सिरसा में 22.70 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। उप निदेशक कृषि डा सुखदेव सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना 24 फरवरी 2019 को लागू की गई थी। यह योजना एक सेंट्रल सैक्टर स्कीम है।

हरियाणा में हुआ छठे राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का भव्य आगाज़

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में छठे राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ की शुरूआत हो गई। पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कबड्डी मैच की शुरुआत कर खेल महाकुंभ का विधिवत शुभारंभ किया और प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस वर्ष के खेल महाकुंभ में प्रदेश के 15,410 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जो कुल 26 विभिन्न खेलों प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यह खेल महाकुंभ केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह युवाओं के सपनों को उड़ान देने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि खेल महाकुम्भ की शुरुआत हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष 2017 में की गई थी। तब से अब तक पांच खेल महाकुम्भों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में भारत को एक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इन खेलों की मेज़बानी भारत में करवाने का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस दिशा में हरियाणा पहले ही सक्रियता से कार्य कर रहा है और व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर चुका है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर गांव एक ऐसा खिलाड़ी तैयार करे, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का तिरंगा फहराए। इसी उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में 'खेल महाकुंभ' का आयोजन एक स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगा।नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस वर्ष के कैलेण्डर के अनुसार इस खेल महाकुम्भ के अलावा, राज्यस्तरीय अखाड़ा दंगल, मुक्केबाजी, वॉलीवाल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, बास्केटबॉल, ताइक्कांडो, जिम्नास्टिक्स, हैंडबॉल इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। खेल तथा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि इस खेल महाकुंभ में प्रदेशभर से 15 हजार से अधिक खिलाड़ी 26 खेल विधाओं में भाग लेंगे, जो 'खेलो इंडिया' जैसे राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों से भी बड़ी भागीदारी है।

परेवाड़ी में किसान उत्सव दिवसः 61,892 किसानों को पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त, 12.37 करोड़ रुपये हस्तांतरित

एजेंसी

रेवाड़ी। रेवाड़ी में कृषि विज्ञान केंद्र रामपुरा में किसान उत्सव दिवस के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया।विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीबीटी के माध्यम से पीएम किसान योजना के तहत देश के करोड़ों किसानों के बैंक खाते में 20वीं किस्त हस्तांतरित की है। जिसमें रेवाड़ी जिला के 61 हजार आठ सौ 92 किसानों को 12 करोड़ 37 लाख 84 हजार रूपये की किस्त मिली है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम किसान उत्सव दिवस के रूप में आयोजित किया गया है। विधायक ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिलने पर जिले के किसानों को बधाई देते हुए कहा कि इस राशि से किसानों को जो आर्थिक मदद मिली है, उससे वे कृषि कार्यों को और अधिक सुगमता से कर सकेंगें। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष छह हजार की वित्तीय सहायता तीन समान किस्तों में दी जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना छोटे और सीमांत किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है और यह योजना उसी का एक हिस्सा है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं।

दिल्ली-एनसीआर के लिए ग्रीन हार्ट की भूमिका निभाएगा मातृ वनः भूपेंद्र यादव

जेंसी

गुरुग्राम। यहां अरावली क्षेत्र में मातृ वन विकसित करने के शिलान्यास अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने पौधारोपण किया। अरावली क्षेत्र में पेड़ लगा रहे स्कूली बच्चों से उन्होंने मुलाकात की। बच्चों के साथ हर उम्र के व्यक्ति को पौधारोपण के लिए उन्होंने प्रेरित किया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने समारोह में कहा कि गुरुग्राम में 750 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा मातृ वन आने वाले समय में सम्पूर्ण दिल्ली-एनसीआर के लिए ग्रीन हार्ट की भूमिका निभाएगा। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक बनेगा, बल्कि हरियाली का नया अध्याय भी रचेगा। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को आइडियल सिटी बनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पिछले दो वर्षों में अरावली क्षेत्र को नया स्वरूप देने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीन अरावली परियोजना के अंतर्गत पांच राज्यों के 29 जिलों में स्थानीय प्रजातियों की पौध तैयार की जा रही है और आइडियल नर्सरी मॉडल विकसित किया जा रहा है। इनमें से तीन जिलों में कार्य भी आरंभ हो अपने संबोधन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए मिशन लाइफ और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों में जन-सक्रियता और व्यापक सहभागिता का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में मैप्सको समूह के

चुका है। केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा वन विभाग से कोयंबटूर की तर्ज पर तितली पार्क विकसित करने का सुझाव दिया तथा इसमें औषधीय पौधों को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह स्थल भविष्य में एक पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है, जिसके लिए अभी से समुचित प्रबंधन किया जाए। प्रबंध निदेशक एवं उपाध्यक्ष क्रेडाई हरियाणा पंकज सिंगला ने कहा कि मातृ वन वृक्षारोपण अभियान अरावली पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मैप्सको समूह को 10 एकड़ भूमि पर यह अभियान चलाने का अवसर प्राप्त होना गर्व की बात है, जो एक पेड़ मां के नाम अभियान के अनुरूप है।

तीन चरणों में आयोजित होगा हर घर 'तिरंगा अभियान': अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान 15 अगस्त 79वें स्वतंत्रता दिवस तक तीन चरणों में चलेगा। पहला चरण आठ अगस्त तक, दूसरा चरण नौ से 12 अगस्त तक तथा तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में लगातार चौथे वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान मनाया जा रहा है। केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय और महानिदेशक सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा की ओर से हर घर तिरंगा अभियान गाइडलाइन जारी की गई हैं। उन्होंने बताया कि पहले चरण में आठ अगस्त तक स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों आदि में प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। स्कूल, कालेज व सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएं और प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही सैनिकों और पुलिसकर्मियों को 'आभार पत्र' लिखकर डाक विभाग के समन्वय से राखियां भेजी जाएंगी। सार्वजनिक स्थानों व बाजारों में तिरंगे रंगों को प्रदर्शित करने के लिए तिरंगे धागे युक्त 'तिरंगा बुनाई और धागे' की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि दूसरे चरण में नौ से 12 अगस्त के बीच वृहद आयोजन होंगे। इस दौरान 'तिरंगा महोत्सव' के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। इसमें वृहद 'तिरंगा मेला' और 'भव्य तिरंगा म्यूजिकल कन्सर्ट' का आयोजन होगा। प्रदेश स्तरीय 'तिरंगा महोत्सव' का आयोजन किसी प्रमुख स्थल पर व्यापक जनभागीदारी के साथ होगा। तिरंगा महोत्सव आयोजित किए जाने वाले प्रमुख स्थल पर तिरंगा मेले का भी आयोजन होगा।

प्रदेश में अपराध और बेरोजगारी चरम परः जयप्रकाश

एजेंसी

जींद। हिसार लोकसभा से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश उचाना के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में पहुंचे। यहां पर लोगों की समस्याओं को सुनने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं से मिले। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद जयप्रकाश ने कहा कि वे हर महीने एक दिन उचाना में लोगों की समस्याएं सुनते हैं। उचाना विधानसभा क्षेत्र हिसार लोकसभा में आता है और हिसार से काफी दूर है। इसलिए लोगों को आने-जाने की असुविधा न हो, इस कारण उन्होंने यह फैसला लिया है।

जयप्रकाश ने प्रदेश की नायब सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नायब शब्द ही छोटा होता है, जैसे तहसीलदार और नायब तहसीलदार। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की कि सरकार का प्रचार अपराध में बहुत अच्छा हो रहा है। उनका आरोप है कि अपराध की दृष्टि से हरियाणा पहले नंबर पर है। बेरोजगारी के मुद्दे पर जयप्रकाश ने सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी चरम पर है। सरकार ने परमानेंट सर्विस केंद्र और सीईटी का सिर्फ ड्रामा किया हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि मिडिल पास, मैट्रिक पास और 12वीं पास लोगों के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है। उन्होंने बीजेपी के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि

है। उनके अनुसार इसका असर कई वर्षों के बाद ही दिखेगा। रोजगार के संबंध में सांसद ने कहा कि अभी सिर्फ डी ग्रुप में छोटी-मोटी नौकरियां मिल रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि डी ग्रुप के टेस्ट में बेरोजगार इंजीनियर और ग्रेजुएट पास हो जाते हैं। जबकि 10वीं, 12वीं के बच्चे फेल हो जाते वे सिर्फ बिना खर्ची बिना पर्ची का नारा लगाते रहते हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर बिना खर्ची नौकरी देते तो गुजरात या उत्तर प्रदेश का कोई आकर लगता क्या। इस मौके पर वीरेंद्र प्रधान, फूल सिंह श्योकंद, भूप खटकड़, बलवान काकड़ोद, कृष्ण मोर, लाभ काब्रच्छा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोनीपत से नीम करोली जा रहे परिवार की गाड़ी हादसाग्रस्त, तीन की मौत, पांच घायल

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर हुए सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई। नैनीताल स्थित नीम करोली बाबा के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की कार बीच सड़क पर खड़ी पिकअप से टकरा गई। दुर्घटना में एक बुजुर्ग, एक मासूम और एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य परिजन गंभीर रूप से घायल हो गए सुबह सोनीपत के गांव सिसाना निवासी नरेश कुमार अपने परिवार के साथ नैनीताल स्थित नीम करोली बाबा आश्रम के दर्शन के लिए निकले थे। यात्रा के दौरान जब उनका वाहन केएमपी टोल प्लाजा के पास पहुंचा, तब सड़क के बीच एक बिना संकेत के खड़ी पिकअप गाड़ी से उनकी कार टकरा गई। टक्कर

इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग अंदर ही फंस गए। स्थानीय लोगों ने दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर खिड़कियां काटकर घायलों को बाहर निकाला। तब तक नरेश के पिता धर्मवीर और चार वर्षीय भांजे भार्गव की मौत हो चुकी थी। बाकी घायलों को तत्काल सोनीपत और दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान नरेश की बेटी अनविका ने भी दम तोड़ दिया।हादसे में नरेश, उनकी मां प्रेम, बहन मीनाक्षी, पूजा और नाविका घायल हुए हैं, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है।

NAME CHANGE
I, hitherto known as PARMOD S/o SURAJ BHAN SHARMA R/o H N-100-R (A), Near Mittal Hospital Model Town, Sonipat, Haryana-131001, have changed my name and shall hereafter be known as PARMOD SHARMA.

भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट बढ़ाया,

दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की कोशिश

-यह वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के देशों पर अमेरिकी प्रोडक्ट पर लगने वाले टैक्स को कम करने का दबाव डाल रहे हैं। साथ ही अमेरिकी उत्पादों के आयात को बढ़ाने की बात कह रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही ट्रंप ने भारत के प्रोडक्ट पर 25 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इन सब के बीच भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को काफी बढ़ा दिया है। इस कदम को दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की स्थिति बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेजी से इज़ाफा किया है। जनवरी से जून 2025 में भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 51 फीसदी बढ़ाया है, जो दोनों देशों के बीच उभरती ऊर्जा साझेदारी को दर्शाता है। सूत्रों की मानें तो यह बढ़त फरवरी 2025 में वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा है। इस समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी ऊर्जा आयात को 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने की बात कही थी, साथ ही दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत का अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 114 फीसदी बढ़कर 3.7 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.73 अरब डॉलर था। जुलाई 2025 में यह रफ्तार और बढ़ी जब अमेरिका से कच्चे तेल का आयात जून की तुलना में 23 फीसदी ज्यादा रहा। इससे अमेरिका का हिस्सा भारत के कुल कच्चे तेल आयात में 3 फीसदी से बढ़कर 8 फीसदी हो गया है।

भारत ने अमेरिका से तरल प्राकृतिक गैस के आयात को भी बढ़ाया है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में एलएनजी आयात 1.41 अरब डॉलर से बढ़कर 2.46 अरब डॉलर हो गया। आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के मुताबिक अमेरिकी एलएनजी की कीमत हेनरी हब बेंचमार्क पर आधारित होने के कारण अन्य स्रोतों की तुलना में ज्यादा कॉम्पिटिटिव है। साथ ही अमेरिका में कई नए एलएनजी प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियां लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट के लिए अमेरिका की ओर रुख कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन ने सत्ता संभालते ही एलएनजी निर्यात लाइसेंस पर बाइडेन सरकार द्वारा लगाई गई रोक को हटा दिया था। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन का अनुमान है कि 2028 तक अमेरिका की एलएनजी निर्यात क्षमता दोगुनी हो जाएगी।

मल्टीबैगर स्टॉक पांच हिस्सों में करेगी शेयरों का बंटवारा

-10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली।

पिछले एक साल के दौरान कुछ कंपनियों ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया। उसमें मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड भी एक है। अब इस मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों का बंटवारा करने जा रही है। एमसीएक्स ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को पांच हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपए प्रति शेयर हो जाएगी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड के शेयर इस महीने एक्स-डिविडेंड भी ट्रेड करेंगे। कंपनी ने कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए एमसीएक्स ने 8 अगस्त की तारीख तय की है।

बीते 3 महीने के दौरान इस डिविडेंड स्टॉक की कीमतों में 23 फीसदी का उछाल आया। वहीं, 1 साल से एमसीएक्स के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों का पोर्टफोलियो 73 फीसदी बढ़ा है।

बता दें शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर इस मल्टीबैगर स्टॉक का भाव 1.31 फीसदी की गिरावट के बाद 7594.35 रुपए था। बता दें बीते एक महीने के दौरान इस स्टॉक में मुनाफावसूली जमकर देखने को मिली है। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 16 फीसदी गिरा है।

मस्क की टेस्ला कंपनी को देना होगा 243 मिलियन डॉलर का मुआवजा

ऑटोपायलट कार हादसे का जूरी ने कंपनी को ठहराया जिम्मेदार

वॉशिंगटन।

फ्लोरिडा के मियामी कोर्ट ने एलन मस्क की टेस्ला को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने ऑटोपायलट कार हादसे में 243 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,100 करोड़ रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मामला 2019 का है जब फ्लोरिडा के लार्गो में टेस्ला मॉडल एस सेडान ऑटोपायलट मोड में चलते हुए एक एसयूवी से जा टकराई। इस हादसे में 22 साल की युवती की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उसका बॉयफ्रेंड गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले की सुनवाई चार साल तक चली। कोर्ट की जूरी ने जांच के बाद माना कि टेस्ला के ऑटोपायलट सिस्टम में खराबी थी और हादसे के लिए केवल ड्राइवर को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। हालांकि कंपनी ने कोर्ट में तर्क दिया कि ड्राइवर उस वक्त फोन इस्तेमाल कर रहा था, लेकिन कोर्ट ने यह दलील खारिज करते हुए कहा कि तकनीकी खामी भी इस हादसे की बड़ी वजह बताई।

बता दें 2019 में लार्गो शहर में टेस्ला की मॉडल एस सेडान ऑटोपायलट मोड में चल रही थी। गाड़ी ने अचानक सामने से आ रही एसयूवी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर ही उसमें सवार युवती की मौत हो गई, उसके बॉयफ्रेंड गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस हादसे ने न सिर्फ टेस्ला की ऑटोपायलट तकनीक की सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि कंपनी पर सिस्टम की खामियों को छिपाने का भी आरोप लगाया था।

बता दें 2021 में पीड़ित परिवार ने टेस्ला के खिलाफ केस दर्ज किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने ऑटोपायलट सिस्टम में मौजूद खराबी को छुपाया और इस हादसे से जुड़े डेटा व वीडियो फुटेज को भी नष्ट कर दिया। परिवार के वकीलों ने कोर्ट में कहा कि अगर टेस्ला ने अपनी तकनीक में खामी मानी होती तो हादसा रोका जा सकता था।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट 7 अगस्त को आईपीओ करेगा पेश

साइज 4,000 करोड़ से घटाकर 3,600 करोड़ किया

नई दिल्ली।

सज्जन जिंदल द्वारा प्रवर्तित विविधीकृत जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट 7 अगस्त को अपना 3,600 करोड़ रुपए का आईपीओ पेश करने के लिए तैयार कर रहा है। हालांकि, दस्तावेजों के हालिया मसौदे के मुताबिक इस आईपीओ का कुल आकार पहले प्रस्तावित 4,000 करोड़ रुपए तक के निर्गम से कम है।

शुक्रवार को दाखिल आरएचपी के मुताबिक आईपीओ 7 अगस्त को खुलेगा और 11 अगस्त को बंद हो जाएगा। बड़े निवेशक 6 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। शुरुआती शेयर बिक्री में 1,600 करोड़ रुपए मूल्य के इक्विटी शेयरों का नया आईपीओ और निवेशक शेयरधारकों द्वारा 2,000 करोड़ रुपए तक के शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। ओएफएस के एक हिस्से के रूप में, निजी इक्विटी दिग्गज अपोलो मैनेजमेंट, अपनी सहयोगी एपी एशिया अपॉर्च्युनिस्टिक होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 931.80 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचेगी। सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट्स होल्डिंग लिमिटेड 938.50 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचेगी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 129.70 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों का विनिवेश करेगा।

मसौदा दस्तावेजों के मुताबिक कंपनी 800 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग राजस्थान के नागौर में एक नई एकीकृत सीमेंट इकाई के आंशिक वित्तपोषण के लिए और 520 करोड़ रुपए बकाया ऋणों के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान के लिए करेगी। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मुंबई स्थित इस कंपनी ने पहले 4,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई थी। नवीनतम दस्तावेजों के मताबिक नए आईपीओ से पूंजी जुटाने की राशि में 400 करोड़ रुपए की कटौती की गई है।

भारत में गूगल का पहला डेटा सेंटर बनेगा विशाखापट्टनम में

नई दिल्ली ।

भारत में दिग्गज गूगल कंपनी अब तक का अपना सबसे बड़ा निवेश करने जा रही है। इस मेगाप्रोजेक्ट में कुल 6 अरब डॉलर यानी लगभग रुपए 51,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। कंपनी आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एक अत्याधुनिक डेटा सेंटर और उससे जुड़ा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करेगी। यह भारत में न सिर्फ गूगल का पहला डेटा सेंटर होगा, बल्कि एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा और उच्च क्षमता वाला डेटा सेंटर भी होगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस पूरे निवेश में से करीब 2 अरब डॉलर, यानी रुपए 17,000 करोड़, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना में खर्च किए जाएंगे, जो इस डेटा सेंटर को बिजली उपलब्ध कराएगी।

इसका उद्देश्य गूगल के वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को बनाए रखना है। यह निवेश गूगल की उस वैश्विक रणनीति का हिस्सा है,

जिसके तहत वह सिंगापुर, मलेशिया और थाईलैंड जैसे दक्षिण एशियाई देशों में भी अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है। कंपनी ने पहले ही घोषणा की थी कि आर्थिक अनिश्चितताओं और वैश्विक टैरिफ नीतियों के बावजूद, वह वर्ष 2025 तक करीब 75 अरब डॉलर यानी रुपए 6.37 लाख करोड़ की राशि वैश्विक स्तर पर डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में खर्च करेगी। भारत में किया जा रहा यह निवेश इस रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

इस नए डेटा सेंटर की भव्यता और तकनीकी क्षमता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर इसमें 50,000 सर्वर लगाए जाएं, और हर सर्वर में औसतन 10 टेराबाइट स्टोरेज हो, तो कुल डेटा स्टोरेज क्षमता 500,000 टेराबाइट या 500 मिलियन गीगाबाइट होगी। यानी लगभग 500 करोड़ जीबी डेटा एक साथ सुरक्षित किया जा सकेगा।

यह आंकड़ा डेटा सेंटर के डिजाइन और उपयोग के हिसाब से और भी ज्यादा हो सकता है। कुछ विशेष केंद्रों में स्टोरेज क्षमता 100 मिलियन से लेकर 1 बिलियन गीगाबाइट तक भी हो सकती है। इस परियोजना से भारत को न केवल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में मजबूती मिलेगी, बल्कि रोजगार, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में भी बड़ा लाभ होने की उम्मीद है।

जुलाई में बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स बेची

नई दिल्ली। जुलाई महीने में स्वदेशी कंपनी बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जिसमें टू-व्हीलर और कमर्शियल व्हीकल्स दोनों शामिल हैं। बजाज ऑटो ने जुलाई 2025 की अपनी बिक्री रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसमें कंपनी को कुल 3प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, यह बढ़त पूरी तरह एक्सपोर्ट से आई है क्योंकि घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई। टू-व्हीलर सेगमेंट की बात करें तो कंपनी ने इस कैटेगरी में कुल 2.96 लाख यूनिट्स बेचीं, जो लगभग पिछले साल के बराबर है। हालांकि, घरेलू बाजार में बिक्री 18प्रतिशत घटकर 1.39 लाख यूनिट्स पर आ गई, जबकि एक्सपोर्ट में 22प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह संख्या 1.57 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि विदेशी बाजारों में कंपनी की पकड़ मजबूत होती जा रही है, जबकि घरेलू बिक्री दबाव में है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में कंपनी की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर रही। इस सेगमेंट में बजाज की कुल बिक्री 23प्रतिशत बढ़कर 69,753 यूनिट्स रही। घरेलू बाजार में बिक्री में 4प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई और कुल 43,864 यूनिट्स बिकीं।

LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE LTD

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा पांच फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में पांच फीसदी से बढ़कर 1,359.92 करोड़ रुपए रहा। एलआईसी द्वारा प्रवर्तित हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का शुद्ध लाभ एक साल पहले इसी तिमाही में 1,300.21 करोड़ रुपए था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,233 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 6,784 करोड़ रुपए थी। कंपनी की ब्याज आय जून तिमाही में बढ़कर 7,113 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 6,739 करोड़ रुपए रही थी। आलोच्य तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 5,534 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इस अवधि में 5,155 करोड़ रुपए था। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां जून तिमाही में बढ़कर 2.62 फीसदी हो गईं, जो पिछले साल जून के आखिर में 3.29 फीसदी थीं। इसका शुद्ध एनपीए भी जून तिमाही में घटकर 1.3 फीसदी रहा, जो जून, 2024 में 1.68 फीसदी था।

जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने को मंजूरी दी

मुंबई। जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आने वाले दिनों में चर्चा में बने रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने अपने निवेशकों को शानदार तोहफा दिया है। हाल ही में जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के बोर्ड मेंबर ने 24 जुलाई 2025 को हुई बैठक में कंपनी के मौजूदा शेयरधारकों को 3:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यानी प्रत्येक 2 शेयरों पर तीन पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर। इसके अलावा, बोर्ड मेंबर ने 2:1 के रेशियो में उप-विभाजन/ विभाजन को भी मंजूरी दे दी है। शेयर विभाजन का उद्देश्य बाजार में कंपनी के शेयरों की लिक्विडिटी को बढ़ाना है। बता दें कि बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर 1,549.20 रुपये पर आ गए थे। (पूर्व में सिंधु वैली टेक्नोलॉजीज लिमिटेड) ने 2 अगस्त, 2025 को घोषणा की कि रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र संयुक्त अरब अमीरात में रजिस्टर्ड राणा एक्जिम एफजेड-एलएलसी से एक महत्वपूर्ण लेटर ऑफ अवार्ड (एलओसी) प्राप्त हुआ है। यह एलओसी एरिशा स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) विकास के लिए है, जिसमें रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र, संयुक्त अरब अमीरात में औद्योगिक और वाणिज्यिक भवन शामिल है। इस परियोजना की कीमत करीब 2,645 करोड़ रुपये (दो हजार छह सौ पैंतालीस करोड़ रुपये) है। परियोजना के पूरा होने का अनुमानित समय 24 महीने है। इसके अलावा स्थापना और संचालन के लिए शुरुआती 90 दिनों की अवधि भी है।

एनएसडीएल के निवेशकों के लिए आज बड़ा दिन, शेयरों का अलॉटमेंट

मुंबई। एनएसडीएल के आईपीओ की लिस्टिंग 6 अगस्त को बीएसई और एनएसई में होनी है। बड़ी संख्या में मेनबोर्ड आईपीओ पर निवेशकों ने दांव लगाया था। अब अच्छी खबर इन निवेशकों के लिए आई है। ग्रे मार्केट में कंपनी के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला है। एनएसडीएल आईपीओ ग्रे मार्केट में 120 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। 1 जुलाई के मुकाबले कंपनी के जीएमपी में 2 रुपये का इजाफा हुआ है। हालांकि, अब भी जीएमपी अपने शीर्ष स्तर 167 से काफी दूर है। लेकिन शेयर बाजार के बदले हालात के बीच जीएमपी में इजाफा होना निवेशकों के लिए अच्छा संकेत है। एनएसडीएल आईपीओ 30 जुलाई को रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। निवेशकों के पास 1 अगस्त 2025 तक दांव लगाने का मौका था। कंपनी आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 800 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया था। जबकि 18 शेयरों का एक लॉट बनाया था। इसकारण निवेशकों को कम से कम 13,680 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 76 रुपये की छूट दी थी। बता दें, शेयरों का अलॉटमेंट 4 अगस्त को प्रस्तावित है।

बेहतर नतीजों के बाद भी आयशर मोटर्स के स्टॉक को अंडरवेट रेटिंग दी

मुंबई। आयशर मोटर्स के शेयरों में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन इसके बावजूद ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने कंपनी के टारगेट प्राइस में कटौती की है। मॉर्गन स्टेनली ने आयशर मोटर्स के शेयरों का टारगेट मूल्य घटाकर 4079 किया है, जो शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइज से करीब 25 प्रतिशत कम है। रेंटिग एजेंसी मॉर्गन स्टेनली ने स्टॉक को अंडरवेट रेटिंग दी है, जिससे पता चलता है कि वे इसके भविष्य के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित नहीं हैं। आयशर मोटर्स के जून तिमाही के नतीजे घोषित किए है। कंपनी का कुल नेट प्रॉफिट 1205 करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर 9 प्रतिशत अधिक है। रेवेन्यू- सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 5042 करोड़ हो गया है। ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 3 प्रतिशत बढ़कर 1203 करोड़ रहा है। शुक्रवार को आयशर मोटर्स का शेयर 5470 पर खुला और दिन के दौरान 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 5669.85 पर बंद हुआ। हालांकि, बीएसई (बीएसई) पर यह 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 5527 पर बंद हुआ। मॉर्गन स्टेनली द्वारा टारगेट प्राइस में कटौती, मजबूत तिमाही नतीजों और शेयर में उछाल के बावजूद, भविष्य में कंपनी के प्रदर्शन को लेकर कुछ चिंताएं दर्शाती है। निवेशक और बाजार विश्लेषक अब इस बात पर बारीकी से नजर रखने वाले हैं कि आयशर मोटर्स इन चिंताओं को कैसे संबोधित करती है और क्या मॉर्गन स्टेनली की भविष्यवाणी सही साबित होती है।

रुस-अमेरिका तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती हैं

-रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने की दी थी चेतावनी

मुंबई।

अमेरिका-रूस तनाव से कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति में खतरा पैदा हो गया है जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल के पर पहुंच सकती हैं। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को विश्लेषकों ने दी। विश्लेषकों का मनना है ब्रेंट ऑयल के अक्टूबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट का शॉर्ट-टर्म टारगेट 72.07 डॉलर से बढ़कर 76 डॉलर हो गया है। 2025 के आखिर तक, ब्रेंट क्रूड की कीमत 80-82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती है। नीचे की ओर समर्थन 69 डॉलर पर है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के सितंबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट, जो अभी 69.65 डॉलर पर है, का शॉर्ट-टर्म टारगेट 73 डॉलर है। 2025 के आखिर तक, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 76-79 डॉलर तक पहुंच सकती है। नीचे की ओर समर्थन 65 डॉलर पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 10-12 दिन की समय दिया था। ऐसा न करने पर रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त प्रतिबंध और सेकेंडरी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी, जिससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने पहले घोषणा की थी कि सेकेंडरी टैरिफ 500 फीसदी तक हो सकते हैं। रूस से कच्चे तेल के आयात पर निर्भर देशों को अब डिस्काउंटेड प्राइस और अमेरिका को निर्यात पर हाई टैरिफ के बीच संतुलन बनाना चाहिए।

वेंचुरा सिक्योरिटीज में कमोडिटीज और सीआरएम प्रमुख ने कहा कि इससे अतिरिक्त उत्पादन क्षमता में कमी और आपूर्ति में कमी के कारण तेल बाजार में बदलाव आ सकता है, जिससे 2026 तक बाजार में कच्चे तेल का सरप्लस कम हो जाएगा। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में वृद्धि हुई है। युद्ध से पहले भारत की तेल खरीद में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा केवल 0.2 फीसदी था, जो अब 35 से 40 फीसदी के बीच हो गया है, जिससे रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है।

उन्होंने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि वह तेल की कीमतों में कमी देखना चाहते हैं, लेकिन अमेरिका से आपूर्ति में किसी भी बड़ी वृद्धि को बाजार तक पहुंचने में समय लगेगा। प्रूवन तेल भंडार का दोहन करने में श्रम, पूंजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होती है। उन्होंने आगे कहा कि इस आपूर्ति अंतर को पूरा करने के लिए सऊदी अरब और चुनिंदा ओपेक देशों से मिलने वाले समर्थन में भी कुछ समय लगेगा, जिसके परिणामस्वरूप निकट भविष्य में कीमतों में वृद्धि हो सकती है। तेल संतुलन पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होगा और अगर ओपेक+ आपूर्ति में कोई और कटौती नहीं भी करता है, तो भी तेल की कमी बनी रहेगी।

6 अगस्त को मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दे सकता हैं आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 4 से 6 अगस्त, 2025 तक होने वाली है। बैठक के बाद 6 अगस्त को इसके फैसलों की घोषणा की जाएगी। बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद की जा रही है, जिससे आम लोगों, खासकर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिल सकती है। रेपो रेट में कटौती से कर्ज सस्ता होगा।

अमेरिका द्वारा नए टैरिफ लगाने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बढ़ने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति लक्ष्य से काफी नीचे बनी हुई है। साथ ही, दूसरी छमाही में विकास दर में मंदी के संकेत भी मिल रहे हैं। इन बातों को देखकर कई विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आरबीआई के पास ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई आगामी एमपीसी बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों (0.25प्रतिशत) की कटौती की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कटौती, खासकर वित्त वर्ष 2026 में त्यौहारी सीजन के दौरान, कर्ज वृद्धि को बढ़ावा देकर जल्दी दिवाली ला सकती है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि दिवाली से पहले रेपो दर में कटौती से त्यौहारी अवधि के दौरान ऋण वृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस मामले में शीर्ष अर्थशास्त्रियों ने नीतिगत दरों पर अपने विचार साझा किए। दो अर्थशास्त्री अगस्त की बैठक में

25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। वे मुद्रास्फीति में भारी गिरावट और आर्थिक गति में मंदी को इसके कारण बताते हैं। वहीं एक अन्य रेंटिंग एजेंसी की जानकार का मानना है कि आरबीआई इस बार दरों को बरकरार रखेगा, लेकिन नरम रुख अपनाएगा। वहीं दो अन्य भी वैश्विक अनिश्चितताओं और जल्दबाजी में कदम उठाने के जोखिम की ओर इशारा करते हुए कुछ समय के लिए दरों को स्थिर रखने के पक्ष में हैं।

हाल्डर वेंचर लिमिटेड ने बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की

मुंबई। हाल्डर वेंचर लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए पहली बार बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह बोनस 2:1 के अनुपात में दिया जाएगा, जिसका मतलब है कि प्रत्येक मौजूदा शेयर के लिए शेयरधारकों को दो नए शेयर मिलने है। बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट 1 सितंबर 2025 तय की गई है। इसका मतलब है कि इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के पास हाल्डर वेंचर लिमिटेड के शेयर होते हैं, वे बोनस शेयर प्राप्त करने के हकदार है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह रिकॉर्ड डेट सोमवार, 1 सितंबर 2025 को होगी। हाल्डर वेंचर लिमिटेड कृषि उत्पादों के क्षेत्र में काम करती है और 2 अगस्त 2025 को बीएसई (बीएसई) पर इसकी मार्केट कैप 325.57 करोड़ रुपये थी। शेयर की कीमत 1 अगस्त 2025 को यह बीएसई पर 785.25 रुपये पर बंद हुआ। पिछले दो हफ्तों में शेयर में 4 प्रतिशत से ज़्यादा की गिरावट देखी गई है। वहीं, पिछले एक साल में शेयर की कीमत में 2 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी आई है। शेयर का 52-हफ्तों का उच्चतम स्तर 958 रुपये और न्यूनतम स्तर 470 रुपये रहा है। नए बोनस शेयर पूरी तरह से भुगतान किए गए होगा और उनका मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर होगा। इन नए शेयरों को मौजूदा शेयरों के समान सभी अधिकार और दर्जा प्राप्त होगा। कंपनी ने इस बोनस इश्यू को शेयरधारकों की मंजूरी के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से प्रस्तुत किया है।

चुनाव आयोग पर वारः लोकतंत्र के लिये खतरे की घंटी

ललित गर्ग

चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना नहीं है, बल्कि यह संस्था लोकतंत्र को पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता से चलाने की रीढ़ है। लाखों कर्मचारियों, सुरक्षा बलों और तकनीकी सहयोग के बीच करोड़ों मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करना, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, एक असाधारण कार्य है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर खुद को दबावों से ऊपर उठकर न्यायप्रिय संस्था के रूप में सिद्ध किया है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और इस लोकतंत्र की बुनियाद जिन संस्थाओं पर टिकी है, उनमें चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण, निष्पक्ष और प्रतिष्ठित मानी जाती है। किंतु लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रमुख विपक्षी नेता श्री राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ जनप्रतिनिधि जब चुनाव आयोग जैसी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था पर वोट चोरी में शामिल होने एवं बिहार में मतदाता सूची में धांधली जैसे गंभीर, शरारत भरे, बेहूदे और गुमराह करने वाले आरोप सड़क से लेकर लोकसभा तक में लगाते हैं, तब यह केवल एक संवैधानिक संस्था पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है, यह दुर्भाग्यपूर्ण भी है और चिंताजनक भी। चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना नहीं है, बल्कि यह संस्था लोकतंत्र को पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता से चलाने की रीढ़ है। लाखों कर्मचारियों, सुरक्षा बलों और तकनीकी सहयोग के बीच करोड़ों मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करना, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, एक असाधारण कार्य है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर खुद को दबावों से ऊपर उठकर न्यायप्रिय संस्था के रूप में सिद्ध किया है।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (सर) का जबरदस्त विरोध करते हुए राहुल गांधी चुनाव आयोग एवं उनके अधिकारियों को डराने एवं धमकाने की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। राजनीति में जब हार की बौखलाहट हावी हो जाती है, तो ऐसे ही विकृत आरोपों और झूठे नैरेटिव को गढ़ा जाता है। श्री राहुल गांधी द्वारा हाल ही में चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोप इसी राजनीतिक हताशा का परिणाम प्रतीत होते हैं। वे चुनाव परिणामों या प्रक्रिया में किसी तकनीकी दोष की बजाय, सीधे आयोग की नीयत पर सवाल उठा रहे हैं, जो कि एक गंभीर लोकतांत्रिक अनाचार एवं अराजकता है। वे अपनी नाकामी का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं और वह भी भद्दे तरीके से। चूंकि उनके ऐसे पुराने आरोप ठहर नहीं रहे इसलिए वे कुंठित हो रहे हैं। वे हताशा में हद पार कर रहे हैं। उन्हें सोचना चाहिए कि वे नेता सदन हैं और उस कांग्रेस के नेता हैं, जिसने देश पर लंबे समय तक शासन भी किया और चुनाव प्रक्रिया में सुधार के कुछ कदम भी उठाए। क्या कांग्रेस के लिए यह शर्म की बात नहीं कि जिस ईवीएम का उपयोग उसके शासनकाल में शुरू हुआ, उसके पीछे उसके ही बड़े नेता पड़े हैं। हाल के वर्षों में ईवीएम के कथित दुरुपयोग के जो भी आरोप लगे, उन्हें तो सुप्रीम कोर्ट ने भी फर्जी पाया। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लगाए गए आरोप भी फर्जी ही पाए गए। राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग के खिलाफ उलटा-सीधा नहीं, उलटा ही उलटा इसलिए बोला ताकि सांसद को मिले अधिकारों के तहत उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के नितांत झूठे, बेबुनियाद, निराधार और भारतीय लोकतंत्र की छीछालेदर करने वाले आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करने के साथ यह कहकर उन्हें बेनकाब भी किया कि वे किस तरह अपने आरोपों का जवाब सुनने या अपने आरोपों की सच्चाई प्रस्तुत करने आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। आरोपों में दम होता तो वे उपस्थित होते। चुनाव आयोग ने बार-बार उन्हें बुलाया, लेकिन लगता है कि वे खुद को इस संवैधानिक संस्था से भी ऊपर समझ रहे हैं। वे गांधी परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे जो मन में आये करते रहे कि आम जनता उनके शरारत भरे आरोपों को सच मान लेगी। जनता का उनके आरोपों पर भरोसा उठ चुका है, उनके आरोपों पर ही नहीं, उन पर भरोसा नहीं रहा तभी तो चुनावों में कांग्रेस की इतनी दुर्गति हो रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में सही सका कि ऐसी हरकतों से कांग्रेस 30 साल तक विपक्ष में ही बैठती रहेगी।

वोट चोरी के आरोप लगा रहे राहुल और उनके साथी यह क्यों भूल जाते हैं कि झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव कौन जीता था? क्या यह उचित है कि जब तक चुनाव परिणाम अनुकूल हों तब तक चुनाव आयोग निष्पक्ष है, और जब हार हो जाए तो वही आयोग पक्षपाती हो जाए? क्या लोकतंत्र का सम्मान इस प्रकार के दोहरे मापदंडों से किया जा सकता है? राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे स्वयं उसी निर्वाचन प्रणाली से संसद पहुंचे हैं, जिसे अब वे झूठा और पक्षपाती बताने की कोशिश कर रहे हैं। यह जनता की समझ और चेतना का भी अपमान है। अब यह भी साफ है कि ऐसे लोग मतदाता सूचियों का सत्यापन नहीं होने देना चाहते, भले ही घुसपैठिये वोटर बने रहें, यह तो सबसे बड़ा देशद्रोह है। इस मामले में जनहित याचिकाएं सुनने को आतुर सुप्रीम कोर्ट को भी सक्रिय होना चाहिए।

यदि किसी दल या नेता को किसी प्रक्रिया पर आपत्ति है, तो उनके पास कानूनी और संवैधानिक मार्ग खुले हैं। लेकिन सार्वजनिक मंचों से इस तरह झूठी कहानियां गढ़कर जनता को भ्रमित करना, लोकतंत्र की मयार्दाओं को तार-तार करना है। चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह सत्ता या विपक्ष, दोनों से परे, केवल संविधान और जनादेश के प्रति जवाबदेह है। ऐसे में बार-बार उसे लांछित करना विपक्षी राजनीति की गिरती हुई संस्कृति का परिचायक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल और नेता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें, न कि उन्हें क्षति पहुंचाएं। यदि विपक्ष को सशक्त बनना है, तो उसे अपने विचारों की ताकत और जनसमर्थन की ऊर्जा से यह करना होगा, न कि संस्थाओं को कमजोर कर या झूठी शंकाओं का धुंआ फैलाकर। राहुल गांधी जैसे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के बीच संवेदनशीलता, सच्चाई और गंभीरता का उदाहरण प्रस्तुत करें। किंतु जब वे स्वयं राजनीतिक अपरिपक्वता, अविश्वास और तर्कहीन आलोचनाओं के वाहक बन जाते हैं, तो इससे केवल विपक्ष की साख ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पूरी संरचना प्रभावित होती है।

राहुल गांधी द्वारा यह दावा करना कि पूर्व में महाराष्ट्र एवं हाल ही में बिहार में लाखों फर्जी वोटर जुड़े हैं, यह आरोप न केवल अतिशयोक्ति और तथ्यहीनता का उदाहरण है, बल्कि इससे मतदाताओं में अनावश्यक भय और भ्रम फैलता है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह भ्रामक है और यह मतदाता सूची में प्राकृतिक अद्यतन प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें मृतकों, स्थानांतरित लोगों या दोहरावों को हटाकर सत्यापन किया जाता है। बिहार राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भी इसे नियमित कार्यवाही बताते हुए राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। यह स्पष्ट करता है कि 'वोट चोरी' का शोर एक राजनीतिक भ्रमजाल है, न कि तथ्यात्मक आपत्ति। राहुल गांधी के ऐसे बचकाने और संवेदनहीन बयानों से देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अफरातफरी और अविश्वास का माहौल बनता है। यह किसी विपक्ष की सशक्त आलोचना नहीं, बल्कि एक अराजक और गैर-जिम्मेदार राजनीतिक व्यवहार का उदाहरण है। जब विपक्ष का प्रमुख चेहरा बिना तथ्यों के गंभीर संस्थाओं पर कीचड़ उछालता है, तो न केवल देश की जनता भ्रमित होती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि धूमिल होती है।

ऐसे निराधार वक्तव्यों से लोकतंत्र मजबूत नहीं होता, बल्कि अराजकता को बढ़ावा मिलता है। इसलिए समय की मांग है कि ऐसे गुमराह करने वाले वक्तव्यों का तीव्रता से खंडन ही नहीं किया जाये बल्कि ऐसे मिथ्या एवं भ्रामक आरोप लगाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाये। अब यह आवश्यक है कि यदि राहुल गांधी या उनके सहयोगी अथवा कथित लोकतंत्र हितैषी चुनाव आयोग पर सिरे से झूठे आरोप लगाएं तो वह उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। यदि ऐसा काम राहुल संसद के बाहर करें तो उनके खिलाफ भी चुनाव आयोग को पुलिस में शिकायत करने के साथ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि कुछ लोग लोकतंत्र बचाने के नाम पर उससे ही खेल रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को उनके संवैधानिक कर्तव्यों के निर्वहन में समर्थन और सम्मान दिया जाए। लोकतंत्र का स्वास्थ्य तभी सुरक्षित रहेगा जब उसकी संस्थाएं सशक्त, सम्मानित और निष्पक्ष बनी रहें।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

शरणार्थी या घुसपैठिए

उच्चतम न्यायालय ने बड़ा बुनियादी सवाल पूछा है। सवाल तो केंद्र सरकार सहित सभी राज्य सरकारों से पूछा गया है लेकिन शायद इस सवाल पर सभी कानून प्रर्वतन एजेंसियों सहित हम सभी को विचार करना है क्योंकि मनुष्य को मनुष्य समझना ही सब भूलते जा रहे हैं। शीर्ष अदालत ने पूछा है कि पहले यह तय होना चाहिए कि रोहिंग्या शरणार्थी हैंङ्क या घुसपैठिए। बाकी मुद्दे बाद में तय कर लिए जाएंगे। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने देश में रोहिंग्याओं से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। जस्टिस सूर्यकांत ने साफ कहा कि पहला मह'वपूर्ण मुद्दा सरल है, क्या वे शरणार्थी हैं, या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिए। पीठ ने पूछा, क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित किए जाने के हकदार हैं? अगर हां, तो उन्हें कौन-सी सुरक्षा, विशेषाधिकार या अधिकार हासिल हैं? पीठ ने आगे पूछा कि दूसरा मुद्दा यह है कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं, और घुसपैठिए हैं, तो क्या उन्हें निर्वासित करने की केंद्र और राज्य सरकारों की कार्रवाई उचित थी। अगर रोहिंग्याओं को अवैध घुसपैठिया माना भी गया है, तो क्या उन्हें अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकता है या फिर उन्हें जमानत पर रिहा किया जा सकता है बशर्ते अदालत उन पर ऐसी शर्तं लगाए जिन्हें वह उचित समझे? पीठ का यह सवाल भी काबिलेगौर है कि क्या उन रोहिंग्याओं, जिन्हें हिरासत में नहीं लिया गया है और जो शरणार्थी शिविरों में हैं, को पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। मामले की गंभीरता देखते हुए पीठ ने याचिकाओं को तीन समूहों में विभाजित किया। पहला, जो रोहिंग्याओं से संबंधित हैं, दूसरा, जो रोहिंग्याओं से जुड़े.मुद्दों से संबंधित नहीं है, और तीसरा, जो पूरी तरह से अलग मामले से संबंधित है। तीनों समूहों की याचिकाओं का निर्धारण अलग-अलग किया जाएगा। सबसे गंभीर मामला यह है कि जिन रोहिंग्याओं को घुसपैठिया कह कर हिरासत में ले लिया जाता है, वे लंबे समय तक हिरासत में रहने को मजबूर होते हैं। हो क्या रहा है कि चुनावी राजनीति के तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर रोहिंग्याओं को आसान शिकार बनाया जा रहा है जबकि वे म्यांमार में जातीय हिंसा के पीड़ित्र और सहानुभूति के पात्र हैं।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है।

चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है।

परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

अंगदान : जीवन संजीवनी अभियान

कुलदीप सिंह भाटी

भारत-भूमि दानदाताओं की भूमि है। दान देने की प्रवृत्ति हमारे संस्कारों और परवरिश की अहम हिस्सा रही है। कन्या-दान, भू-दान, गो-दान, विद्या-दान और न जाने ऐसे कितने ही प्रकार के दान हमारी उदारमना संस्कृति का परिचय देते हैं। दान देने के हमारी आदि संस्कृति में कई उदाहरण मिलते हैं। राजा बलि ने वामन के तीन पग भूमि मांगने के बदले अपना समस्त राज्य दान कर दिया। दान के विषय में भौतिक-दान से भी ऊपर राजा शिवि, महाभारत में कर्ण, महर्षि दधीचि के भी उदाहरण मिलते हैं, जिन्होंने अपनी दानशीलता का परिचय देते हुए दान की महिमा को नये शिखर पर प्रतिष्ठापित किया था। कहने का अभिप्राय यह है कि दानशीलता हमारा आध्यात्मिक ही नहीं, नैतिक व मूल्यगत संस्कार है।

चिकित्सा विज्ञान में सुखी, स्वस्थ व दीर्घजीवी मानव-जीवन के लिए निरंतर शोध व अन्वेषण की प्रक्रियाएं चलती रहती हैं। इन्हीं शोधों और अन्वेषणों का परिणाम है-मानव जीवन में अंग प्रत्यारोपण की अभूतपूर्व उपलब्धि की सफल प्राप्ति। आज मानव जीवन में कुछ विशेष अंगों जैसे हृदय, लीवर, किडनी आदि के खराब होने पर उपलब्धता अनुसार अंग-प्रत्यारोपित कर जीवन बचाने का महत्त्वपूर्ण कार्य संभव हो पाया है।

हालांकि भारत अंगदान के मामले में विश्व में तीसरा बड़ा देश और कार्निया प्रत्यारोपण के मामले में दूसरा बड़ा देश है किंतु यह तथ्य केवल सुनने और लिखने में अच्छा लग सकता है। हकीकत में स्थिति ऐसी नहीं है कि हम उस पर फख्र कर सकें। अंगदान के मामले में भारत से कम जनसंख्या वाले देश स्पेन, क्रोएशिया और अमेरिका का प्रतिशत बहुत शानदार है। स्पेन, क्रोएशिया और अमेरिका ने प्रति दस लाख की आबादी पर क्रमशः 36, 35 और 27 अंगदाता की उच्च दर प्राप्त कर रखी है। इसके विपरीत भारत में यह दर एक से भी कम 0.60 अंगदाता प्रति दस लाख के न्यूनतम स्तर पर है, जो पिछले एक दशक से लगभग इसी स्तर पर बनी हुई है। भारत में अंगदान की लंबी व अनवरत बढ़ती जा रही प्रतीक्षा-सूची स्वस्थ व समावेशी जीवन के लिए बड़ी चुनौती है। अंगदान संवेदनशील विषय है। सामाजिक चिंता का विषय होने के बावजूद इस में व्यक्तिनिष्ठा ज्यादा हावी है। इसी कारण भारत में आवश्यकता होते हुए भी अंगदान को कानूनन अनिवार्य नहीं किया जा सकता। इसी बाध्यता और व्यापक जन-विरोध से बचते हुए जनता के सेंटीमेंट को देखते हुए अंगदान के प्रति जनव्यापी जागरण और चेतना अभियान ही एकमात्र विकल्प हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत में प्रति वर्ष ३ अगस्त को राष्ट्रीय अंगदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। 2010 में शुरू हुआ यह दिवस इस वर्ष मनाया जाने वाला 15वां राष्ट्रीय अंगदान दिवस है। इस वर्ष का विषय 'अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान' रखा गया है। अंगदान के प्रति जनजागृति और अंगदान कर चुके लोगों के प्रति कृतज्ञता के रूप में इसी दिन को चुनने के पीछे 3 अगस्त, 1994 की स्मृति को बनाए रखना भी है। उल्लेखनीय है कि इसी दिन एक मृतक दाता के कारण भारत में पहला सफल श्दय प्रत्यारोपण हुआ था। भारत के लिए यह दिन और विशेष बन जाता है क्योंकि इसके दस दिन बाद यानी 13 अगस्त को ही पूरे विश्व में भी विश्व अंगदान दिवस मनाया जाता है। अतः राष्ट्रीय अंगदान दिवस की तैयारियों को और व्यापक परिदृश्य से लिया जाना चाहिए।

भारत में अंगदान के प्रति लोगों में जागरूकता की बेहद कमी है। आज भी ग्रामीण व पिछड़े तबके के लोग सामान्य मृत्यु और ब्रेन डेड के अंतर को नहीं समझ पाते। इस आधारभूत अंतर को समझाए बिना इसके अगले कदम अंगदान के लिए समाज या परिवार की स्वीकृति और सहमति पाना और समझाइश करना कठिन है। भारत के लोग धार्मिक होने से पारलौकिक जीवन में विशेष आस्था रखते हैं। इसी कारण मृत्यु के बिना और उसके बाद देह से अंगों को काटना, विछिन्न करना या भंग करना उन्हें प्रकृति के विरुद्ध लगता है। देश भर में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए ही भारत सरकार ने राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम लागू किया है। गैर-कानूनी रूप से अंगों की खरीद-फरोख्त, गलत प्रवृत्तियों और अंगदान संबंधी अपराधों को रोकने के लिए भारत सरकार ने कानूनी प्रावधान भी किए हैं। मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 इसी का परिणाम है।

दुनिया को डुबाने में लगे ट्रंप पर भारी पड़ेगा टैरिफ वार

डॉ. हिदायत अहमद खान

किसी भी सेवक के लिए अपना राष्ट्र सर्वोपरी और सर्वप्रथम होना ही चाहिए। इसमें किसी को कोई आपत्ति भी नहीं होगी, लेकिन इसके नाम पर अन्य देशों को हीन और तुच्छ समझा जाना, उन्हें नीचा दिखाना उचित नहीं ठहराया जा सकता है। वहीं खुद लाभ कमाना और दूसरे को घाटे में डालना, ऐसी व्यापार-नीति अच्छी नहीं मानी जा सकती है। इसका दूरगामी परिणाम स्वयं के लिए भी घातक साबित होगा। कुछ ऐसा ही काम इन दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फैसलों और बयानों के जरिए करते देखे जा रहे हैं। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी चिर-परिचित शैली में भारत सहित दुनियां के अनेक देशों पर 25 फीसद टैरिफ और रूस से व्यापार करने पर सख्त आर्थिक दंड लगाने की जो घोषणा की है, उससे एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल मच गई है। यह भी सही है कि ट्रंप अपने बयानों पर कायम नहीं रह पाते हैं, ऐसे में भरोसा भी नहीं होता कि वो कब क्या कहेंगे और कब क्या लागू करेंगे। इसलिए टैरिफ लगाने का यह फैसला जितना अचानक था, उससे कहीं अधिक राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को अस्थिर करने वाला भी साबित हो सकता है। खासकर तब जबकि दुनिया एक ओर मंदी के खतरे से जूझती नजर आ रही हो और दूसरी ओर अमेरिका खुद उच्च मुद्रास्फीति और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा हो। इसे लेकर कनाडाई कारोबारी और टेस्टबेड के चेयरमैन किर्क लुबिमोव ने ट्रंप नीति की तीखी आलोचना भी की है। उनका मानना है कि भारत को टैरिफ और जुमार्ने के जरिए निशाना बनाना अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकताओं के खिलाफ जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है, कि भारत आज सिर्फ एक तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि यह अमेरिका के लिए चीन के दबदबे को संतुलित करने की दिशा में एक संभावित साझेदार भी है। लुबिमोव की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जबकि भारत वैश्विक सप्लाई चेन में चीन के विकल्प के तौर पर तेजी से उभर रहा है।

यह तो सभी जानते हैं कि चीन ने जिस तरीके से वैश्विक बाजार में अपनी पैठ बनाई है, उससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को खासा नुक्सान पहुंचा है। चीन एवं अन्य ताकतवर देशों से आर्थिक तौर पर निपटने की बजाय ट्रंप ने टैरिफ नीति लांच कर बतला दिया कि उन्हें इससे उबरना नहीं आ रहा है। इसलिए कमजोर को और कमजोर बनाने और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को कुचलने जैसे फैसले ले लिए गए हैं। वैसे अमेरिका के इस कदम से दुनियां में व्यापारनीति को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया जाने लगा है। नतीजे में डॉलर की जगह अन्य मुद्रा को मजबूत करने जैसी बातें भी होने लग गई हैं। ब्रिक्स ने इसकी शुरूआत भी कर दी है, जिसे लेकर ट्रंप भी चिंतित हैं, लेकिन चिंता का समाधान वो अपने सहयोगी देशों की पीठों पर कोड़े चलाकर निकालने का दुस्साहस कर रहे हैं। इससे यदि यह समझा जा रहा है कि अमेरिका अपने अंदरुनी संकट से उबर जाएगा तो यह सिरे से ही गलत है, क्योंकि समाधान वैश्विक स्तर पर ही संभव है। इसलिए टैरिफ वार रोक कर नए रास्ते खोजने होंगे। यह भी सोचने वाली बात है कि वैश्विक बाजार खत्म नहीं हो रहा है, बल्कि उसका उपयोग कौन कैसे करे इस पर विचार किया जाना चाहिए। बदलती रणनीति और वैश्विक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत वर्तमान में रुस से कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन चुका है। देखने वाली बात है कि यूक्रेन युद्ध से पहले यह आयात नगण्य समान था, लेकिन अब यह भारत के कुल तेल आयात का 35 फीसद से अधिक हो गया है। ऐसे में अमेरिका की यह कोशिश कि भारत रूसी तेल से दूरी बनाए, न सिर्फ अव्यावहारिक है बल्कि संप्रभुता पर भी हस्तक्षेप करने जैसा है। इसके अलावा, एक तरफ तो ट्रंप भारत को अच्छा मित्र बताते हैं वहीं दूसरी तरफ वो डेड इकोनॉमी जैसा अपमानजनक टैग भी भारत को ही दे देते हैं। ये तो वो भी जानते हैं कि जो वो कह रहे हैं वो सिर्फ नारा है जो तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यूं कहा जाए कि यह भारत-अमेरिका संबंधों में खटास बढ़ाने जैसा है, तो गलत नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान के तुरंत बाद ही भारत सरकार की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में स्पष्ट किया कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। इसी के साथ उन्होंने यह भी बतलाया कि भारत वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 16 फीसद तक का योगदान दे रहा है और यह ह्लडेड इकोनॉमीह्व नहीं बल्कि ह्लग्रोथ इंजनह्व है। भारत के डिजिटल, वित्तीय और औद्योगिक सुधारों ने इसे वैश्विक निवेश का एक प्रमुख गंतव्य बना दिया है।

यहां विचारणी यह भी है कि अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप ने सबसे पहले अपने ही पड़ोसी मुल्कों को डराने और धमकाने का काम किया था, जिसे लेकर उन्हें उसी भाषा में जवाब भी मिला। इसके बाद उनकी नीतियां बदल गईं, लेकिन सुर वही रहे, उन्होंने कार्रवाई तो नहीं की लेकिन व्यंग्य करना नहीं छोड़ा। इसलिए ट्रंप ने यह पहली दफा किया हो ऐसा नहीं है, इससे पहले भी टैरिफ और व्यापार युद्धों के जरिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की कोशिश वो खूब कर चुके हैं। फिर चाहे वह चीन हो, यूरोपीय संघ हो या मेक्सिको। लेकिन इन प्रयासों का नतीजा अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई के रूप में देखने को मिलता रहा है। अमेरिकी विश्लेषकों ने भी पाया कि टैरिफ युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान अमेरिका की खुद की अर्थव्यवस्था को होता है, क्योंकि इससे आयात महंगा होता है, रोजगार पर असर पड़ता है और वैश्विक बाजारों में अमेरिकी उत्पादों की प्रतिस्पर्धा घटती है। कीमतों के बढ़ने के साथ ही वस्तु की मांग घट जाती है और इसका वैश्विक बाजार पर खासा असर होता है। इससे आखिर अमेरिका अछूता कैसे रह सकता है। कुल मिलाकर यह टैरिफ वार ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति का हिस्सा तो कतई नहीं हो सकता है, क्योंकि इससे लाभ की जगह नुक्सान ज्यादा होने वाला है। वैसे भी दुनियां जब एक गांव में तब्दील हो चुकी हो तब ऐसे वैश्विक साझेदारी के युग में पुराने जमाने की नीति कैसे सफल हो सकती है? भारत जैसे महान लोकतांत्रिक, विशाल और उभरते बाजार को आंख दिखाना अमेरिका के लिए दीर्घकालिक कूटनीतिक और आर्थिक आत्मघात जैसा हो सकता है। इस नीति से भले ही ट्रंप ने चुनावी जनसमर्थन हासिल कर लिया हो, लेकिन यह अमेरिका को विश्व मंच पर एक गैर-विश्वसनीय और एकपक्षीय शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। दूसरी ओर भारत, अपनी आर्थिक प्रगति और वैश्विक संबंधों के प्रति संतुलित दृष्टिकोण के जरिए एक स्थिर और जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। अंततः ट्रंप को समझना होगा कि मौजदू सदी में दुनियां भू-राजनीति टैरिफ और धमकियों से नहीं, बल्कि आापसी साझेदारी और समझ से संचालित होती है, वर्ना यह टैरिफ वार उन्हीं पर भारी पड़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

चीन में जापानी महिला पर हमला, टोक्यो में दो चीनी नागरिक घायल

सूझोउ, एजेंसी। चीन के सूझोउ शहर में गुरुवार देर रात एक जापानी महिला पर एक व्यक्ति ने पत्थर जैसी वस्तु से हमला कर दिया। महिला को हल्की चोटें आईं, जबकि उसका बच्चा सुरक्षित है। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जापानी मीडिया के मुताबिक, घटना सबवे स्टेशन में हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी दिन जापान की राजधानी टोक्यो में दो चीनी नागरिकों पर भी हमला हुआ, जिनमें दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। चार हमलावर मौके से फरार हो गए और अब तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। इस घटना के बाद दोनों देशों में विदेशियों के प्रति बढ़ती नफरत को लेकर चिंता जताई जा रही है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह तीसरी बार है जब चीन में जापानी नागरिकों पर हमला हुआ है। सितंबर 2023 में चीन के शेन्ज़ेन में एक 10 साल के जापानी बच्चे की हत्या कर दी गई थी। जून 2024 में सूझोउ में ही एक जापानी महिला और उसके बच्चे पर हमला हुआ था, जिसमें उन्हें बचाने की कोशिश करने वाले एक चीनी बस अटेंडेंट की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में पोलियो का नया मामला, कुल संख्या 18 हुई; बच्चों को खतरा बरकरार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो वायरस का एक नया मामला सामने आया है, जिससे इस साल देश में कुल मामलों की संख्या 18 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के पोलियो उन्मूलन क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने शुक्रवार को इस नए मामले की पुष्टि की। यह मामला टैंक ज़िले की मोलाज़ई यूनियन काउंसिल में 10 महीने के एक बच्चे में पाया गया है। अकेले खैबर पख्तूनख्वा में अब तक 11 पोलियो के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, सिंध में 5, पंजाब और गिलगित-बाल्टिस्तान में एक-एक मामला दर्ज हुआ है। एनआईएच के अनुसार, वायरस की लगातार मौजूदगी यह दर्शाती है कि पोलियो के खतरे पर पूरी तरह काबू नहीं पाया गया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां टीकाकरण को लेकर झिझक बरकरार है।21 से 27 जुलाई तक अफगान सीमा से लगे इलाकों और बलूचिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया था, ताकि अफगानिस्तान के साथ समन्वित प्रयास किए जा सकें।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाही से छेड़छाड़ और रिश्वत मामले में 12 साल की नजरबंदी की सजा

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में 12 साल की नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) की सजा सुनाई गई है। यह फैसला शुक्रवार को आया और इसे देश के इतिहास का एक अहम कानूनी मुकदमा माना जा रहा है, जिसने इस दक्षिण अमेरिकी नेता की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। उरीबे को सोमवार को दोषी ठहराया गया था और उन्हें 12 साल तक जेल की सजा हो सकती थी, लेकिन अदालत ने उन्हें घर में नजरबंद रखने का आदेश दिया। यह मामला 1990 के दशक में अर्धसैनिक (पैरामिलिट्री) समूहों से कथित संबंधों को लेकर शुरू हुआ, जहां आरोप है कि उरीबे ने उन गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की जो उनके खिलाफ बयान दे रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को निर्दोष बताया है और इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश कहा है। उन्होंने फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने की बात कही है। सजा सुनाए जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि संकट के समय हमें समस्या से ज़्यादा उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उरीबे ने 2002 से 2010 तक अमेरिका के मजबूत समर्थन के साथ कोलंबिया पर शासन किया। वे आज भी देश में एक विवादित व्यक्तित्व हैं—कुछ लोग उन्हें देश को अराजकता से बचाने वाला मानते हैं, तो कुछ उन्हें मानवाधिकार हनन और अर्धसैनिक हिंसा से जोड़ते हैं।

अल-सल्वाडोर में राष्ट्रपति कार्यकाल 6 साल तक बढ़ा

सान साल्वाडोर, एजेंसी। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले की पार्टी ने देश की संसद में सांविधानिक बदलावों को मंजूरी दे दी है। इनके तहत राष्ट्रपति पद के लिए बेमुद्दत पुनर्निर्वाचन व पद कार्यकाल छह साल तक बढ़ जाएगा। न्यू आइडियाज पार्टी की सांसद एना फिगेरोआ ने संविधान के 5 अनुच्छेदों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। मतदान 57 मतों के पक्ष में और तीन मतों के विरोध में पारित हुआ।

पाकिस्तान में 40 डाकुओं का चौकी पर हमला, 5 मौतें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक पुलिस चौकी पर भारी हथियारों से लैस दर्जनों डाकुओं के हमले में विशिष्ट बल के पांच पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस महानिरीक्षक उस्मान अनवर ने कहा, रॉकेट लॉन्चर और ग्रेनेड से लैस लगभग 40 डाकुओं ने बृहस्पतिवार की रात रहीम यार खान स्थित शेखानी पुलिस चौकी पर हमला किया। पंजाब पुलिस विशिष्ट बल के मारे गए 5 पुलिस अधिकारियों में तीन बहावलनगर के व दो अन्य रहीम यार खान के थे। जवाबी गोलीबारी में एक डाकू भी मारा गया।

यहूदियों को सता रहा दुनिया के बायकॉट का डर, सर्वे में इजरायली बोले- विदेश नहीं जा पाएंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल में हाल ही में हुए एक सर्वे ने देश के नागरिकों के बीच बढ़ती चिंता को उजागर किया है। इजरायल के चैनल 12 द्वारा प्रकाशित इस सर्वे के अनुसार, 56प्रतिशत इजरायली नागरिकों को डर है कि गाजा युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नकारात्मक प्रतिक्रिया और आलोचना के चलते वे विदेश यात्रा करने में असमर्थ हो सकते हैं। यह सर्वेक्षण इजरायल-हमास युद्ध और क्षेत्रीय तनावों के बीच वैश्विक स्तर पर इजरायल की छवि पर पड़ रहे असर को दर्शाता है।

सर्वे में क्या है खास : 56प्रतिशत इजरायलियों की चिंताः सर्वे में शामिल 56त्र लोगों ने कहा कि वे वैश्विक आलोचना के कारण विदेश यात्रा करने से डर रहे हैं। उन्हें लगता है कि कई देशों में इजरायल के प्रति बढ़ता विरोध उनकी यात्रा योजनाओं को प्रभावित कर सकता है। 40प्रतिशतदूसरी ओर, 40प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई चिंता नहीं है और वे अंतरराष्ट्रीय आलोचना को अपनी यात्रा योजनाओं पर हावी नहीं होने देंगे।

बायकॉट का डरः इजरायल के खिलाफ कुछ देशों और संगठनों द्वारा शुरू किए गए बायकॉट, डिवेस्टमेंट, और सैंक्शन्स आंदोलन ने भी इस डर को बढ़ावा दिया है। कई इजरायलियों को लगता है कि यह आंदोलन उनकी वैश्विक यात्राओं को सीमित कर सकता है।

क्या है पूरा मामला : गाजा में चल रहे युद्ध और इजरायल के सैन्य अभियानों ने वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में तत्काल युद्धविराम के पक्ष में कई देशों ने मतदान किया, जबकि भारत जैसे कुछ देशों ने वोटिंग से दूरी बनाए रखी। इसके अलावा, ईरान और सीरिया पर इजरायली हमलों की निंदा भी कई देशों ने की है। इन घटनाओं ने इजरायल की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित किया है, जिसका असर आम इजरायलियों की मानसिकता पर भी पड़ रहा है। कुछ इजरायलियों को डर है कि वैश्विक आलोचना के कारण कुछ देश उनके नागरिकों के लिए वीजा नियमों को कड़ा कर सकते हैं या उन्हें प्रवेश से मना कर सकते हैं। क्ष्ठस् आंदोलन के तहत इजरायली उत्पादों और सेवाओं के बहिष्कार ने भी चिंता बढ़ाई है। कुछ इजरायलियों को लगता है कि यह उनकी अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर दीर्घकालिक असर डाल सकता है। सर्वे से पता चलता है कि इजरायली नागरिक न केवल भौतिक प्रतिबंधों से डर रहे हैं, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी पहचान और स्वीकार्यता को लेकर भी चिंतित हैं।
तेल अवीव में जंग रोकने के लिए प्रदर्शन गुरुवार रात को तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर में लगभग 1,000 लोग जमा हुए और गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने की मांग की। इजरायली-फलस्तीन शांति समर्थकों और मानवाधिकार संगठनों की एक संयुक्त पहल द्वारा आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैनिकों से गाजा में सेवा करने से इंकार करने का आह्वान किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल की वेस्ट बैंक में कार्रवाइयों और हाल ही में एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता की हत्या के लिए जिम्मेदार शख्स की रिहाई की भी निंदा की। प्रदर्शन में शामिल एक अभिनेता, योसी जबारी ने इजरायल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया और कहा, यह शब्द हमें उस कृत्य से ज्यादा डराता है। दो पूर्व वायुसेना पायलटों, मेजर (रिजर्व) हगई तामिर और लेफ्टिनेंट कर्नल (रिजर्व) डेविड यिसरायली ने वर्तमान पायलटों से अपील की कि वे युद्ध अपराधों में शामिल होने से इनकार करें। उन्होंने कहा, युद्ध अपराध करने से मना करें। अपने कर्मों के नतीजों को नजरअंदाज न करें। यह प्रदर्शन इजरायल में बढ़ते असंतोष को दर्शाता है, जहां कई लोग सरकार की नीतियों और युद्ध को लंबा खींचने के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने गाजा में भुखमरी और मानवीय संकट के लिए इजरायल की नाकेबंदी को जिम्मेदार ठहराया।

एक्स पर बच्चों के शोषण की वीडियो को लेकर फंसे मस्क, अदालत ने कहा- कानून का सामना करना पड़ेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने बाल शोषण के मामले में एलन मस्क की कंपनी एक्स के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है। इससे मस्क की परेशानी बढ़ सकती है। हालांकि अदालत ने माना कि एक्स इस मामले में व्यापक छूट की हकदार है लेकिन अदालत ने ये भी कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बच्चों की आपत्तिजनक वीडियो को हटाने में लापरवाही बरती।

मस्क के एक्स खरीदने से पहले का मामला : सैन फ्रांसिस्को स्थित 9वीं अमेरिकी सर्किट अपीलीय अदालत ने कहा कि एक्स जो पहले ट्विटर था, पर यह आरोप है कि उसने दो नाबालिग लड़कों की अश्लील तस्वीरों वाले वीडियो की तुरंत नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रनको रिपोर्ट नहीं दी और इस मामले में लापरवाही बरती। यह मामला एलन मस्क द्वारा 2022 में ट्विटर की खरीदने से पहले का है। एक ट्रायल जज ने दिसंबर 2023 में इस मामले को खारिज कर दिया था। हालांकि अब अपीलीय अदालत ने मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है।

क्या है पूरा मामला : एक वादी ने बताया कि वह जब 13 साल का था, तब उसे और उसके एक दोस्त को स्नैपचैट पर बहकाया गया और उन्होंने अपनी नग्न तस्वीरें किसी ऐसे व्यक्ति को उपलब्ध कराईं जो बाल यौन शोषण का तस्कर था। दोनों ने उस तस्कर को सोशल मीडिया पर अपने स्कूल की 16 साल की लड़की समझा था। आरोपी ने नाबालिगों की नग्न तस्वीरों के आधार पर दोनों को ब्लैकमेल किया और दोनों पीड़ितों से और तस्वीरें मांगी। बाद में आरोपी ने उन तस्वीरों के संकलन को एक वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, एक्स ने सामग्री के बारे में जानने के बावजूद उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाने में नौ दिन का समय ले लिया और इस दौरान 1,67,000 बार से ज्यादा इन वीडियो को देखा गया। सर्किट जज डेनिएल फॉरेस्ट ने कहा कि संघीय संचार शालीनता अधिनियम की धारा 230, जो ऑनलाइन प्लेटफार्म को उपयोगकर्ता सामग्री के संबंध में उत्तरदायित्व से बचाती है।

फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर देंगी इस्तीफा, ट्रंप को मिलेगा नया नियुक्ति का मौका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह आठ अगस्त को अपने पद से इस्तीफा देंगी। इस फैसले से फेड की ताकतवर बोर्ड में एक सीट खाली होगी, जिसे अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भर सकेंगे। कुगलर को सितंबर 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था। वह फेड की पहली हिस्पैनिक महिला गवर्नर थीं।

इस्तीफे के पीछे उन्होंने कोई कारण नहीं बताया, लेकिन उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा कि उन्होंने इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और डेटा-आधारित दृष्टिकोण के साथ निभाया। बता दें कि कुगलर ने अपनी आखिरी सार्वजनिक टिप्पणी में फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उस रुख का समर्थन किया था कि मौजूदा ब्याज दरें फिलहाल स्थिर रखी जाएं, ताकि ट्रंप की व्यापारिक नीतियों का असर समझा जा सके। बीते कई दिनों से फेड के प्रमुख जेरोम पॉवेल और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव की कई सारी खबरें सामने आती रही है। हाल ही की बात करें तो ट्रंप ने शुक्रवार को ही पॉवेल को जिद्दी मूर्ख बताते हुए ब्याज दरों में तुरंत कटौती की मांग की। उन्होंने फेड पर बार-बार दबाव बनाया है कि वह उनकी नीतियों के अनुसार काम करे।

पुतिन ने खारिज की जेलेंस्की की रूस में सत्ता परिवर्तन की अपील, कहा- उनकी कुर्सी खतरे में

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग थम नहीं रही है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मॉस्को में सत्ता परिवर्तन की अपील को खारिज कर दिया। पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की की खुद की कुर्सी खतरे में है। उनके पास सांविधानिक वैधता का अभाव है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समर्थक रूसी सरकार को हटाने में मदद करें। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा संघर्ष में युद्धविराम होने पर भी मॉस्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करेगा।

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ लेक लाडोगा क्षेत्र में वालम मठ का दौरा किया। इस दौरान जेलेंस्की की अपील पर पलटवार करते हुए हुए पुतिन ने कहा कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था रूसी संघ के संविधान पर आधारित है और हमारी सरकार मूल कानून के पूर्ण अनुपालन में बनी है। हालांकि यूक्रेन के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता।

पिछले साल खत्म हो चुका है जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 में निर्वाचित यूक्रेनी राष्टपति जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो चुका है। इसके बाद भी वे पद पर बने हुए हैं। युद्ध के दौरान चुनावों को स्थगित करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ प्रावधान का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने कहा था कि यूक्रेनी संविधान के अनुसार अगर कोई

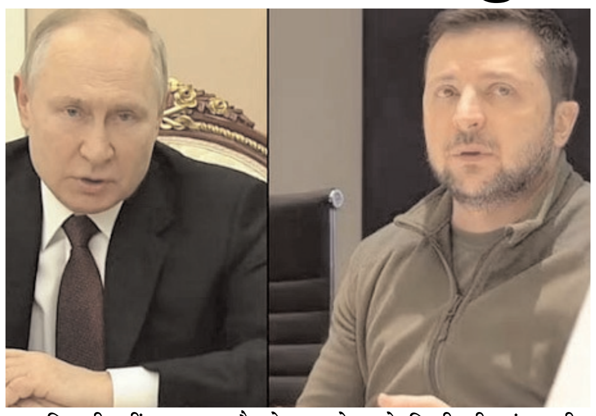

उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता है, तो राष्ट्रपति की शक्ति संसद के अध्यक्ष को हस्तांतरित की जानी चाहिए। हालांकि यह यूक्रेन का आंतरिक मामला बताया है, लेकिन रूस के साथ संभावित शांति समझौते सहित उनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते की कानूनी वैधता नहीं है। रूसी अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि ऐसे समझौतों को बाद में संवैधानिक आधार पर चुनौती दी जा सकती है। वहीं हाल के सर्वे से पता चला है कि जेलेंस्की प्रतिस्पर्धी चुनाव में हार सकते हैं और सेवानिवृत्त जनरल वालेरी जालुज्नी एक प्रमुख विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कही थी ये बात यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मास्को में शासन परिवर्तन का समर्थन करने का आह्वान किया था। हेलसिंकी समझौते की 50वीं वर्षगांठ पर जेलेंस्की ने कहा था कि मेरा मानना है कि रूस पर इस युद्ध को रोकने के लिए दबाव डाला जा सकता है, लेकिन अगर दुनिया रूस में सत्ता परिवर्तन का इरादा नहीं रखती है, तो इसका मतलब है कि युद्ध समाप्त होने के बाद भी मास्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करता रहेगा। उन्होंने रूस पर कड़े वित्तीय प्रतिबंध लगाने पर भी जोर दिया।

अमेरिका में बेरोजगारी का आंकड़ा ज्यादा बताया तो डोनाल्ड ट्रंप ने अफसर को ही हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को श्रम सांख्यिकी ब्यूरो (बीएलएस) की आयुक्त एरिका मैकएंटार्फर को बर्खास्त करने का आदेश दिया। यह कार्रवाई जुलाई महीने की रोजगार रिपोर्ट आने के बाद की गई। इस रिपोर्ट में नौकरियों में वृद्धि धीमी होने और मई-जून के आंकड़ों में भारी कमी की जानकारी सामने आई। ट्रंप ने बिना सबूत के दावा किया कि ये आंकड़े राजनीतिक कारणों से हेरफेर किए गए थे।

शुक्रवार को जारी बीएलएस की मासिक रोजगार रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई में केवल 73,000 नई नौकरियां पैदा हुईं, जो कि बाजार की अपेक्षाओं से काफी कम थी। इसके अलावा, मई में नौकरियों की संख्या को पहले के 125,000 से संशोधित कर 19,000 और जून में 147,000 से 14,000 कर दिया गया। इस संशोधन के बाद मई और जून में कुल 258,000 कम नौकरियां पैदा होने की बात सामने आई। बेरोजगारी दर भी 4.1त्र से बढ़कर 4.2त्र हो गई, हालांकि यह अभी भी अपेक्षाकृत कम

मानी जाती है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए मैकएंटार्फर पर आंकड़ों में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी टीम को इस बाइडन द्वारा नियुक्त राजनीतिक व्यक्ति को तत्काल बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उनकी जगह अधिक सक्षम और योग्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया, आज के रोजगार आंकड़े रिपब्लिकन और मुझे खराब दिखाने के लिए हेरफेर किए गए थे। मैकएंटार्फर को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2023 में नामित किया था, और वे जनवरी 2024 से बीएलएस की आयुक्त थीं। सीनेट ने 86-8 के मत से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की थी, जिसमें मौजूदा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी उनके पक्ष में वोट दिया था। बीएलएस में आयुक्त ही एकमात्र राजनीतिक नियुक्ति होती है, जबकि बाकी सैकड़ों कर्मचारी कैरियर सिविल सेवक होते हैं। आयुक्त का कार्यकाल आमतौर पर चार साल का होता है, लेकिन राजनीतिक नियुक्ति होने के कारण उन्हें हटाया जा सकता है।

ट्रंप के इस कदम की अर्थशास्त्रियों और पूर्व अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। बीएलएस के समर्थन में बने एक समूह, फ्रेंड्स ऑफ बीएलएस ने बयान जारी कर कहा, मैकएंटार्फर को हटाने का यह तर्क निराधार है और यह केंद्रीय आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता को कमजोर करता है, जो व्यवसायों, परिवारों और नीति निर्माताओं के लिए बुद्धिमान आर्थिक निर्णयों का आधार हैं।

रूस के पास 2 एटमी पनडुब्बियां तैनात करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिए। साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पनडुब्बियां कहां तैनात की जाएंगी। ट्रम्प ने अपने इस कदम के पीछे रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी को जिम्मेदार बताया। साथ ही ट्रम्प ने मेदवेदेव के परमाणु हमले की धमकी पर कहा कि- अमेरिका रूस के परमाणु खतरों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, मेदवेदेव ने एक्स पर कहा था- हम इजराइल या ईरान नहीं हैं। ट्रम्प की ओर से दिया गया हर नया अल्टीमेटम युद्ध की धमकी माना जाएगा। उन्होंने ट्रम्प को याद दिलाते हुए कहा था- रूस के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हमले डेड हैंड की क्षमता है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सिक्योरिटी काउंसिल के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी की वजह से मैंने रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है, ताकि भड़काऊ बयान सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहे। शब्द बहुत कीमती होते हैं और कई बार अनजाने में गंभीर परिणाम भुगतने

पड़ सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा मामला नहीं होगा। ट्रम्प ने बताया डेड इकोनॉमी तो रूस ने डेड हैंड की याद दिलाई ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25त्र टैरिफ लगाने के बाद भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। उन्होंने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके जवाब में रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति घबरा गए हैं। मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर लिखा था- ट्रम्प को डेड हैंड की खतरनाक ताकत याद रखनी चाहिए, भले ही यह अब मौजूद नहीं है। अगर रूस के पूर्व राष्ट्रपति के कुछ शब्दों से अमेरिका के शक्तिशाली राष्ट्रपति इतना घबरा जाते हैं तो रूस का रास्ता बिल्कुल सही है। हम अपने रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे।

एनसीपी नेता का अंतरिम सरकार पर हमला, कहा- कानून व्यवस्था कायम नहीं कर सके मोहम्मद यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की नई राजनीतिक पार्टी ने अंतरिम सरकार पर हमला बोला है। नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस की सरकार पिछले एक साल में कानून व्यवस्था कायम करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल को लेकर भी बात की। साथ ही भारत के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए कहा।

नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि पिछले एक साल में सरकार की एक नाकामी यह है कि वे कानून प्रवर्तन ढांचे को फिर से स्थापित करने के लिए कानूनी बल को नियंत्रित या स्थापित नहीं कर पाए। जुलाई के विद्रोह के दौरान पुलिस, विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने ही आम लोगों पर, छात्रों पर, हत्याओं को लेकर सामूहिक नरसंहार में हिस्सा लिया था। इसलिए अंतरिम सरकार की प्राथमिकता पुलिस, आरएबी, डीबी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी बलों को फिर से स्थापित करना होना चाहिए। वे ऐसा नहीं कर पाए। मैं कह सकती हूं कि यह इस सरकार की दुर्भाग्यपूर्ण नाकामियों में से एक है। इस भीड़तंत्र में आपने जो भी कहा वही हुआ। एक ही मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। ये मुकदमे फर्जी हैं। फर्जी मुकदमे और फर्जी आरोप। इसलिए ये सही बात नहीं है।

उन्होंने कहा कि जुलाई विद्रोह को एक साल हो गया है। हमें निरंकुश फासीवादी शेख हसीना से छुटकारा मिल गया है। लगभग 15 साल तक निरंकुशता कायम रही। इसलिए सारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां, नौकरशाही, पूरा प्रशासन फासीवादी शासन के अधीन था। हम

रातोंरात निरंकुशता से लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकते। लेकिन एक साल बाद हम हर चीज पर बात कर सकते हैं। हम अपनी अंतरिम सरकार से उनके द्वारा उठाए जा रहे कदमों और लोकतांत्रिक परिवर्तन के पक्ष में जिन सुधारों पर हम चर्चा कर रहे हैं, उनके बारे में पूछ सकते हैं। हर कोई बातचीत, संवाद और सेमिनारों में भाग ले रहा है। हर कोई देश के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल हमने कोई बातचीत नहीं की। सरकार के खिलाफ बात करने का कोई मौका नहीं मिला। हमारी आवाज दबाने के लिए एक कानून था। जबरन गायबियां, न्यायेतर हत्याएं और सभी निजी बैंकों की लूट हुई। निरंकुशता का साम्राज्य था। लेकिन पिछले साल यह रुक गया और हमने फिर से शुरू कर दिया है। लोकतंत्र में तब्दील होने की प्रक्रिया धीमी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह वैसी नहीं है जैसी हमने एक साल पहले उम्मीद की थी। लेकिन यह हो रहा है। प्रगति हो रही है। चुनाव को लेकर कही ये बात नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि हमें उम्मीद है क्योंकि चुनाव की तारीख अंतरिम सरकार के कार्यकाल की शुरुआत में ही घोषित कर दी गई थी। दिसंबर से जुलाई 2026 तक का समय है। इसलिए यह संभवतः फरवरी या अप्रैल में होगा। अंतरिम सरकार के प्रेस सचिव, हमारे मुख्य सलाहकार, ने कल कहा कि चुनाव एक दिन के लिए भी स्थगित नहीं होंगे। राष्ट्रीय सहमति आयोग में सभी राजनीतिक दलों ने बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने सभी सुधार प्रस्तावों पर चर्चा की, बातचीत की और वे एक आम सहमति पर पहुंचे। हमें जुलाई चार्टर मिलने की उम्मीद है। जुलाई के बाद हमें राष्ट्रीय चुनाव की तारीख तय होने की उम्मीद है। हम मूलभूत सुधार चाहते हैं। सांविधानिक संस्था जो कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर हो। कार्यपालिका, न्यायपालिका और संसद ये तीनों स्तंभ स्वतंत्र होने चाहिए।

उच्च रक्तचाप में नियमित इन चीजों से करें बचाव

उच्च रक्तचाप एक को अगर नजरअंदाज किया जाये तो यह और भी गंभीर समस्या हो सकता है। उच्च रक्तचाप में धमनियों में रक्त का दबाव ब जाता है। दबाव के कारण धमनियों में रक्त प्रवाह सुचारू बनाए रखने के लिए दिल को अधिक काम करना पता है। वैसे तो हाई ब्लड प्रेशर के कई कारण होते हैं लेकिन इसके लिए जिम्मेदार प्रमुख कारणों में तनाव और अनहेल्दी आदतें शामिल है। इसलिए उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर इसके प्रबंधन और नियंत्रण के लिए क्या करें और क्या करने से बचें, इस बात को जानना बहुत जरूरी है।

नमक का अधिक सेवन

ब्लड प्रेशर के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है, अधिक मात्रा में नमक का सेवन। सोडियम की अधिक मात्रा शरीर में पानी भर देती है जिससे हाइ ब्लड प्रेशर होने की समस्या और पैदा हो जाती है। जो लोग पहले से ही हाइ ब्लड प्रेशर के शिकार हैं, उन्हें नमक का प्रयोग डाइट में कम करना चाहिए। अचार, नमकीन, सलाद में नमक, पकौड़ा आदि खाने से बचें।

प्रसंस्कृत आहार का सेवन

लाल मीट, चीनी युक्त मीठे पेय पदार्थ, प्रसंस्कृत आहार से भी ब्लड प्रेशर हाई होने लगता है। इसलिए इस समस्या से बचने के लिए हमें एक स्वस्थ डाइट लेनी चाहिए।

जब एक स्वस्थ और सही डाइट लेने की बात आती है तो वह डाइट फल, सब्जियों, साबुत अनाज और लो डेयरी प्रोडक्ड से भरपूर होनी चाहिए। साथ ही अपने आहार में मीट, मछली, नट्स और सेम को शामिल करें। हालांकि ऐसी डाइट लेना हर किसी के लिए संभव नहीं है लेकिन हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए इसे लिए जरूरी होता है।

तनाव में रहना

तनाव में रहने से भी आपका बीपी बढ़ने लगता है। तनाव आपकी सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन है। अक्सर लोग पहचान नहीं पाते कि उनकी शारीरिक समस्याओं का कारण तनाव ही है। इसलिए बेकार का तनाव लेना बंद करें। रोज सुबह वर्कआउट, मेडिटेशन और कुछ ऐसे काम करने में मन लगाएं जिससे आपको खुशी मिलती हो।

व्यायाम की कमी

अक्सर लोग आलस के कारण अपनी दिनचर्या में व्यायाम को शामिल नहीं करते। लेकिन जो लोग एक्सरसाइज नहीं करते हैं उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी जल्दी होती है। मोटे लोगों के दिल पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है और हार्ट ब्लॉकेज ज्यादा प्रतिशत में होता है। केवल दवाइयां खा कर कुर्सी पर बैठे रहने से हाई ब्लड प्रेशर नहीं ठीक हो सकता।

धूम्रपान की आदत

धूम्रपान करने से ब्लड प्रेशर बहुत तेजी के साथ बढ़ता है। जिससे धमनियां कठोर बन जाती हैं और वह रक्त वाहिकाओं को चोट पहुंचाती हैं। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इससे दूरी जरूर बना लें, अन्यथा आपको ये समस्या बहुत जल्दी होने का जोखिम रहेगा।

इन सब चीजों के कारण ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ने लगता है। इसलिए अगर आपको स्वस्थ और ब्लड प्रेशर को नियंत्रण में रखना है तो अपनी दिनचर्या से इन चीजों को दूर करने की कोशिश करें।

मच्छरों से हैं परेशान तो अपनाएं ये तीन घरेलू उपाए

देश का लगभग हर शहर मॉनसून के बाद से ही जल-जमाव की समस्या से जूझता दिखता है। ऐसे में सड़कों को छोड़ भी दिया जाए तो घरों की छतों पर रखें पुराने टायरों, डिब्बों और दूसरे सामानों में भरा पानी मच्छरों का ब्रीडिंग ग्राउंड बनता है। इसलिए बारिश के मौसम का मतलब मच्छर और ढेर सारी खतरनाक बीमारियां है। ये बीमारियां जानलेवा भी साबित हो सकती हैं इसलिए इनसे बचना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके घर में कॉइल, मैट या मॉस्कीटो लिक्विड नहीं है तब आप क्या करेंगे? इसलिए हम आपको बता रहे हैं मच्छरों को दूर करने के 3 कारगर घरेलू उपाए, जो तुरंत आपकी समस्या हल करेंगे।

पहला उपाए

सिर्फ दो मिनट में मच्छरों को भगा देगा ये उपाए। इसके लिए आपको जरूरत पड़ेगी नीम के तेल, कपूर और तेजपत्ते की। सबसे पहले नीम के तेल में कपूर को मिलाकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें। अब इस मिश्रण को तेजपत्तों पर स्प्रे करें और तेजपत्ते को जला लें। इस धुंए से आपके घर से सभी मच्छर तुरंत भाग जाएंगे। आपको बता दें कि तेजपत्ते का धुंआ सेहत के लिए बिल्कुल हानिकारक नहीं होता है।

दूसरा उपाए

सोते समय कुछ दूरी पर कपूर में मिले नीम के तेल का दीपक जलाएं, इससे भी मच्छर आपके पास बिल्कुल नहीं भटकेंगे।

तीसरा उपाए

नारियल तेल, नीम तेल, लौंग का तेल, पिपरमिंट तेल और नीलगिरी के तेल को आपस में समान मात्रा में मिलाएं और एक बॉटल में भरकर रख लें। रात में सोते समय त्वचा पर लगाएं और निश्चिंत होकर सो जाएं। यह तरीका बाजार की क्रीम से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

रेसिपी

पालक पनीर

सामग्री

- पालक- 1 गुच्छा
- पनीर- 150 ग्राम
- बारीक कटा प्याज- 2
- बारीक कटी मिर्च- 2
- जीरा- 1/2 चम्मच
- नीबू का रस- 2 चम्मच
- बारीक कटा लहसुन- 4 कलियां
- धनिया पाउडर- 11/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
- बटर+तेल- आवश्यकतानुसार
- घी- 1 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार

विधि

पालक की पत्तियों को अच्छी तरह से धो लें। एक बर्तन में उबालने के लिए पानी रखें और उसमें चुटकी भर नमक और बेकिंग सोडा डालें। जब पानी उबलने लगे तो उसमें पालक की पत्तियों को 20 सेकेंड के लिए डालें और तुरंत निकालकर ठंडे पानी में डाल दें। पालक की पत्तियों की प्यूरी बना लें। पैन में बटर और तेल के मिश्रण को गर्म करें, अब पैन में लहसुन डालें। लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। पनीर के टुकड़ों को पैन में डालें और हल्के हाथों से मिलाएं। नीबू का रस डालकर मिलाएं। एक दूसरे पैन में घी गर्म करें और उसमें जीरा डालें। जब जीरा पकने लगे तो पैन में हरी मिर्च डालें और उसे तुरंत तैयार पालक पनीर में डाल दें। नान, परांठा या जीरा राइस के साथ सर्व करें।

कोकोनट कुकीज

सामग्री

- 1 कप मैदा
- 1/2 टीस्पून बेकिंग पाउडर
- 1/2 कप चीनी का पाउडर/पिसी हुई चीनी
- 1/2 कप मक्खन कमरे के तापमान पर रखा हुआ
- 2-3 बूंद वेनिला एसेंस
- 3/4 कप दरदरा पिसा सूखा नारियल पाउडर
- 1 टेबलस्पून दूध

विधि

कुकीज बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा कटोरे में मैदा और बेकिंग पाउडर लें। इन्हें अच्छी प्रकार छान लें। इसके बाद दूसरे कटोरे में मक्खन और चीनी पाउडर डाल लें। इश मिश्रण को तब तक फेंटे जब तक मक्खन और चीनी मुलायम न हो जाए। अब इसमें वेनिला एसेंस की 2-3 बूंदे और सूखा नारियल डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इसमें छना हुआ मैदा और बेकिंग पाउडर डालें और मिला लें। अगर मिश्रण ज्यादा सूखा लगे तो इसमें 1 टेबलस्पून दूध डाल लें। मिश्रण को अच्छे से गूंद लेंऔर आटे के गोल आकार में छोटे-छोटे गोले बना लें। इसके बाद बेकिंग ट्रे में एल्यूमिनियम का फायल लगा दें और इस पर पेड़ों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रख दें। इसके बाद ट्रे को ओवन में रख दें और बनने के बाद प्लेट में निकाल लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 1796

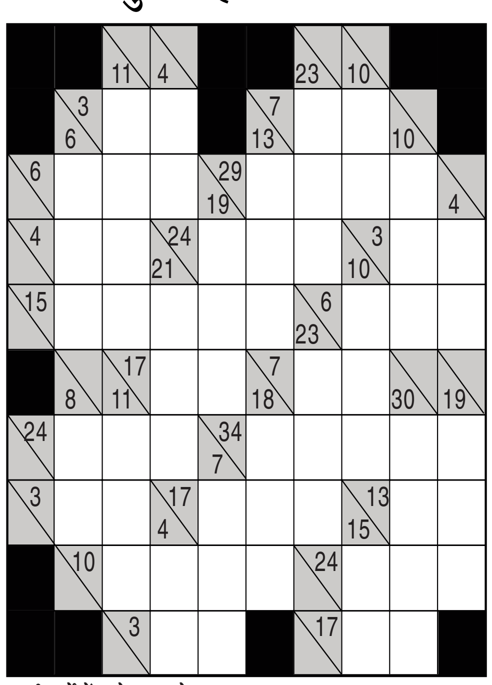

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

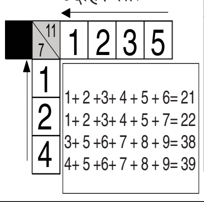

काकुरो - 1795 का हल

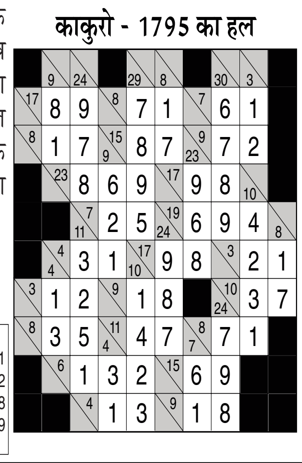

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1796

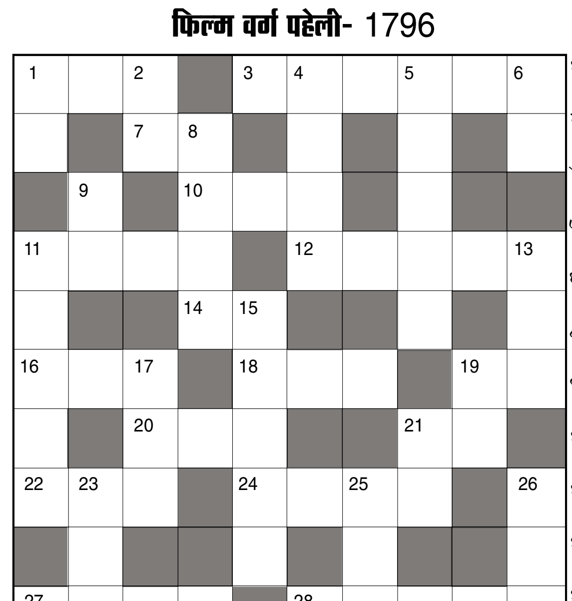

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1795

सूडोकु -1796

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1795 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 1796

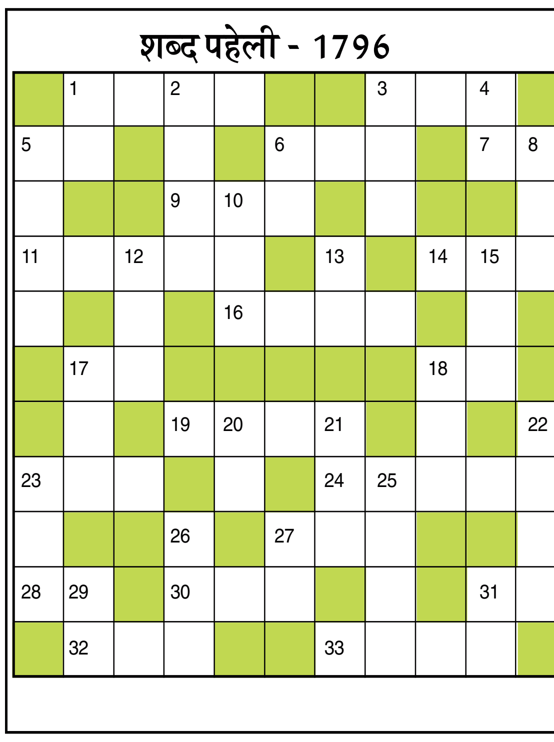

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -1795 का हल

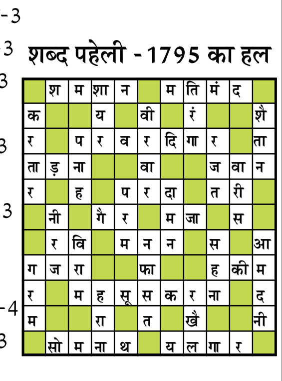

तमिल फिल्मों के लोकप्रिय हास्य अभिनेता माधवन बॉब का निधन

एजेंसी

चेन्नई । तमिल फिल्मों के लोकप्रिय हास्य कलाकार माधवन बॉब का 71 साल की उम्र में शाम चेन्नई के अड्यार स्थित आवास पर निधन हो गया। वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। माधवन बॉब ने कमल हासन, रजनीकांत, अजित, सूर्या और विजय जैसे सुपरस्टारों के साथ काम किया था और वे अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते थे। उन्होंने करीब 600 फिल्मों में काम किया। तमिल के साथ-साथ कई हिंदी, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में भी काम किया। वे सन टीवी के लोकप्रिय कॉमेडी शो असाथा पोवथु यारु में जज की भूमिका में दिखाई दिए थे। उनके निधन पर साथी कलाकार और फैंस सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

बंगाल में मत्स्य पालन योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी की जरूरत :केन्द्रीय मत्स्य मंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल को केंद्र सरकार की मत्स्य पालन योजनाओं का पूरा लाभ दिलाने के लिए राज्य को अपनी कार्य प्रणाली में तेजी लानी होगी। यह बात कोलकाता में आयोजित एक क्षेत्रीय समीक्षा बैठक के दौरान केन्द्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कही। बैठक के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 32 लाख मत्स्य पालक हैं, लेकिन इनमें से बेहद कम संख्या में ही राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) के तहत पंजीकृत हैं। इससे उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) जैसी केंद्रीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से एनएफडीबी में अधिक से अधिक मत्स्य पालकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य में इनलैंड फिशरीज यानी आंतरिक मत्स्य क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें अभी तक पूरी तरह उपयोग में नहीं लाया गया है। उन्होंने पारंपरिक तालाबों के विकास, मछुआरों के लिए सहकारी ढांचों के निर्माण और एक मजबूत प्रोसेसिंग इकोसिस्टम तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि राज्य में ड्राय फिश क्लस्टर विकसित करने की योजना पर काम हो रहा है, जिससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

कर्नाटक में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के मामले में एनआईए का छापा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कर्नाटक में बजरंग दल के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मंगलुरु, चिक्कमगलुरु और हासन जिलों में की गई। एनआईए के मुताबिक, छापेमारी के दौरान 11 मोबाइल फोन, 13 सिम कार्ड, 8 मेमोरी कार्ड और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। जांच एजेंसी इस हत्या के पीछे की साजिश, नेटवर्क और अन्य कड़ियों की जांच में जुटी हुई है। इसी साल मई महीने में मंगलुरु में सुहास शेट्टी की हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप अब्दुल सफवान और उसके साथियों पर है। हत्या के लिए धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया था और इसका मकसद समाज में दहशत फैलाना था। एनआईए ने इस मामले को जून में स्थानीय पुलिस से अपने हाथ में लिया था।

कोपिली नदी पर जलमार्ग-57 से असम में एक दशक बाद फिर शुरू हुई माल ढुलाई

नई दिल्ली। असम में जल परिवहन को बढ़ावा देने की पहल करते हुए कोपिली नदी पर राष्ट्रीय जलमार्ग-57 (एनडब्ल्यू-57) को पहली बार मालवाहन के लिए चालू किया गया। इससे असम में एक दशक बाद नदी के रास्ते माल ढुलाई फिर से शुरू हो गई। इस मौके पर एमवी वीवी गिरि मालवाहक पोत से चंद्रपुर के गोवर्धन पुल से दक्षिण समारा के हाटसिंगीमारी तक 300 मीट्रिक टन सीमेंट पहुंचाई गई। इस पोत में स्व-लोडिंग की सुविधा है। यह कोपिली नदी (एनडब्ल्यू-57) व ब्रह्मपुत्र नदी (एनडब्ल्यू-2) के रास्ते से लगभग 300 किलोमीटर की दूरी 12 से 14 घंटे में तय करते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचा। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने एक बयान में कहा कि इस नई शुरुआत के साथ असम में अब तक कुल 1168 किलोमीटर लंबे जलमार्ग चालू हो चुके हैं। लंबे समय तक उपेक्षित नदी मार्ग अब राज्य की आर्थिक रीढ़ बन सकते हैं। यह पहल न सिर्फ किफायती और पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि सड़कों पर बोझ कम करने में भी मददगार होगी। इस ट्रायल रन से करीब 23 ट्रक की जगह एक पोत ने ले ली, जिससे जल परिवहन की क्षमता और महत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सोनोवाल ने कहा कि जलमार्गों का पुनरुद्धार न केवल व्यापार को गति देगा बल्कि स्थानीय समुदायों को रोजगार और समृद्धि का अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र, बराक, धनसिरी और अब कोपिली जैसी नदियों के माध्यम से राज्य को देश की मुख्य विकासधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोपिली नदी पर कार्गो सेवा की शुरुआत एक नए, जुड़े हुए और सशक्त असम की पहचान है जो देश की तरक्की की कहानी से पूरी तरह जुड़ा हुआ है। अब सरकार का लक्ष्य है कि राज्य की प्रमुख नदियों पर न केवल माल बल्कि यात्री परिवहन को भी विस्तार दिया जाए।

डॉ. आंबेडकर ने खुद के विकास के साथ समाज के पिछड़े वर्ग का विचार दिया : मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी

मुंबई। भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने महाराष्ट्र के नागपुर में कहा कि स्वयं का विकास करते हुए समाज के पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने के महान विचार भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने भारतीयों को दिए हैं। इन विचारों को अपनाकर छात्रों को अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई आज नागपुर में दीक्षाभूमि स्मारक समिति द्वारा संचालित डॉ. आंबेडकर महाविद्यालय के हीरक महोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। भूषण गवई ने कहा कि डॉ. आंबेडकर महाविद्यालय की स्थापना और विकास में दादासाहब गायकवाड़, दादासाहब गवई, दादासाहब कुंभारे, सदानंद फुलझेले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह बताते हुए उन्होंने महाविद्यालय की यात्रा की विभिन्न स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि बाबासाहब आंबेडकर के विचारों को अपनाना और उनके मार्ग पर चलना ही उन व्यक्तियों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अपना जीवन डॉ. आंबेडकर महाविद्यालय के लिए समर्पित किया। उन्होंने यह भी स्मरण किया कि 1981 में धम्म परिवर्तन के रजत महोत्सव वर्ष में जब मुंबई से डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की अस्थियां नागपुर आई, तो यहां की जनता ने उसका उत्साहपूर्वक स्वागत किया, जो इस शहर की सर्वधर्म समभाव की पहचान है। रजत महोत्सव धम्म परिवर्तन समारोह के लिए कवि सुरेश भट द्वारा रचित भीम वंदना का वाचन करके उन्होंने अपने भाषण का समापन किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कार्यक्रम में कहा कि बाबासाहब डॉ. आंबेडकर द्वारा अपेक्षित शैक्षणिक दर्जा प्राप्त करते हुए डॉ. आंबेडकर महाविद्यालय ने वंचित समाज के लिए शिक्षा के द्वार खोले और उनके जीवन में परिवर्तन लाया। 60 वर्षों की गौरवशाली परंपरा वाले इस महाविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की यात्रा को विस्तारित कर नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। यह विश्वास व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने अपेक्षा जताई कि यह महाविद्यालय समाज परिवर्तन का माध्यम बने।

राजनीतिक विरोधियों को कुचलने के लिए पुलिस का दुरुपयोग कर रही मान सरकार: तरुण चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब की आआपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि रंजीत सिंह गिल के भाजपा में शामिल होने के 24 घंटे के भीतर उनके खिलाफ विजिलेंस छापेमारी इस बात का प्रमाण है कि भगवंत मान सरकार घबराहट में बौखला गई है। चुग ने कहा, यह छापेमारी नहीं, बदले की सस्ती राजनीति है। पंजाब में सरकार नहीं बल्कि एक राजनीतिक गिरोह चल रहा है, जो पुलिस और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करके विरोध की आवाजें दबाना चाहता है। तरुण चुग ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल की जोड़ी ने पुलिस और अफसरशाही को अपने निजी हथियार बना दिए हैं। लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए पंजाब डरने वाला नहीं है। दबाव, धमकी और दमन से जनता की आवाजें नहीं दबेंगी। चुग ने कहा कि ÷यह केवल एक नेता का मामला नहीं है। यह पंजाब में आम आदमी पार्टी की निरंकुश और दमनकारी राजनीति का खुला चेहरा है। जो भी सवाल उठाएगा, उसे निशाना बनाया जाएगा, यह मानसिकता लोकतंत्र की हत्या है। तरुण चुग ने साफ कर दिया कि भाजपा इस मुद्दे को जनता से लेकर न्यायालय तक हर जगह लड़ेगी। हम हर मोर्चे पर इस बदले की राजनीति का पर्दाफाश करेंगे, चाहे सड़क हो या अदालत। आम आदमी पार्टी को जवाब देना होगा। उन्होंने कहा, आप छापे मार सकते हो, पर पंजाब के लोगों की इच्छाशक्ति पर नहीं।

राष्ट्रवादी संगठनों को फंसाने की बड़ी साजिश थी मालेगांव बम धमाका : उमा भारती

एजेंसी

झांसी। मालेगांव बम धमाके में राष्ट्रवादी संगठनों और भाजपा के बड़े नेताओं को फंसाने की एक बड़ी साजिश थी। कांग्रेस नेताओं, विशेष रूप से पी. चिदंबरम, राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह को देश से माफी मांगनी चाहिए। कांवड़ यात्रा में शामिल होने के लिए झांसी पहुंचीं मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती ने मालेगांव बम धमाका मामले में आए कोर्ट के फैसले पर बड़ा बयान दिया। उमा भारती ने कहा कि जब मालेगांव में बम धमाके का केस हुआ था, तब केंद्र और महाराष्ट्र दोनों जगह कांग्रेस की सरकारें थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह राष्ट्रवादी संगठनों और भाजपा के बड़े नेताओं को फंसाने की एक बड़ी साजिश थी। ÷लेकिन आज भगवान ने पर्दाफाश कर दिया। अब चिदंबरम, राहुल और दिग्विजय को देश से क्षमा मांगकर प्रायश्चित करना चाहिए, क्योंकि बिना सबूत के झूठ को सच बनाने की कोशिश की जा रही थी। न्यायालय के फैसले ने यह तय कर दिया कि सच परेशान हो सकता है किंतु पराजित नहीं हो सकता। गंभीर नहीं राहुल गांधी : राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर सीजफायर पर सवाल उठाने पर उमा भारती ने कहा, जब राहुल को प्रधानमंत्री पर ही भरोसा नहीं है, तो वह सीधे डोनाल्ड ट्रंप से ही क्यों नहीं

आरोप लगाने को लेकर कहा कि राहुल गांधी जब जीतते हैं तो कुछ नहीं कहते, लेकिन हारने पर हमेशा चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल अपने कहे पर कायम नहीं रहते और न ही गंभीर रहते हैं। समाजवादी पार्टी की 'पीडीए की पाठशाला' पर तंज कसते हुए उमा भारती ने कहा कि बच्चे सब जानते हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, क्योंकि घर के बड़े लोगों ने उन्हें पूर्व के हालातों से अवगत करा दिया है। राहुल गांधी के पूछ लेते? इसके अलावा, उन्होंने प्रेमानंद महाराज की महिलाओं पर टिप्पणी से जुड़े सवाल पर कोई जवाब देने से इनकार कर दिया और कहा कि लोग धर्माचार्यों पर भी टिप्पणी करते हैं। उन्होंने वर्तमान शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि अभी दोनों ही क्षेत्र में और सुधार की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी ईमानदार अधिकारियों की कमी है। इनकी संख्या में और बढ़ोतरी होनी चाहिए।

हिमाचल में अगले चार दिन भारी वर्षा की चेतावनी, बीबीएमबी का अलर्ट, 401 सड़कें बंद

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने छह अगस्त तक भारी वर्षा की चेतावनी दी है। 3 अगस्त को शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। 4 और 5 अगस्त को बारिश और तेज होगी, जिसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 4 अगस्त को सिरमौर, कुल्लू, कांगड़ा, ऊना और बिलासपुर जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी है, वहीं हमीरपुर, चम्बा, मंडी, शिमला और सोलन में भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। 5 अगस्त को कांगड़ा, मंडी, सोलन और सिरमौर में भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट, जबकि ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, चम्बा, कुल्लू और शिमला में भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। छह अगस्त को कांगड़ा, मंडी, शिमला और सोलन में येलो अलर्ट रहेगा।

बीते 24 घंटों में ऊना में सबसे ज्यादा बारिश

बीते 24 घंटों में ऊना में 222 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जिससे स्वां नदी उफान पर आ गई। चम्बा के जोत में 160 मिमी, नंगल

डैम में 140 मिमी, बिलासपुर में 120 मिमी, चुआड़ी में 100 मिमी, नादौन, बरठीं, देहरा गोपीपुर, सुजानपुर टीहरा, चम्बा में 70-70 मिमी और धर्मशाला, नाहन, घुमरूर में 60-60 मिमी वर्षा हुई। ऊना में तेज बारिश से दुकानों और घरों में पानी घुस गया, सड़कें पानी में डूब गई और यातायात प्रभावित हुआ। प्रशासन ने एहतियातन सभी स्कूल, कॉलेज, आईटीआई और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए। लगातार बारिश से कांगड़ा के पौंग बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। भाखड़ा व्यास प्रबन्धन बोर्ड (बीबीएमबी) ने कांगड़ा जिला प्रशासन और पंजाब के संबंधित अधिकारियों को अलर्ट किया है। अभी तक पानी सिर्फ टर्बाइनों के जरिए छोड़ा जा रहा है, लेकिन ज्यादा जलभराव होने पर पौंग डैम से कभी भी पानी छोड़ा जा सकता है। भारी बारिश और भूस्खलन से राज्य में एक राष्ट्रीय राजमार्ग और 401 सड़कें बंद हो गई हैं। लाहौल-स्पीति में एनएच-505 बाधित है। मंडी में 174 सड़कें, चम्बा में 111 और कुल्लू में 67 सड़कें बंद हैं।

जमात-ए-इस्लामी की मालेगांव धमाके के आरोपियों को बरी किए जाने की न्यायिक आयोग से जांच कराए जाने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने आज दिल्ली के ओखला में जामिया नगर स्थित अपने मुख्यालय में आयोजित मासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मालेगांव ब्लास्ट के आरोपितों को अदालत से बरी किए जाने के मामले की न्यायिक आयोग से जांच कराए जाने की मांग की। जमात के उपाध्यक्ष मलिक मोहतशिम खान और इंजीनियर सलीम अहमद ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अदालत के जरिए आरोपितों को बरी किए जाने के मामले से यह सिद्ध होता है कि इस मामले में जांच एजेंसी ने सही से जांच नहीं की और ना ही सही से सबूत इकट्ठा किए जिसके आधार पर अदालत ने सबूतों के अभाव में आरोपितों को बरी किया है। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले को उच्च न्यायालय में चुनौती दिए जाने की भी मांग की है। जमात नेताओं ने बिहार

में चुनाव आयोग के जरिए चलाए जा रहे गहन मतदाता परीक्षण पर सवाल करते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से अनावश्यक है और चुनाव आयोग को इस तरह का कार्य करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने चुनाव आयोग से इस प्रक्रिया को फौरन बंद करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं का वेरिफिकेशन होना चाहिए लेकिन चुनाव आयोग के जरिए जो कागजात मांगे जा रहे हैं, वह नागरिकता की जांच करने जैसा है जिसका अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है?। उन्होंने कहा कि खबरें आ रही है कि बड़ी तादाद में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं लेकिन अभी आधिकारिक रूप से यह नहीं बताया गया है कि कितने नए लोगों के नाम जोड़े गए हैं और कितने पुराने लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं?। संवाददाता सम्मेलन में बांग्ला भाषी लोगों के साथ देशभर में होने वाले अपमानजनक व्यवहार की भी कड़ी निंदा की गई है। संवाददाता सम्मेलन में कहा गया है कि देशभर में बंगाली बोलने वाले मुसलमानों को बांग्लादेशी समझा जा रहा है जो कि सही नहीं है। उन्होंने कहा कि बंगाल में 27 प्रतिशत मुसलमान रहते हैं जो बांग्ला भाषा बोलते हैं और यह भारतीय हैं, इन्हें बांग्लादेशी बताकर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली एनसीआर विशेष तौर से गुरुग्राम में पुलिस द्वारा अवैध रूप से सर्च ऑपरेशन कराकर हजारों बांग्ला भाषी लोगों को पकड़ा गया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में विस्फोटक के साथ दो लाख के इनामी सहित तीन नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने विस्फोटक के साथ दो लाख के इनामी सहित तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से भारी मात्रा में नक्सली सामग्री भी बरामद की गई है। गिरफ्तार नक्सलियों के विरुद्ध थाना केरलापाल में अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेशकर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चौहाण ने आज बताया कि नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत केरलापाल क्षेत्रान्तर्गत गोगुण्डा पहाड़ी में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर थाना केरलापाल से जिला बल, डीआरजी एवं 159 वाहिनी सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सली गस्त सर्चिंग के लिए ग्राम गोगुण्डा, पोंगाभेजी, सिमेल, खुंडूशपारा व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। इस दौरान ग्राम पोंगाभेजी, रबड़ीपारा के जंगल पहाड़ी से दो लाख इनामी नक्सली सहित तीन नक्सलियों 40 वर्षीय पोड़ियाम नंदा, गोगुण्डा पंचायत मिलिशिया कमाण्डर निवासी गोगुण्डा डुंगिनपारा थाना केरलापाल, 28 वर्षीय हेमला जोगा, गोगुण्डा पंचायत मिलिशिया सदस्य निवासी गोगुण्डा इंतापारा थाना केरलापाल एवं हेमला गंगा, 45 वर्षीय गोगुण्डा पंचायत मिलिशिया सदस्य निवासी गोगुण्डा इंतापारा थाना केरलापाल जिला सुकमा को गिरफ्तार किया गया। सभी गिरफ्तार नक्सली केरलापाल एरिया कमेटी अन्तर्गत गोगुण्डा पंचायत मिलिशिया सदस्य के रूप में सक्रिय थे।

सड़क हादसों में जनहानि होना दुर्भाग्यपूर्ण, दुघर्टनाओं को रोकना हम सबकी जिम्मेदारी: न्यायमूर्ति सप्रे

एजेंसी

नर्मदापुरम। उच्चतम न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि सड़क हादसों में जनहानि होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर हम मानवीय दृष्टिकोण से देखें तो सड़क हादसों में केवल पीड़ित ही नहीं बल्कि उसका पूरा परिवार भी इस विपत्ति के कारण कष्टों का सामना करता है। सड़क पर चलने वाले हर एक व्यक्ति का जीवन बहुत ही बहुमूल्य है। किसी अन्य की गलती से सड़क पर चलने वाले निर्दोषों की मृत्यु होना या जीवन भर के लिए हादसे की विभीषिका झेलना न्यायसंगत नहीं है। इस स्थिति को सुधारना हमारी साझा जिम्मेदारी है। न्यायमूर्ति सप्रे नर्मदापुरम प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जिला सड़क सुरक्षा समिति के साथ बैठककर जिले में पिछले पांच वर्षों में हुए हादसों उनके कारण तथा हादसों के दौरान हुई मृत्यु की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पिछले वर्षों में सड़क सुरक्षा समिति की आयोजित बैठकों की जानकारी भी ली तथा उन बैठकों के दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़े हुए मामलों में क्या सुधार कार्य किए गए हैं इसकी जानकारी भी ली। बैठक में कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा बताया गया कि पूर्व में आयोजित बैठकों के दौरान 25 से अधिक ब्लैक स्पॉट्स को चिन्हित किए गए थे, उन्हे खत्म कर दिया गया है। केवल एक ब्लैक स्पॉट शेष है, जिसे खत्म करने के लिए बनाई गई कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। न्यायमूर्ति सप्रे ने

अधिकारियों से कहा कि आप सभी को यह सुनिश्चित करना है कि सड़क हादसे क्यों हो रहे हैं, उनके कारण क्या हैं और उन्हें कैसे रोका जा सकता है। इसके लिए व्यापक कार्य योजना बनाकर उसे गंभीरता से क्रियान्वित करें। 6 माह बाद सड़क हादसों में मृत्यु दर तथा हादसों की संख्या का फिर से आकलन किया जाएगा। इस अवधि में प्रयास करें कि सड़क हादसों में न्यूनतम मृत्यु हो अथवा मृत्यु दर को शून्य ही कर दिया जाए। बैठक में न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु के लिए बिना हेलमेट के यात्रा, बिना सीट बेल्ट के यात्रा, निर्धारित गति सीमा से अधिक गति से गाड़ी चलाना तथा ड्रिंक एंड ड्राइव जैसे कारण भी प्रमुख है।

बुंदेलखण्ड के साथ संगमनगरी में बाढ़ से जनजीवन प्रभावित, प्रधानमंत्री ने काशी के हालात की ली जानकारी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड से लेकर पूर्वांचल के इलाकों में पहाड़ों और स्थानीय स्तर पर हो रही बारिश का असर दिखने लगा है। गंगा, यमुना, बेतवा सहित स्थानीय नदियों में उफान के चलते बाढ़ आने से औरैया, बांदा, प्रयागराज, जालौन जिले में स्थिति काफी खराब है। इन जिलों में सैकड़ों गांवों में नदियों का पानी घुसने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। जिला एवं पुलिस प्रशासन बाढ़ शिविरों में लोगों को विस्थापित कर राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले 16 घंटे मध्य उत्तर प्रदेश के प्रयागराज सहित 35 जिलों में गर्जन एवं अचानक तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। इधर, वाराणसी दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी में बाढ़ की

जानकारी अधिकारियों से लेते हुए राहत कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ मौसम विभाग केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में बारिश और लगातार पहाड़ों से आ रहे पानी के चलते गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान में लगातार हो रही बारिश और कोटा बैराज से पानी छोड़ने के कारण यमुना और बेतवा नदियों में उफान आ गया है। इसके चलते यूपी के बुंदेलखण्ड में बांदा, जालौन, औरैया में यमुना और बेतवा नदियां कहर बन गई हैं। नदियों में उफान के चलते इन जिलों के आसपास ?इलाकों में बाढ़ की स्थिति हो गई है। प्रयागराज में भी गंगा और यमुना के उफनाने का असर जनजीवन पर पड़ा है। अभी इन इलाकों में स्थानीय स्तर मानसून की बारिश के आसार तीन अगस्त को बने हुए हैं। इसके साथ ही प्रदेश के 35 जिलों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बांदा जिले में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर करीब ढाई मीटर ऊपर बह रहा है। महज एक रात में जलस्तर में डेढ़ मीटर की खतरनाक बढ़त दर्ज की गई, जिससे जिले के दो दर्जन से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। सैकड़ों कच्चे मकान पानी में समां गए हैं और कई गांव टापू बन चुके हैं।

ओडिशा में जलाई गई नाबालिग पीड़ित ने एम्स दिल्ली में तोड़ा दम, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी जिले के बंलगा क्षेत्र में जलाई गई 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी ने दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पीड़ित का शरीर 75 फीसदी जल गया था। वह कई दिनों से वेंटिलेटर पर थी। यह दर्दनाक घटना बीते 19 जुलाई को बलंगा के बयाबर गांव के पास दिनदहाड़े हुई थी, जब अज्ञात हमलावरों ने उसपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी थी। घटना के बाद किशोरी को पहले एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बीते 20 जुलाई को एयरलिफ्ट कर एम्स दिल्ली लाया गया, जहां वह इलाजरत थी। यहां भी तमाम सर्जरी और विशेषज्ञों के प्रयासों के बावजूद उसकी हालत में कोई खास सुधार नहीं हो पाया। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने पीड़ित की मौत पर शोक व्यक्त किया।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बलंगा की बालिका की मृत्यु का समाचार सुनकर अत्यंत स्तब्ध हूं। सरकार द्वारा किए गए सभी प्रयासों और एम्स दिल्ली के विशेषज्ञ डॉक्टरों की दिन-रात की मेहनत के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।÷ उन्होंने आगे कहा, ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें।

म.प्र के अतिवृष्टि वाले जिलों में अब तक 3628 नागरिकों को किया गया सुरक्षित रेस्क्यू

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के कुछ जिलों में हाल ही में अतिवृष्टि हुई थी। राज्य सरकार ने अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को राहत देने में बेहद तत्परतापूर्ण कार्रवाई की है। प्रदेश के अतिवृष्टि वाले जिलों में अब तक 3628 नागरिकों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया गया। बारिश थमने के साथ कुछ नागरिक अपने-अपने घरों को चले गए हैं, परंतु अब भी 53 राहत शिविरों में 3065 प्रभावितों को रखकर उन्हें सभी प्रकार की जरूरी मदद जैसे खाना-पीना दवाइयां कपड़े आदि मुहैया कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अतिवृष्टि प्रभावित हर व्यक्ति के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार देर शाम सोशल मीडिया पर जारी संदेश में यह उक्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं कि अतिवृष्टि या बाढ़ प्रभावितों को कोई भी कठिनाई न आने पाए। जल्द ही जल्द सर्वे पूरा कर पीड़ितों को उनके नुकसान की समुचित भरपाई की जाए। उन्होंने

बताया कि अतिवृष्टि वाले जिलों के कलेक्टर्स द्वारा अब तक 28.49 करोड़ रुपये राहत राशि वितरित कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में लगातार एक सप्ताह तक हुई बारिश से कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा लगातार यह प्रयास किए गए कि अतिवृष्टि से प्रदेश की जनता को किसी भी स्थिति में परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शासन संवेदनशील शासन वह होता है, जो हर समय समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के हित के लिए हमेशा उपलब?ध रहे। मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत शासन द्वारा अतिवृष्टि/बाढ़ प्रबंधन की सभी तैयारियां पहले ही प्रारंभ कर दी गई थीं। मुख्य सचिव द्वारा विगत 9 जून को विस्?तृत समीक्षा की गयी थी। मुख्यमंत्री ने भी 22 जुलाई को सभी कलेक्टर्स को बाढ़ की पूर्व तैयारियों के संबंध में और जनता को लाभ पहुंचाने के दिशा-निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देशों के पालन में शासन द्वारा वृहद स्तर पर तैयारियां की गई। एनडीआरएफ की टीमों को भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और धार में तैनात किया गया। एसडीआरएफ को प्रदेश भर में संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया।

इंग्लैंड की धरती पर टीम इंडिया ने कर दिया कमाल, पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में बने कुल 3809 रन

लंदन (एजेंसी)। मौजूदा समय में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इसके तहत अबतक दोनों टीमों के बीच चार टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। जहां मेजबान इंग्लैंड 2-1 से आगे चल रही है। ऐसे में भारतीय टीम को किसी भी हाल में पांचवां और आखिरी टेस्ट जीतकर सीरीज को 2-2 से बराबर करना होगा। हालांकि, इस सीरीज में अभी तक खूब रन बने हैं। जो की अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है।

दरअसल, पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में भारत ने कुल 3,890 रन बनाए हैं। इनमें सबसे बड़ा योगदान कप्तान शुबमन गिल का है। जिन्होंने सीरीज में 754 रन बनाए। वहीं अन्य बल्लेबाजों ने भी अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है।

इस सीरीज में भारत ने कुल 3809 रन बनाए हैं। किसी पारी में भारतीय टीम का सबसे बड़ा स्कोर बर्मिंघम में आया जब उसने 587 रनों का पहाड़ खड़ा किया। इसी विशाल स्कोर के कारण टीम इंडिया को बर्मिंघम टेस्ट में एकमात्र 336 रनों से जीत हासिल हुई।

टीम इंडिया ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट की दोनों पारियों में कुल 835 रन बनाए। वहीं बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने कुल 1,014 रन बना डाले। तीसरे टेस्ट की दोनों पारियों में कुल मिलाकर 557 रन और चौथे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने 783 रन बनाए। ओवल टेस्ट में भारत ने 620 रन बनाए। जिसके बलबूते पूरी टीम ने पूरी सीरीज में 3,809 रन बनाए।

हालांकि, इस उपलब्धि में किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना न्यायपूर्ण नहीं होगा। जहां सबसे ज्यादा रन कप्तान शुभमन गिल ने बनाए। जिनके बल्ले से 754 रन निकले। इस दौरान गिल ने 4 शतक भी लगाए। दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी केएल राहुल रहे, जिन्होंने 2 शतकों की बदौलत 532 रन बनाए। रविंद्र जडेजा ने भी अपनी बल्लेबाजी से सभी को काफी प्रभावित किया। 5 अर्धशतक और एक सेंचुरी ठोककर उन्होंने 516 रन बनाए। साथ ही चोट के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर होने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 479 रनों का योगदान दिया।

बीसीसीआई उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने बाहरी एजेंसी को नियुक्त करेगी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने जा रही है। इसी के तहत ही खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्त की जाएगी। बोर्ड के अनुसार आयु-धोखाधड़ी और खिलाड़ियों की योग्यताओं की जांच के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्ति की जा रही है। हाल ही में सत्यापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां भी मांगी गयी थीं। इस माह के अंत तक नई एजेंसी नियुक्त किये जाने की उम्मीद है। खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज या प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए जाने के मामले को बीसीसीआई ने गंभीरता से लिया है। बोर्ड का उद्देश्य किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की संभावना को समाप्त करना है। बोर्ड अभी दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है। पहले में दस्तावेजों और जन्म प्रमाण पत्रों की जांच शामिल है जबकि दूसरा अस्थि परीक्षण है, जिसे आमतौर पर टीडब्ल्यू3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धति के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं।

बोर्ड ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा बनायी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोली लगाने वाली एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इनमें कॉर्पोरेट कंपनियां शैक्षणिक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं पर यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। इसके अलावा एजेंसी के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। बोर्ड आम तौर पर जुलाई और अगस्त में उम्र का सत्यापन करता है। इस वर्ष यह प्रक्रिया सितंबर तक भी बढ़ सकती है क्योंकि एजेंसी के इस महीने के अंत तक काम शुरू करने की उम्मीद है।

धोनी बोले, अगले आईपीएल सत्र में ऋतुराज गायकवाड़ ही रहेंगे कप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह अगले सत्र में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में ही खेलेंगे। 2025 सत्र में ऋतुराज के चोटिल होने के बाद धोनी ने कप्तानी की थी। धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इस सत्र में उन्होंने 14 लीग मैच खेले और 196 रन बनाए। गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद उन्होंने टीम की कप्तानी भी की पर टीम की तकदीर नहीं बदली और वह अंतिम स्थान पर रही।

आईपीएल 2025 में सीएसके के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों का मानना था कि धोनी अब अगले आईपीएल में नहीं खेलेंगे। वहीं सीएसके ने भी कहा कि धोनी जब तक चाहेंगे खेलते रहेंगे। धोनी के आईपीएल में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। एक वीडियो में जब उनसे उनके क्रिकेट भविष्य के बारे में पूछा गया, तो धोनी ने कहा, 'मुझे अगले पांच साल के लिए क्रिकेट खेलने की अनुमति मिल गई है पर डॉक्टर ने केवल आंखों के लिए अनुमति दी है. शरीर के लिए नहीं और मैं केवल आंखों से क्रिकेट नहीं खेल सकता।' इससे साफ है कि वह कभी भी संन्यास ले सकते हैं।

धोनी ने कहा कि ऋतुराज की वापसी से सीएसके की बल्लेबाजी अगले आईपीएल सत्र में मजबूत होगी। धोनी ने एक निजी कार्यक्रम में कहा, 'हम अपनी बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़ा चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारी बल्लेबाजी क्रम काफी ठीक हुआ है। गायकवाड़ वापस आ रहे हैं, इससे काफी कुछ ठीक हो जाएगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने आईपीएल 2025 में कमजोर खेला पर टीम चयन में कुछ गलतियां थीं जिन्हें हमें ठीक करने की जरूरत थी जिसे अब दिसंबर में एक छोटी नीलामी में ठीक किया जाएगा।'

जेसन होल्डर की मदद से वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर रोमांचक जीत, सीरीज में बराबरी की

लॉडरहिल (अमेरिका) (एजेंसी)। जेसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने कुछ विषम पलों से गुजरते हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की।

अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को 9 विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।

वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर 5 विकेट पर 70 रन था, लेकिन गुडाकेश मोती (28) और रोमारियो शेफर्ड (15) ने उसे मुकाबले में बनाए रखा। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गेंद को चार रन के लिए भेजकर वेस्टइंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 135 रन पर पहुंचाया। होल्डर ने 10 गेंद पर नाबाद 16 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद नवाज ने तीन और सैम अयूब ने दो विकेट लिए। यह वेस्टइंडीज की सात टी20 मैचों में पहली जीत है। उसे पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से हराया था।

कुलदीप और अभिमन्यु ने बिना खेले ही मोटी कमाई की

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गये दो क्रिकेटरों कुलदीप यादव और अभिमन्यु ईश्वरन को एक भी मैच में अवसर नहीं मिला। ऐसे में ये दोनो ही बिना खेले स्वदेश लौट जाएंगे। टीम संयोजन और संतुलन रखने की जरुरत के कारण कुलदीप और अभिमन्यु को भले ही अवसर नहीं मिला पर इनकी अच्छी खासी कमाई होती रही है। दोनो ने ही इस दौरे से तकरीबन एक करोड़ रुपये कमा लिए हैं। प्रत्येक सत्र में 50-75 फीसदी टेस्ट मैचों की अंतिम 11 में खेलने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख मैच फीस के साथ प्रति मैच 30 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं। वहीं जो खिलाड़ी फीसदी मैचों में दल का हिस्सा तो रहता है पर उसे अंतिम ग्यारह में अवसर नहीं मिलता तो भी उसे हर एक मैच के लिए अलग से 15 लाख रुपये मिलते हैं। इस प्रकार कुलदीप और ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर बिना खेले ही तकरीबन एक-एक करोड़ रुपए मिले हैं। वहीं साल 2024 में बीसीसीआई ने 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' लॉन्च की थी, जिसके जरिए भारत में टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया था। इस स्कीम के तहत टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी एक साल में अच्छी कमाई कर सकते हैं। एक टेस्ट मैच खेलने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये की मैच फीस मिलती है, लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत वो मैच फीस के अलावा ज्यादा पैसा कमा सकते हैं। बीसीसीआई की साल 2024 में लागू की गई 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत जो खिलाड़ी एक सत्र में खेले गए 75 फीसदी या उससे ज्यादा मैचों की अंतिम ग्याह में खेलता है, उसे मैच फीस के अलावा प्रति मैच 45 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं। वहीं 75 फीसदी मैचों में दल में रहने के बाद भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने पर भी खिलाड़ी को अलग से मैच फीस के अलावा प्रति मैच 22.5 लाख रुपये दिए जाते हैं।

गावस्कर ने शुभमन को दिया उपहारों से भरा बैग

ओवल। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक बैग भरकर उपहार दिये हैं। शुभमन ने इस दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 750 से ज्यादा रन बनाये हैं। वह हालांकि गावस्कर के एक सीरीज में बनाए सबसे ज्यादा 774 रनों का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाये हैं। ओवल टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर गावस्कर ने शुभमन को चीजों से भरा एक खास बैग उपहार में दिया। गावस्कर ने उन्हें अपनी एक शर्ट दी जिसमें एसजी के अक्षर थे। इसके अलावा ऑटोग्राफ वाली एक कैप भी दी। गावस्कर और शुभमन दोनों के ही शुरुआती नाम के अक्षर एसजी होते हैं। शुभमन ने इस सीरीज में चार शतक के साथ ही 10 पारियों में 754 रन बनाए हैं। वह गावस्कर के रिकॉर्ड को केवल 20 रनों से नहीं तोड़ पाये। गौरतलब है कि गावसकर ने साल 1970-71 में वेस्टइंडीज दौरे पर 154.80 की औसत से 774 रन बनाए थे। गावस्कर ने शुभमन से कहा कि अब वह अगली सीरीज में मेरा रिकार्ड तोड़ने का लक्ष्य रखें। गावस्कर ने कहा, 'बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, मैंने आपके लिए एक उपहार ये सोचकर तैयार किया था कि आप मुझे पीछे छोड़ देंगे पर इस बार नहीं होने पर आपके पास अगली सीरीज में लक्ष्य है। यह एक छोटा सा उपहार आपके लिए हैं। यह 'एसजी' अक्षरों वाली शर्ट है जो किसी ने मेरे लिए बनायी थी जिसे अब मैं आपको दे रहा हूँ। इसके साथ ही मेरे ऑटोग्राफ वाली एक कैप भी है।'

आकाश दीप परिपक्व बल्लेबाज की तरह खेले : बांगर

लंदन। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर ने तेज गेंदबाज आकाश दीप की बल्लेबाजी की प्रशंसा की है। आकाशदीप ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां जारी पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 66 रन बनाये। अपनी इस पारी में आकाशदीप ने 12 चौके लगाकर तीसरे विकेट के लिए 107 रन बनाये। इससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। बांगर ने कहा, आकाश दीप ने बेथेल के खिलाफ पहले ही ओवर में अवसरों का लाभ उठाया। दस दौरान वह एक परिपक्व बल्लेबाज की तरह संभल कर खेल रहे थे। इससे साफ है कि वह बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। और ब्रिस्बेन टेस्ट मैच में भारत को फॉलोऑन से बचाने में उनकी अहम भूमिका रही थी। उन्होंने बहुत साहस से खेला और शॉर्ट गेंदों से वह प्रभावित नहीं हुए। उन्होंने कहा, उन्होंने अवसरों का पूरा लाभ उठाया। बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने संभलकर खेलते हुए विकेटों के बीच अच्छी दौड़ लगायी। यशस्वी जायसवाल का भी उस साझेदारी में महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने पक्का किया कि आकाशदीप अपने जोन में बने रहें और दोनों ने मिलकर बड़ी साझेदारी की। भारतीय टीम इस मैच में अपनी पहली पारी में 224 रन ही बना पायी जबकि मेजबान टीम ने 247 रन बनाये थे। वहीं दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी ने 118 रन बनाए जबकि आकाश दीप के अलावा रवींद्र जडेजा और वाशिंगनट सुंदर ने अर्धशतक लगाये। इससे भारतीय टीम ने ने 396 रन बनाते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का बड़ा फैसला, भविष्य में डब्ल्यूसीएल में नहीं लेगा हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भविष्य में भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट की शासी संस्था के अनुसार, इंडिया लीजेंड्स द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल से हटने के फैसले के बाद डब्ल्यूसीएल का बयान और कार्रवाई 'पाखंड और पक्षपात से भरी' थी।

मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में वर्चुअल रूप से आयोजित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 79वीं बैठक में पीसीबी ने डब्ल्यूसीएलद्वारा जानबूझकर मैच हारने वाली टीम को अंक देने के घृणित आचरण और भारत बनाम पाकिस्तान लीजेंड्स मैचों को रद्द करने की घोषणा करने वाली डब्ल्यूसीएल की प्रेस विज्ञप्तियों की विषयवस्तु की काफी निराशा के साथ समीक्षा की, जो पाखंड और पक्षपात से भरी थीं।

पीसीबी के बयान में कहा गया है, 'उक्त प्रेस विज्ञप्तियों की विषयवस्तु लड़ाई को उजागर करती है जहां 'खेल के माध्यम से शांति' के आख्यान को चुनिंदा रूप से लागू किया जाता है और खेल आयोजनों को राजनीतिक स्वार्थ और संकीर्ण व्यावसायिक हितों का बंधक बना दिया जाता है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम को देखते हुए जो बाहरी प्रभाव के स्पष्ट और असहनीय पैटर्न और खेल तटस्थता के सिद्धांतों की अवहेलना को दर्शाता है, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कड़ा रुख अपनाने के लिए बाध्य है। पीसीबी अब ऐसे आयोजन में भागीदारी को बर्दाश्त नहीं कर सकता जहां निष्पक्ष खेल और निष्पक्ष प्रशासन के मूल सिद्धांतों को बाहरी दबावों के कारण नुकसान पहुंचाया जा रहा हो।'

शिखर धवन सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के लीग चरण में बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। दोनों टीमों के बीच सेमीफाइनल में फिर से मुकाबला होना तय था, लेकिन टीम इंडिया ने मैच से हटने का फैसला किया।

कैनेडियन ओपन : नंबर 1 सीड गॉफ को हराकर क्वार्टर फाइनल में म्बोको

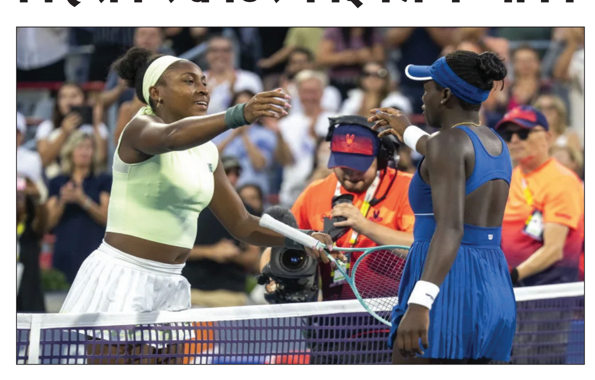

टोरंटो। विक्टोरिया म्बोको ने रविवार को ओम्नियम बैंक नेशनल में नंबर 1 सीड कोको गॉफ को 6-1, 6-4 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। क्वार्टरफाइनल मुकाबला सोमवार को खेला जाना है। विक्टोरिया म्बोको पिछले तीन वर्षों में टॉप आठ में पहुंचने वाली सबसे युवा महिला खिलाड़ी बनी हैं। इससे पहले गॉफ के नाम यह उपलब्धि थी। म्बोको ओपन एरा में कैनेडियन ओपन में टॉप सीड को हराने वाली दूसरी 'वाइल्ड कार्ड' खिलाड़ी हैं। इससे पहले स्टेफनी डुबोइस ने 2006 में किम क्लाइतजर्स के खिलाफ ऐसा किया था। 2009 में इस प्रारूप की शुरुआत के बाद से वह डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाली पांचवीं सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे छोटी उम्र में यह कारनामा करने वाली खिलाड़ी केवल गॉफ (रोम 2021), मिर्रा एंड्रीवा (इंडियन वेल्स 2025), बेलिंडा बेंचिच (टोरंटो 2015) और काई चेन चांग (टोक्यो 2009) हैं। डब्ल्यूटीए के अनुसार, म्बोको 1987 में हेलेन केलेसी के बाद 'कैनेडियन ओपन' में सबसे युवा कनाडाई क्वार्टर फाइनलिस्ट भी हैं। म्बोको ने इस सीजन की शुरुआत पीआईएफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 333 से की थी। इस टूर्नामेंट में वह नंबर 85 रैंकिंग के साथ उतरीं, लेकिन कोको गॉफ पर मिली बड़ी जीत के बाद अब वह लाइव रैंकिंग में नंबर 53 पर पहुंच गई हैं। अगर वह एक और मुकाबला जीतती हैं, तो उनकी रैंकिंग सीधे नंबर 24 हो जाएगी। उनकी यह शानदार यात्रा लगातार 20 जीत और चार खिताब के साथ छोटे स्तर के टूर्नामेंट्स से शुरू हुई। रोम में खेले गए दूसरे डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में उन्होंने क्वालीफाई किया और वहीं कोको गॉफ को दूसरे दौर में तीन सेट तक चुनौती दी। रविवार को खेले गए मुकाबले में म्बोको ने जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने खिलाफ आए सभी पांच ब्रेक प्वाइंट बचा लिए, जबकि गॉफ के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। यही इस मुकाबले का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। म्बोको ने जबरदस्त आत्मविश्वास दिखाते हुए अपने खिलाफ सभी पांच ब्रेक प्वाइंट बचाए, जबकि गॉफ के खिलाफ मिले पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। यही इस मैच का निर्णायक पहलू था। म्बोको सोमवार को क्वार्टर फाइनल में झू लिन और जेसिका बूजास मानेरो के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी। दूसरे क्वार्टर फाइनल में 24वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्तयुक का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा। कोस्तयुक ने नंबर 28 मॅक्कार्टनी केसलर को एक लंबे मुकाबले में 5-7, 6-3, 6-3 से हराया, जो 2 घंटे 35 मिनट चला। रयबाकिना ने इसी तरह के एक मैच में 30वीं वरीयता प्राप्त दयाना यास्त्रेम्स्का को 5-7, 6-2, 7-5 से हराया।

मार्केज की जगह कोच बने खालिद की पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनोलो मार्केज की जगह पर भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच बने पूर्व फुटबॉलर खालिद जमील की राह आसान नहीं है। उनकी पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी। जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। पिछले कुछ समय में कोई भी कोच टिक नहीं पाया है। मार्केज ने भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अचानक ही अपना पद छोड़ दिया था। खालिद अभी इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर हैं। नये कोच के लिए सबसे बड़ी परीक्षा नेशंस कप है। जिसमें वह चाहेंगे कि टीम अच्छा प्रदर्शन करे। पिछले कुछ समय में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और लंबे समय तक किसी एक कोच के नहीं होने से भी टीम को नुकसान हुआ है। अब देखना है कि खालिद इस कमी को कैसे पूरा करते हैं।

खालिद की साल 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका रही भी। उनका चयन अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति ने किया है। इस पद के लिए अन्य दो दावेदार पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। टारकोविक स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे। दिग्गज स्ट्राइकर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने कार्यकारी समिति के अंतिम फैसले के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में सेवा देने वाले अंतिम भारतीय सावियो मेडेइरा थे, जिन्होंने 2011 से 2012 तक ये पद संभाला था। उसके बाद अब जमील को ये जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं बीच के दौर में सभी विदेशी कोच रहे थे।

पाक टीम में कोई विवाद नहीं : कोच हेसन

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि टीम में किसी प्रकार का विवाद नहीं है। इससे पहले कप्तान सलमान अली और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के बीच बढ़ते मतभेदों की बातें सामने आयी थीं। जिसको देखते हुए अब हेसन का बयान आया है। बोर्ड ने कहा कि टीम में किसी प्रकार का विवाद नहीं है और इस प्रकार की जो भी बातें सामने आ रही है वह निराधार है। इससे पहले एक पोस्ट सोशल मीडिया सामने आई थी जिसमें दावा किया गया था कि कोच हेसन और कप्तान सलमान ने शाहीन अफरीदी के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए इसकी शिकायत पीसीबी से भी की थी पर बोर्ड ने इस मामले को खारिज कर दिया। वहीं अब पीसीबी ने अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा कि शाहीन और सलमान व कोचिंग स्टाफ के बीच विवाद की जो भी बातें कही जा रही हैं वे सही नहीं हैं। पीसीबी सोशल मीडिया आ रही इन आधारहीन बातों को खारिज करता है।

इस खेल में निरंतरता के साथ प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है : जायसवाल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 118 रनों की पारी खेलकर भारत को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि वह अपनी पारी को और बड़ा करना चाहते थे लेकिन अंत में वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं।

जायसवाल ने कहा, 'मैं और बेहतर करना चाहता था, मैं इससे बड़ी पारी खेलना चाहता था। अगर ऐसा होता तो मैं कुछ और भी हासिल कर सकता था। लेकिन ठीक है, मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मेरी कोशिश यही रहती है कि जितना संभव हो सके उतनी देर बल्लेबाजी कर सकूं और मैं अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठा रहा हूं।'

जायसवाल ने दो शतक और दो अर्धशतक के साथ इस सीरीज में कुल 411 रन बनाए। ओवल में लगाया जायसवाल का शतक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में उनका चौथा शतक भी है। जायसवाल ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों और कोच से उन्हें यही फीडबैक मिला था कि वह लगातार मेहनत करते रहें और उन्होंने कहा कि वह खुद भी यह मानते हैं कि इस खेल में निरंतरता के साथ प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है।

जायसवाल ने कहा, 'फीडबैक यही है कि लगातार मेहनत करते रहना है और जैसा कि हम सभी करते हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं और हर दिन बेहतर करने का प्रयास करते हैं। मेरा मानना है कि क्रिकेट निरंतरता का खेल है तो हम यह सुनिश्चित करने का पूरा प्रयास करते हैं कि हम अभ्यास सत्रों में कड़ी मेहनत करें। ताकि जब हम मैदान में उतरें तो खेल हमारे लिए आसान हो जाए। हम काफी मेहनत कर रहे थे। हमें पता है कि हम कैसे शॉट्स खेल सकते हैं और मुझे लगता है कि एक ही चीज को लगातार निरंतरता से करता रहना बेहद जरूरी है।'

जायसवाल का यह पहला इंग्लैंड दौरा भी था और उन्होंने कहा कि इस दौरे से उन्हें बतौर खिलाड़ी काफी कुछ सीखने को मिला है जिन्हें शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। जायसवाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि जरूरी यह है कि मैं कैसे चीजों से लड़ता हूं। मेरी मानसिकता यही रहती है कि जैसी भी परिस्थिति सामने हो उनसे लड़ूं और खेल का लुत्फ उठाऊं। मैं अपने आप को यही समझाता हूं कि अंत में यह एक खेल है और इसका लुत्फ उठाना जरूरी है। इस दौरे से मैंने काफी कुछ सीखा है, मैं हर चीज तो नहीं बता सकता लेकिन मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक तौर पर इस सीरीज में मैंने काफी कुछ सीखा है और जिस तरह से मैंने और पूरी टीम ने पिछले दो महीने से मेहनत की है और इंग्लैंड सीरीज का लुत्फ लिया है वो काबिले तारीफ है।'

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने चर्चा भी जायसवाल के काफी काम आई और बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि गंभीर ने उनके साथ नेट्स पर मिलकर काफी काम भी किया था। जायसवाल ने कहा, ''हमारे बीच काफी चर्चा हुई है और हमने मिलकर नेट्स में काफी काम किया है। विशेष तौर पर इस पर कि मैं कैसे रणनीति को मैदान पर अमली-जामा पहना सकता हूं और खेल का लुत्फ उठा सकता हूं। कैसे गेंदबाज पर दबाव बना सकता हूं। सर (गंभीर) काफी मदद करते हैं और मैं लुत्फ उठा रहा हूं।'

रानी मुखर्जी-विक्रांत की झोली में गिर सकता है नेशनल फिल्म अवॉर्ड

कोविड महामारी के चलते नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में देरी हो रही है। साल 2024 में 2022 में रिलीज होने वाली फिल्मों को पुरस्कार दिए गए थे। अब इस साल उन फिल्मों को पुरस्कृत किया जाएगा, जो वर्ष 2023 में रिलीज हुईं। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कब होगी, यह अभी तय नहीं है। मगर, रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि इस बार रानी मुखर्जी और विक्रांत मैसी नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के दावेदार हो सकते हैं।

इन फिल्मों के लिए जीत सकते हैं नेशनल अवॉर्ड

एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले 48 घंटों में 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो सकती है। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बार रानी मुखर्जी और विक्रांत मैसी पुरस्कार जीतने के प्रबल दावेदार हैं। यह पुरस्कार रानी को मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए और विक्रांत को 12वीं फेल के लिए मिल सकता है।

दोनों के लिए होगी बड़ी उपलब्धि

विक्रांत मैसी ने 12वीं फेल में और रानी मुखर्जी ने फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में शानदार काम किया है। इन फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए उन्हें पहले भी कई अवॉर्ड्स मिल चुके हैं। अब अगर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी उनकी झोली में गिरता है तो यह वाकई एक बड़ी उपलब्धि होगी।

आधिकारिक एलान का इंतजार

रानी मुखर्जी करीब 25 साल से अधिक वक्त से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने ब्लैक, नो वन किल्ड जेसिका, मर्दानी, हिचकी जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। मगर, अब तक उन्हें कोई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार नहीं मिला है। अगर उन्हें अब मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलता है, तो यह वाकई उनकी हकदार हैं। 12वीं फेल में विक्रांत ने अपने अभिनय से सबको चौंका दिया। अगर उन्हें इस फिल्म के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिलता है, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी।

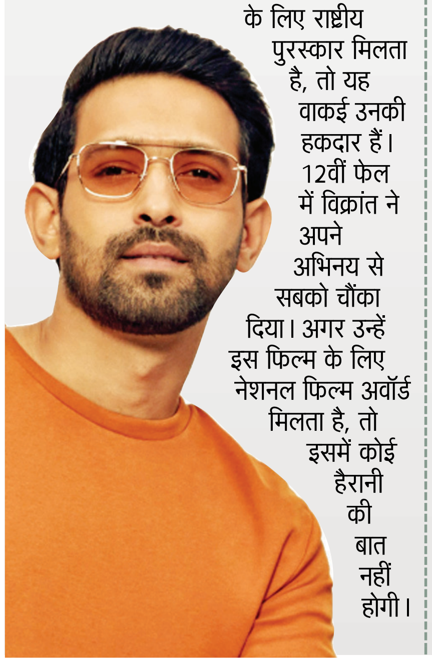

फातिमा सना शेख ने आर माधवन को बताया पसंदीदा को-स्टार

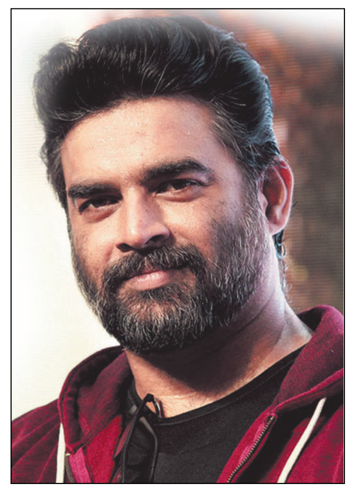

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म आप जैसा कोई के एक्टर आर माधवन उनके पसंदीदा को-स्टार हैं। माधवन की तारीफ करते हुए फातिमा ने उन्हें सबसे अच्छा इंसान भी बताया। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ कुछ मजेदार और यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैडी और फैटीज मेरे सबसे पसंदीदा को-स्टार! फातिमा ने पोस्ट में माधवन को शूटिंग आसान और मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। फातिमा ने लिखा, आपके विनम्र और उदार स्वभाव ने पूरी शूटिंग को आसान और मजेदार बना दिया। फातिमा, माधवन की मां के सांबर मसाला रेसिपी और हर सुबह दी जाने वाली परफेक्ट फिल्टर कॉफी के लिए भी आभार जताती नजर आई। साथ ही उन्होंने सेट पर अक्सर गुलाब जामुन लाने के लिए भी माधवन को धन्यवाद कहा। आप जैसा कोई रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसे करण जौहर की धर्मा‍टिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में आर. माधवन संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेणु त्रिपाठी की भूमिका में हैं, जबकि फातिमा सना शेख एक बिंदास फ्रेंच टीचर मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म श्रीरेणु और मधु की प्रेम कहानी को दिखाती है, जो सामाजिक रूढ़ियों के बीच पनपती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आप जैसा कोई के अलावा फातिमा, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों में नजर आईं। 4 जुलाई को रिलीज हुई मेट्रो... इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन ए मेट्रो की सीक्वल है।

नोरा फतेही और रेवैन्नी फिर एक साथ आएंगे नज़र

स्नेक से दुनिया भर में धूम मचाने के बाद, नोरा फतेही और रेवैन्नी की क्रॉस-कल्चरल जोड़ी धमाकेदार ट्रैक तेतेमा के साथ फिर से वापस आ रहा है। जेसन डेरुलो के साथ स्नेक की ज़बरदस्त ग्लोबल सफलता के बाद, जिसे अब तक 130 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, नोरा फतेही अब एक और बड़ा इंटरनेशनल धमाका करने जा रही हैं। वह टैलेंटेड अफ्रीकी कलाकार रेवैन्नी के साथ तेतेमा में फिर से नजर आएंगी — जो कि एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल फ्यूजन ट्रैक है। यह गाना अफ्रो-बॉन्गो एनर्जी को बहुभाषीय और क्रॉस-कल्चरल ट्विस्ट के साथ पेश करता है। सूत्रों के अनुसार इस नए रिक्रिएशन का नाम ओ मामा तेतेमा से आ सकता है, जो रेवैन्नी और डायमंड प्लैटनम्ज़ के ओरिजिनल हिट तेतेमा पर आधारित होगा। इस बार नोरा न सिर्फ़ गाने की विज़ुअल हाइलाइट होंगी, बल्कि एक गायिका के रूप में भी नजर आएंगी — जहाँ वह अंग्रेज़ी, स्वाहिली और हिंदी के अनोखे मेल से अपने सिग्नेचर स्वैग और स्पाइस को पेश करेंगी। 2019 की उनकी वायरल इंटरनेशनल हिट ट्रैक पेपेटा के बाद, यह नोरा और रेवैन्नी के साथ एक और बड़ी जोड़ी की वापसी है।

फेस सर्जरी के आरोपों पर भूमि पेडनेकर ने तोड़ी चुप्पी

इंडस्ट्री में फिलर्स, बोटोक्स और सर्जरी को लेकर अक्सर बहस होती है। सितारों को इसे लेकर आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी हैं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर भी सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने का आरोप लगाए हैं। हाल ही में सीरीज द रॉयल्स में उनकी उपस्थिति ने आग में घी डालने का काम किया और इंटरनेट यूजर्स ने कथित बोटोक्स और फिलर्स के लिए भूमि को ट्रोल किया। हाल ही में अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

लोगों की पसंद पर राय देने वाली मैं कोई नहीं होती

पिछले कई वर्षों से ऐसी अटकलें लगती रही हैं कि भूमि पेडनेकर ने सर्जरी कराई है। हालांकि, खुद भूमि ने ऐसी अटकलों पर हमेशा इनकार ही किया है। अब हाल ही में उन्होंने कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में बात करते भूमि पेडनेकर ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी की अपनी पसंद होती है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां लोगों को अपनी पसंद खुद चुननी चाहिए। मैं कोई नहीं होती, जो लोगों की पसंद पर अपनी कोई राय बना सकूं। भूमि ने बोटोक्स और सर्जरी को लेकर आगे कहा, मुझे यह भी लगता है कि इस पर बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है। अभिनेत्री ने आगे अपनी डाइट पर चर्चा की। भूमि ने बताया कि देसी घी उनके नियमित खाने में शामिल होता है। एक्ट्रेस ने कहा, लोग इससे बहुत डरते हैं, लेकिन मेरे खाने में एक चीज जरूर शामिल है और वह है वसा। मैं अपने खाने में घी बहुत ज्यादा लेती हूं। बस फर्क इतना है कि मैं घी में खाना नहीं बनाती। मैं इसे खाने के ऊपर डालकर खाती हूं। इसे अपनी रोटी पर या इडली में डालकर खाएं, यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।

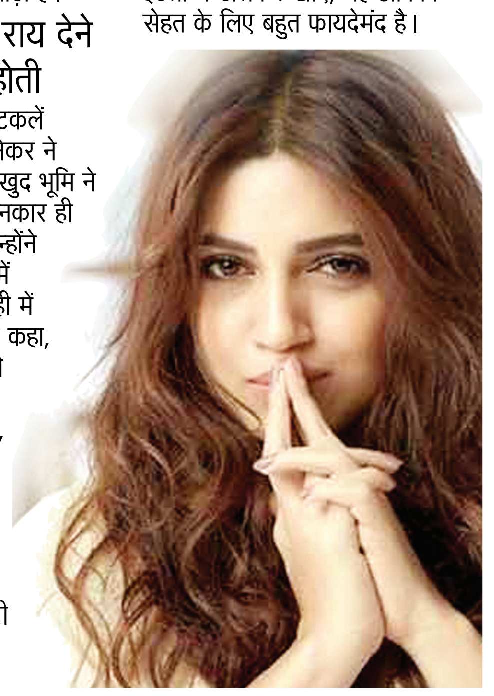

सलाकार की कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा। बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह कहानी एक ऐसे जासूस की कहानी है, जो अपनी खुफिया जानकारी से देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने दुश्मनों को सफलतापूर्वक मार देता है और पाकिस्तान में गुप्त तरीके से परमाणु ठिकानों के अस्तित्व का पता लगाता है। निर्देशक और सह-लेखक, फारुक कबीर ने कहा, सलाकार एक जासूसी थ्रिलर की कहानी है। जो एक्शन के लिए नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी और बलिदान के लिए बनी है।

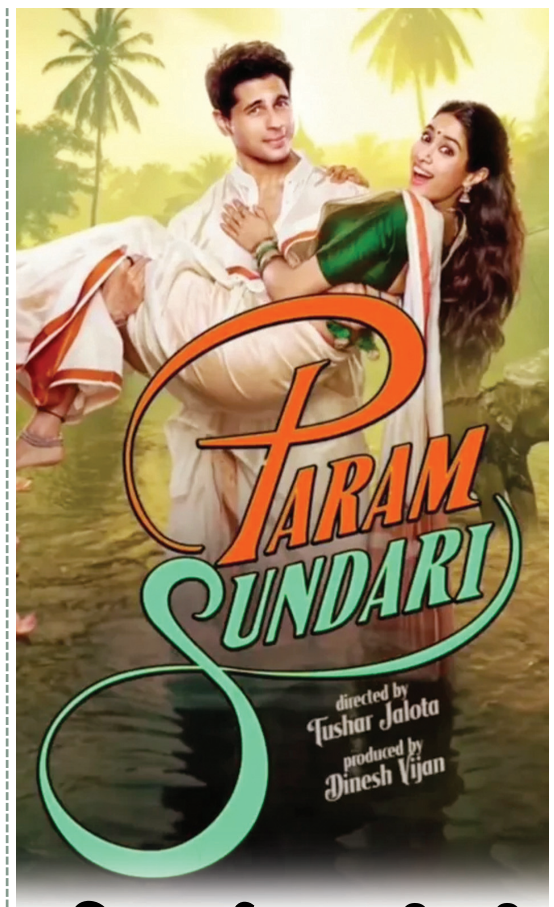

सिद्धार्थ-जाह्नवी की परम सुंदरी की नई रिलीज डेट का ऐलान

दिनेश विजान के मैडॉक तले बनी फिल्म परम सुंदरी की नई रिलीज डेट अब सामने आ गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के मेकर्स की तरफ से इस बात की ऑफिशियल जानकारी दी गई है। इससे पहले फिल्म 25 जुलाई को रिलीज की जानी थी। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी सामने आया है जिसमें सिद्धार्थ और जाह्नवी नजर आ रहे हैं।

फिल्म का गाना परदेसिया हुआ रिलीज

मेकर्स की तरफ से फिल्म का गाना परदेसिया भी रिलीज हो चुका है। इस गाने में सिद्धार्थ और जाह्नवी के बीच जबरदस्त कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों किरदार प्यार में डूबे हुए हैं और एक दूसरे से अपने प्यार का इजहार करते हुए नजर आ रहे हैं।

परम सुंदरी की स्टार कास्ट

इन दिनों बॉलीवुड में लवस्टोरी पर बेस्ड फिल्मों का बोलबाला देखने को मिल रहा है। जब से अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा रिलीज हुई है, तभी से ऐसा लग रहा है मानो सिनेमा में प्रेमकहानी पर बनी फिल्मों को नया जीवन मिल गया है। इसी कड़ी में पहले फिल्म धड़क 2 रिलीज होगी, जिसमें सिद्धार्थ चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। फिर महीने के आखिर तक सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की ये फिल्म रिलीज हो जाएगी। 29 अगस्त को सिनेमाघरों में फिल्म परम सुंदरी को रिलीज किया जाएगा।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबारी परम का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की (सुंदरी) के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है, जो अपनी परंपराओं और उसूलों की पक्की है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 2 एकदम अलग-अलग मिजाज के लोग एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। ये फिल्म उनकी प्रेम कहानी पर बेस्ड होगी। इस फिल्म को तुषार जलोटा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो इससे पहले 2022 में आई फिल्म दसवीं का निर्देशन कर चुके हैं।

पहचान बनाने के बाद भी लोग काम नहीं, शादी की बात करते हैं....

बॉलीवुड में अपनी फिल्मी पारी शुरू करने वाली श्रुति हासन साउथ की सबसे ज्यादा फीस पाने वाली हीरोइनों में गिनी जाती हैं। अपने सुपरस्टार पिता की छाया से निकलने में श्रुति को वक्त तो लगा, हालांकि, उन्होंने अपनी जमीन पुख्ता कर ली। इन दिनों वह रजनीकांत स्टारर कुली के कारण चर्चा में हैं। बातचीत में उन्होंने महिला मुद्दों, शादी, पिता कमल हासन, माता-पिता के अलगाव जैसे कई मुद्दों पर दो टूक बात की।

आप फिल्मी घराने से ताल्लुक रखने वाली एक मजबूत आत्मनिर्भर लड़की हैं, आपको लड़कियों को लेकर सबसे ज्यादा क्या बात परेशान करती है?

श्रुति हासन- लड़कियों को लेकर किया जाने वाला डबल स्टैंडर्ड मुझे बहुत परेशान करता है। मर्द अगर कोई चीज करें, तो उन्हें शाबाशी मिलती है, मगर लड़कियां करें, तो उन पर उंगली उठाई जाती है। अगर एक मर्द असर्टिव होता है, तो उसे दृढ़ इच्छाशक्ति वाला कहा जाता है, मगर यदि कोई लड़की इस तरह से अपनी बात रखे, तो उसे घमंडी कहा जाता है और बोला जाता है कि उसे लड़कियों की तरह बात करनी चाहिए। मुझे बहुत आपत्ति होती है, जब लड़कियों को आसानी से जज किया जाता है। बराबरी का दर्जा नहीं मिलता।

आज काफी चीजें बदल गई हैं, मगर क्या आपको लगता है कि एक्ट्रेस होने के नाते रोल्स हों या पे पैरिटी, असमानता घटी है?

बीते सालों में ये भेदभाव कम हुआ है, मगर अभी भी उतना नहीं घटा, जितनी हमने अपेक्षा की थी। आज सोशल मीडिया पर भी बहुत कुछ होता है। मैं कमेंट्स पढ़ती रहती हूं, अरे कितने दिन काम करोगी, शादी कर लो। एक हीरोइन को लेकर इस तरह के कमेंट्स सुनने को मिलते हैं, मगर हीरो को कोई ये नहीं कहता। प्रभास और सलमान खान को ये बात कोई नहीं कहता कि बहुत हुआ काम अब शादी कर लो। तो अब भी ये फीमेल-मेल पर्सपेक्टिव है। मैं मानती हूं कि पे पैरिटी घटी है, अभिनेत्रियों को दमदार भूमिकाएं मिल रही हैं, मगर यदि इस मानसिकता में बदलाव नहीं आता, तो क्या फायदा?

तो क्या आप भी शादी करने का दबाव महसूस करती हैं?

बिल्कुल। मुझे जब लगातार इंटरव्यू में पूछा जाने लगा कि मैं शादी कब करूंगी, तो मैंने कह दिया कि मैं शादी में बिलीव नहीं करती। मुझे लगा था, मैंने एक बार इस मुद्दे पर कहा, तो वो छोड़ देंगे, मगर हर बार घूम फिरकर मेरी शादी पर बात आ जाती है। मैंने इतना काम किया है। खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं तरह -तरह की चीजें करती हूं, मगर मुझे एक ही नजरिए से देखा जाता है और ये सिर्फ मेरी अपनी बात नहीं है, ये हम सभी लड़कियों के साथ है।

अतीत में पलटकर देखने पर आपको ऐसा लगता है कि आपके माता-पिता (सारिका-कमल हासन) के बीच अगर अलगाव न हुआ होता, तो आपके जीवन में चीजें कुछ अलग होतीं?

निश्चित रूप से सोचती हूं, क्योंकि मैं थेरेपी के क्षेत्र में भी काम करती हूं। मैं साइकोलॉजी में भी रुचि रखती हूं। मैं बिल्कुल सोचती हूं कि वो साथ रहते, तो कुछ अलग हो सकता था। मगर फिर ये चीजें हमारे हाथ में नहीं हैं। मेरा कहना यही है कि उस बात को हम बदल नहीं सकते। मुझे विक्टम मेंटेलिटी जरा भी पसंद नहीं है। मैं मानती हूं कि हर किसी की कहानी में एक हादसा होता है। हर किसी के पास एक दुखभरी कहानी होती है। पर मैं उस अगर या मगर में यकीन नहीं करती। जो हुआ, सो हुआ, अब मैं उसे कैसे हैंडल करूं, मेरा फोकस उस पर होता है।

आप भी एक लंबा करियर जी चुकी हैं, आपको कब लगा कि आप कमल हसन जैसे बड़े मेगा स्टार की छाया से निकल चुकी हैं?

आज ही क्यों, मुझे तो शुरू से ही लगता है कि मैंने अपनी अलग चीजें करने की कोशिश की है। मैं हमेशा मानती हूं कि हासन सरनेम के कारण मेरे लिए दरवाजे खुले। मगर ये भी सच है कि मेरे माता-पिता (कमल हासन और सारिका) ने फोन उठाकर मेरे करियर के लिए कभी फेवर नहीं मांगा। मैं जब से काम कर रही हूं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हूं, तो जब आपको खुद के बिल भरने पड़ें, मीटिंग्स लेनी पड़ें, तब वो छाया खुद-ब-खुद घटने लगती है। आज भी जब पत्रकार इंटरव्यू में पापा की बातें करते हैं, तो लगता है कि वो शेडो नहीं घटा है, पर आज मैं उसे छाया नहीं एक रोशनी की तरह देखती हूं।

आपने अब तक साउथ के विजय, प्रभास, पवन कल्याण जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है, मगर कुली में रजनीकांत जैसे सुपरस्टार संग काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सबसे पहले तो मैं आपको बता दूं कि रजनी सर (रजनीकांत) मेरे पापा (कमल हासन) के कंटेम्परेरी हैं, तो वो कनेक्शन था, जो सेट पर काफी काम आया। उनसे सीखने को काफी मिला। वह सेट पर एक कमाल का माहौल बनाए रखते हैं। वह सेट पर एक सकारात्मक माहौल लेकर आते हैं। वह अपनी एनर्जी से सब कुछ बदल देते हैं। इसमें मेरा प्रीति का किरदार भी ऐसा है, जिससे महिलाएं खुद को जोड़ पाएंगी।

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन औऱ लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णोराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

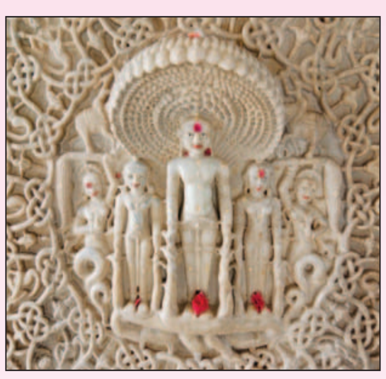

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूतियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।